



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 183 ]  
No. 183]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 29, 2003/श्रावण 7, 1925  
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 29, 2003/SRAVANA 7, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क भागीदारीशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 2003

अंतिम जांच परिणाम

**विषय :**—भारत में सिंगापुर, ब्राज़ील, रोमानिया, मलेशिया तथा दक्षिण अफ्रीका के मूल अर्थवा वहाँ से निर्यातित कितिपय प्रकार के एसाइबिलक अल्कोहल के आवारों से संबंध में पाटनरोधी जांच।

सं. 63/1/2001-डी जी ए डी.—भारत सरकार वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

**क) प्रक्रिया**

2. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है :-

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को उपरोक्त नियमावली के अधीन घरेलू उद्योग की ओर से मै. नेशनल आर्गेनिक कैमिकल्स इंडस्ट्रीज लि. (एन ओ सी एल) और मै. आंधा पेट्रो कैमिकल्स लि. हैदराबाद से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई, जिसमें सिंगापुर, ब्राज़ील, रोमानिया, मलेशिया तथा दक्षिण अफ्रीका (जिन्हे आगे संबद्ध देश

- कहा गया है) के मूल अथवा वहां से निर्यातित कतिपय प्रकार के एसाइक्लिक अल्कोहल के पाटन का आरोप लगाया गया है;
- (ii) आवेदन की आरंभिक जांच से कतिपय त्रुटियों का पता लगा, जिन्हें याचिकाकर्ता द्वारा बाद में ठीक कर दिया गया था।
  - (iii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकारी ने सिंगापुर, ब्राजील, रोमानिया, मलेशिया तथा दक्षिण अफ्रीका के मूल के अथवा वहां से निर्यातित निम्नलिखित प्रकार के एसाइक्लिक अल्कोहल के पाटन के आरोप के विरुद्ध जांच आरंभ करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने नियमावली के उपनियम (5) के अनुसार जांच को शुरू करने की कार्रवाई से पहले पाटन के आरोप प्राप्त होने के बारे में संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया।
  - (iv) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची 1 के उपशीर्ष 2905.13, 2905.14, 2905.16, 2905.17 तथा 2905.19 के अंतर्गत वर्गीकृत सिंगापुर, ब्राजील, रोमानिया, मलेशिया तथा दक्षिण अफ्रीका के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एसाइक्लिक अल्कोहल के कुछेक प्रकारों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए दिनांक 31 जनवरी, 2002 को सार्वजनिक सूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की।
  - (v) प्राधिकारी ने उक्त सार्वजनिक सूचना की प्रति ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उद्योग संघों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को भेजी और उन्हें अपने विचार लिखित रूप में पत्र की तारीख के 40 दिन के भीतर देने का अवसर प्रदान किया।
  - (vi) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सीमाशुल्क बोर्ड से संबद्ध वस्तुओं के आयातों का विवरण देने का अनुरोध किया गया।
  - (vii) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6 (3) के अनुसार याचिका के अगोपनीय रूपान्तर की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों तथा भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को भेजी।
  - (viii) संबद्ध देशों के दूतावासों को नियम 6 (2) के अनुसार जांच शुरू होने के बारे में सूचना दी गई और उनसे अनुरोध किया गया कि वे अपने-अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को

निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। उन्हें निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका तथा प्रश्नावली की एक प्रति भी भेजी गई।

- (ix) भारत में एसाइक्लिक एल्कोहल के ज्ञात आयातकों उपयोक्ताओं (प्रारंभिक जांच परिणामों के ब्यौरों के अनुसार) को नियम 6 (4) के अनुसार एक प्रश्नावली भेजी गई जिसमें सूचना मांगी गई थी।
- (x) प्राधिकारी ने 29 जुलाई, 2002 की अधिसूचना के द्वारा प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित किया था और हितबद्ध पक्षों को अपने विचारों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर अवगत कराने का अनुरोध किया।
- (xi) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों / उच्चायोगों को प्रारंभिक जांच परिणामों की एक प्रति इस अनुरोध के साथ भेजी कि संबद्ध देशों के निर्यातकों / उत्पादकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों को प्रारंभिक जांच परिणामों पर अपने विचार समय सीमा के भीतर प्रस्तुत करने की सलाह दें।
- (xii) प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे), अन्य निर्यातकों, जिन्होंने जांच शुरूआत अधिसूचना का उत्तर दिया था, आयातकों तथा भारत में उपयोक्ता उद्योग संघों को एक प्रति भेजी और उनसे प्रारंभिक जांच परिणामों पर अपने विचार, यदि कोई हों, पत्र की तारीख से चालीस दिन के भीतर अवगत कराने का अनुरोध किया।
- (xiii) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षों को अपने विचारों को मौखिक रूप से 7 अक्टूबर, 2002 और 4 अप्रैल, 2003 को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। इसके अतिरिक्त मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों को मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था। पार्टियों को प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उसका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।

- (xiv) प्राधिकारी ने नियम 6 (7) के अनुसार सभी हितबद्ध पार्टियों के अनुरोध पर विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल निरीक्षण हेतु उपलब्ध कराई ।
- (xv) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें पहले अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है, को संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है । तथापि हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर बाद में प्रकटन विवरण तथा इन परिणामों में उचित ढंग से विचार किया गया है ।
- (xvi) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन परिणामों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों / आधार को ज्ञप्त हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया है और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम निष्कर्षों में विधिवत विचार किया जाएगा ।
- (xvii) प्राधिकारी ने मौके पर सत्यापन सहित जांच भी की और सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर तथा याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत भारत में इसकी निर्माण एवं बिक्री की लागत निकाली ।
- (xviii) प्राधिकारी ने मै. बी ए एस एफ पेट्रोनोस कैमीकल्स, मलेशिया और मै. ओल्टचिम, रोमानिया के निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना का मौके पर सत्यापन किया ।
- (xix) \*\*\* यह चिह्न इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का द्योतक है तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय ही माना गया है ।
- (xx) यह जांच 1 अप्रैल, 2000 से 30 जून, 2001 ( 15 माह ) तक की अवधि के लिए है ।
- (xxi) जांच शुरुआत संबंधी सूचना तथा प्रारंभिक जांच परिणामों की प्रतियां व्यापक परिचालन के लिए फिककी, सी आई आई, एस एच एम को भी भेजी गई ।

**ख) याचिकाकर्ताओं, निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टीयों के विचार और प्राधिकारी  
द्वारा उनकी जांच**

3. विभिन्न हितबद्ध पार्टीयों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर प्रारंभिक निष्कर्षों में और प्रकटन विवरण-पत्र में भी चर्चा की गई है। जिन विचारों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और प्रकटन विवरण-पत्र में पहले विचार नहीं किया गया है और जो मुद्दे अब प्रकटन विवरण के जवाब में उठाए गए हैं, उन पर नीचे दिए गए संगत पैराग्राफों में उस सीमा तक विचार किया गया है जहां तक वे नियमों के अनुसार संगत हैं और जहां तक वे इस मामले पर प्रभाव डालते हैं। हितबद्ध पार्टीयों द्वारा उठाए गए तर्कों की जांच की गई है, विचार किया गया है और जहां भी उचित समझा गया है, नीचे दिए संगत पैराग्राफों में उन पर कार्रवाई की गई है।
  
  
  
4. प्रारंभिक जांच परिणामों के चरण पर निम्नलिखित से उत्तर प्राप्त हुए :-

**निर्यातक :-**

मै. ओल्टचिम एस ए आर एम वलसीया,  
रोमानिया

मै. बी ए एस एफ पेट्रोनस कैमिकल्स एस डी एन, बी एच डी,  
मलेशिया

मै. सासोल कैमिकल इंडस्ट्रीज लि.,  
दक्षिण अफ्रीका

मै. सिक्वीन सिया पेट्रोक्वीमिइका,  
ब्राज़ील

आयातक तथा उपयोक्ता ( संघ सहित ) :-

के एल जे प्लास्टिसाइज़र्स,  
नई दिल्ली

के एल जे पॉलीमर्स एंड केमिकल्स लि.,  
नई दिल्ली

पी सी एल ऑयल एंड सॉल्वेंट्स लि.,  
नई दिल्ली-110001

सिलवासा प्लास्ट,  
नई दिल्ली

इन्डो निप्पोन केमिकल्स कं. लि.,  
मुम्बई-400020

ए पी आई इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन,  
दमन

एन के पॉलीमर्स एंड एडीटिक्स मैन्युफैक्चरिंग कं. लि.,  
दमन

विकास ऑरगेनिक्स प्रा. लि.,  
नई दिल्ली-110026

मै. पायल पॉलीमर्स,  
दमन

मै. रचना प्लास्टिसाइज़र्स,  
सिलवासा

इंडियन प्लास्टिसाइज़र्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन,  
नई दिल्ली-110015

मै. लुबरिजोल इंडिया प्रा. लि.  
मुम्बई

विभिन्न पार्टीयों द्वारा किए गए अनुरोधों पर प्रारंभिक जांच परिणामों में विचार किया गया है  
और संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है।

#### 5. विचाराधीन उत्पाद तथा समान घस्तु

शुरुआत अधिसूचना के अनुसार विचाराधीन उत्पाद एसाइक्लिक अल्कोहल के निम्नलिखित प्रकार हैं और उनके हेलोजनोटड, सल्फोनेटिड, नाइट्रोसेटिड अथवा नाइट्रोसेटिड डैरिवेटिव्स ( सामान्यतया 'ऑक्सो अल्कोहल' नाम से जाने जाते हैं ) हैं :-

- (i) नॉर्मल ब्यूटानोल ( एन बी ए ) या एन ब्यूटाइल अल्कोहल, ब्यूटान-1-01,
- (ii) 2-इथाइल हैक्सानोल ( 2-ई एच ए )
- (iii) आइसो ब्यूटानोल ( आई बी ए ) या ब्यूटान-2-01
- (iv) सैब्यूटोल
- (v) हैक्सानोल
- (vi) हैप्टानोल
- (vii) ऑक्टानोल और आइसो ऑक्टानोल
- (viii) नोनानोल और आइसो नोनानोल

- (ix) डेकानोल और आइसो-डेकानोल
- (x) उपरोक्त के मिश्रण

उपरोक्त एसाइक्लिक अल्कोहलों का वर्गीकरण सीमाशुल्क टैरिफ वर्गीकरण की अनुसूची 1 के शीर्ष 29.05 के उपशीर्ष 2905.13, 2905.14, 2905.16, 2905.17 के तहत वर्गीकृत किया गया है। तथापि ये सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और मौजूदा जांच के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं हैं।

प्राधिकारी द्वारा विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के मुद्दे पर प्रारंभिक जांच परिणामों में विस्तार से विचार किया गया है और प्राधिकारी ने अपनी सिफारिशों को निम्नलिखित प्रकार के ऑक्सो अल्कोहल तक सीमित रखा है :-

नॉर्मल ब्यूटानोल (एन बी ए), 2-इथाइल हैक्सानोल (2-ई एच ए), आइसो ब्यूटानोल (आई बी ए), सैब्यूटोल, ऑक्टानोल और आइसो ऑक्टानोल, नोनानोल और आइसो नोनानोल।

6. प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के बारे में निम्नलिखित तर्क दिए गए हैं :-

(क) मै. सासोल कैमिकल्स इंडस्ट्रीज़ प्रा. लि., दक्षिण अफ्रीका ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं :-

- (i) याचिकाकर्ता केवल आई बी ए, एन बी ए और 2-ई एच ए का विनिर्माण करते हैं।
- (ii) उत्पाद प्रकार के सिद्धांत का उपयोग करते हुए न्याय की विफलता सामने आ रही है क्योंकि याचिकाकर्ता अन्य ऑक्सो अल्कोहल का विनिर्माण नहीं करता है जिनका भिन्न और सुस्पष्ट उपयोग है।
- (iii) इस मामले के तथ्यों पर, ऑक्सो अल्कोहल के प्रत्येक प्रकार की रासायनिक संरचना 4 की कार्बन चेन से 10 की चेन तक अलग-अलग हैं। याचिकाकर्ताओं के

स्वयं स्वीकार करने पर ऑक्सो अल्कोहल के प्रत्येक प्रकार में अंतर को बताने वाला एक चार्ट तैयार किया गया था और याचिका के अगोपनीय रूपांतर के साथ संलग्न कर दिया गया था ।

- (iv) ऑक्सो अल्कोहल का केवल एक ही भाग प्लास्टिसाइज़र्स का विनिर्माण करता है । परिणामी प्लास्टिसाइज़र्स अर्थात् डी ओ पी और डी आई एन पी भिन्न हैं । अतः समान उत्पाद प्रकार सिद्धांत इस मामले में दुष्प्रयुक्त है ।
- (v) याचिकाकर्ता द्वारा किया गया तर्क स्थिच सिद्धांत बहुत ही सामान्य है । यह तथ्य कि उत्पाद का प्रयोग बदल-बदल कर किया जा सकता है, क्षमि विश्लेषण पर प्रभाव डाल सकता है, परंतु निश्चित रूप से विचाराधीन उत्पाद को निर्धारित करने का आधार नहीं हो सकता है । इसे घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद अथवा उस समान उत्पाद के अभाव तक सीमित रखा जाना चाहिए जिसकी विचाराधीन उत्पाद से निकट से विशेषताएं मिलती जुलती हों । यह डब्ल्यू टी ओ के नियमों तथा भारतीय कानून द्वारा अधिदेशित है ।
- (vi) यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि मै. सासोल के लिए आई बी ए या एन बी ए जैसे ऑक्सो अल्कोहल के विपरीत, सैब्यूटोल एक स्वामित्वाधीन फॉर्म्यूलेशन विशिष्ट पद्धति है ।
- (vii) सैब्यूटोल ऑक्सो अल्कोहल नहीं है, और न ही वाणिज्यिक एवं प्रौद्योगिकी की दृष्टि से यह आई बी ए या एन बी ए का विकल्प है ।
- (viii) सैब्यूटॉल का उत्पादन आलिफिन के उपयोग द्वारा नहीं होता है, बल्कि कोयले से फिशचर ट्रॉप्स प्रक्रिया द्वारा होता है ।
- (ix) सैब्यूटॉल एन-ब्यूटानॉल से अलग है, क्योंकि यह एक अशुद्ध उत्पाद है जिसमें उच्च कार्बन संख्या वाले समावयव होते हैं, तथा इसका उत्पादन कोयला से फिशचर ट्रॉप्स प्रक्रिया के परिणामस्वरूप होता है ।

- (x) हांलाकि एन-ब्यूटानॉल की तरह सैब्यूटॉल को भी व्युत्पन्न किया जा सकता है तथापि अलग स्तर पर प्रतिक्रिया करता है। अतः व्युत्पत्तिकरण के दौरान भिन्न प्रतिक्रिया, गतिबल एवं प्रक्रिया आवश्यकताएं होती हैं तथा इससे निर्मित अंतिम उत्पाद एन-ब्यूटानॉल, आइसो ब्यूटानॉल तथा 2-ई एच ए या अन्य ऑक्सो अल्कोहल से बने उत्पादों से व्यापक रूप से भिन्न होते हैं।
- (xi) इनमें से किसी भी उत्पाद के लिए सैब्यूटॉल की संगति बिल्कुल भिन्न होती है, क्योंकि यह विभिन्न अल्कोहल समावयव का सांघातिक उत्पादित मिश्रण है, जो इसे अन्य ऑक्सो अल्कोहल की तुलना में बिल्कुल भिन्न गुण प्रदान करता है।
- (xii) सैब्यूटॉल का पारंपरिक उपयोग प्लास्टिसाइज़र का विनिर्माण करना नहीं है। प्लास्टिसाइज़र के प्रयोजनार्थ वस्तुतः सैब्यूटॉल का कोई भी उपयोग नवीनतम विकास है। वस्तुतः सैब्यूटॉल से बने प्लास्टिसाइज़र्स में डी ओ पी, डी बी पी तथा डी आई बी पी जिसका विनिर्माण 99 % शुद्ध 2 ई एच ए, 99 % शुद्ध एन बी ए तथा 99 % शुद्ध आई बी ए से क्रमशः किया जाता है, जैसे प्लास्टिसाइज़र्स की पारंपरिक प्लास्टिसाइज़िंग क्षमता नहीं है तथा इस प्रकार सैब्यूटॉल प्लास्टिसाइज़र का प्रयोग सीमित है। उपभोक्ता सामान्य प्रयोजनार्थ प्लास्टिसाइज़र्स की अपेक्षा सैब्यूटॉल प्लास्टिसाइज़र्स को बिना विशिष्टियों के प्लास्टिसाइज़र्स के रूप में पहचानते हैं।
- (xiii) हांलाकि आइसोब्यूटाइल अल्कोहल (आई बी ए) तथा एन-ब्यूटानॉल (एन बी ए) दोनों ही एक विशिष्ट अल्कोहल के 99 % शुद्ध एकल समावयव हैं जिनका एक विशिष्ट रासायनिक सूत्र होता है, सैब्यूटॉल अल्कोहल के अत्यंत भिन्न समावयव का प्राकृतिक मिश्रण है जिसमें प्रत्येक का अपना अलग एवं अनन्य सूत्र होता है।
- (xiv) सैब्यूटॉलकी कार्बन श्रृंखला एकमात्र महत्वपूर्ण मापदंड है जो सैब्यूटॉल को आई बी ए तथा एन बी ए से अलग करता है।
- (xv) सैब्यूटॉल में एन-ब्यूटानॉल का अंश 65% से 69%, आइसो ब्यूटाइल अल्कोहल का अंश 5% से 12% तथा द्वितीयक पेंटानॉल का अंश 15% से 20% होता है।

यह प्रथम दृष्टया स्पष्ट है कि 99% शुद्ध आई बी ए, 99 % शुद्ध एन बी ए तथा 99 % शुद्ध 2 ई एच ए को कभी भी सैब्यूटॉल के तुलनीय उत्पाद नहीं माना जा सकता जिसमें द्वितीयक तथा तृतीयक पेंटानॉल के ऐसे उच्च सांदरण होते हैं ।

- (xvi) सैब्यूटॉल में अन्य तत्वों के साथ-साथ आई बी ए तथा एन बी ए होता है । तथापि, न तो आई बी ए और न ही एन बी ए को सैब्यूटॉल से निकाला जा सकता है । अतः इसकी कायार्त्मकता की तुलना आई बी ए या एन बी ए से नहीं की जा सकती है ।
- (xvii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सैब्यूटॉल तथा एन बी ए की आसवन एवं विशिष्ट मात्रा पर विचार किया है तथा यह निष्कर्ष निकाला कि सैब्यूटॉल की विशेषताएं जांचाधीन उत्पाद से काफी मिलती जुलती हैं । इन दो मापदंडों के अलावा, ऑक्सो अल्कोहल तथा इसके विकल्प के अनेक अन्य चयन मापदंड हैं जिन्हें भी महत्वपूर्ण माना गया है ।
- (xviii) सामान्य आई टी सी वर्गीकरण के अंतर्गत, सैब्यूटॉल का आयात सैब्यूटॉल को समान वस्तु निर्धारित करने में निर्णायक कारक नहीं हो सकता ।
- (xix) बिना स्वीकार किए यह मानते हुए कि सैब्यूटॉल याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित ऑक्सो अल्कोहल के समान वस्तु है, किसी भी प्रकार का संदेह नहीं रह जाता है कि इसका संघटन तथा बिक्री मूल्य द्वितीय सामग्री से अधिक मिलता-जुलता है । यह श्रेणी देश में विनिर्मित शुद्ध अल्कोहल को क्षति नहीं पहुंचा सकता ।
- (xx) जांचाधीन अवधि के दौरान दक्षिण अफ्रीका से आई बी ए / एन बी ए का निर्यात नहीं हुआ है जिसकी पुष्टि टैरिफ तथा व्यापार बोर्ड, दक्षिण अफ्रीका के एक पत्र द्वारा होती है । कानूनन जांच अवधि के दौरान भारत में निर्यात नहीं की जाने वाली मदों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का कोई आधार नहीं है । याचिकाकर्ता के इस मत का कि सभी प्रकार के ऑक्सो अल्कोहल, उनके समान वस्तुओं तथा इसके मिश्रण पर शुल्क लगाया जाए, पाटनरोधी शुल्क तथा प्रक्रिया के तहत कोई आधार नहीं है । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सभी ऑक्सो अल्कोहल, इनमें वे भी शामिल

हैं जिनका निर्यात या विनिर्माण दक्षिण अफ्रीका में कभी भी नहीं किया गया है, पर शुल्क लगाने की सिफारिश की है। यह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के उपबंधों के विरुद्ध है।

- (xxi) समान वस्तु विश्लेषण प्लास्टिसाइज़र्स के विभिन्न अंतिम उपयोग जो शू सोल्स से लेकर कृत्रिम लेदर तक है, को नकारता है।
- (xxii) याचिकाकर्ता माननीय सीगेट के रेसियो डिसिडेंडी का गलत प्रयोग कर रहा है। सीगेट के लिए ज़रूरी है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी वैज्ञानिक तथ्य तथा सिद्धांतों के आधार पर इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि आयातित उत्पाद घरेलू तौर पर उत्पादित सामग्री के समान वस्तु है।
- (xxiii) सैब्यूटॉल से बनी प्लास्टिसाइज़र्स में डी ओ पी / डी बी पी तथा डी आई डी पी, जिसका विनिर्माण 99% शुद्ध 2 ई एच ए / एन बी ए / आई बी ए से होता है, जैसे प्लास्टिसाइज़र्स की प्लास्टिसाइजिंग क्षमता नहीं होती है। इसकी वजह से सैब्यूटॉल आधारित प्लास्टिसाइज़र्स का संभावित उपयोग नहीं हो पाता है नथा 2 ई एच ए, एन बी ए तथा आई बी ए से विनिर्मित प्लास्टिसाइज़र्स की तुलना में इसमें कमियां रह जाती हैं।
- (xxiv) किसी भी जांच की शुरुआत घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद से होती है। किसी भी उत्पाद को जांच की परिधि में शामिल करने की पूर्व शर्त के अनुसार, अमेरिकी आई टी सी के तहत यह अपेक्षित है कि घरेलू उद्योग का अस्तित्व है जो आयात किए जा रहे उत्पाद के समान उत्पाद अथवा विचाराधीन उत्पाद विनिर्मित करती है तथा भारतीय पाटनरोधी नियमावली के तहत निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इसका अनुसरण किया जाता है।
- (xxv) याचिकाकर्ता यह दर्शाने में असमर्थ रहा है कि उनके द्वारा विनिर्मित अल्कोहल की तुलना में अन्य अल्कोहल समान वस्तु है। याचिकाकर्ता द्वारा भरोसा किए गए तथा माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम में अनुसरण किए गए मापदंड पूर्णतः एकपक्षीय है तथा रसायन शास्त्र में इसका कोई आधार नहीं है।

(xxvi) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत उत्पाद स्विच सिद्धांत इस मामले के लथ्यपरक आधार के भीतर पूर्णतः असंगत है। लाल तथा नीले ऑटोमोबाइल की तुलना का कोई स्थान नहीं है क्योंकि लाल एवं नीले दोनों ही समान उत्पाद हैं अतः रंग को छोड़कर समान वस्तु है।

(xxvii) अन्य जांच के मामले में जिन पर याचिकाकर्ता ने भरोसा किया है, विभिन्न उत्पाद प्रकारों की समान रासायनिक विशेषताएं हैं। याचिकाकर्ता ने इस महत्वपूर्ण तथ्य की अवहेलना की है कि उपर्युक्त सूचीबद्ध प्रत्येक उत्पाद एक ही संयंत्र से विनिर्मित हैं जिसके कारण ये रासायनिक रूप से समान उत्पाद हैं। स्पष्टतः, इन प्रक्रियाओं में जांच किए जाने वाले बहुत सारे विभिन्न ऑक्सो अल्कोहल के साथ ऐसी बात नहीं है।

(ख) मै. इंडियन प्लास्टिसाइजर्स मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (आई पी एम ए) तथा मै. लुबरिजॉल इंडिया लि. ने निम्नलिखित तर्क प्रस्तुत किए हैं :-

- (i) धारा 9 क (1) तथा 9 क (2), नियमावली 4(1)(घ) तथा 13 के विपरीत, पाटनरोधी शुल्क उन वस्तुओं पर लगाया गया है जिनका आयात तक नहीं किया गया था (कोई भी निर्यात मूल्य उपलब्ध नहीं है) तथा जबकि पाटन का कोई मार्जिन नहीं था -

  - (क) सभी पांच देशों से नोनानोल, आइसो नोनानोल, ऑक्टानोल तथा आइसो ऑक्टानॉल, रोमानिया से एन बी ए तथा आई बी ए एवं दक्षिण अफ्रीका से 2-ई एच ए के संबंध में कोई पाटन मार्जिन नहीं था।
  - (ख) सभी मामलों में 2-ई एच ए के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन अवैध रूप से अपनाया गया जबकि कोई पाटन मार्जिन नहीं था।

- (ii) नियम 5 के विपरीत, प्राधिकारी ने कार्रवाई की शुरुआत वहाँ से की जहाँ प्रथम दृष्टया पाटन का कोई प्रमाण नहीं मिला

(क) निम्नलिखित के संबंध में याचिका में पाटन का कोई भी प्रमाण शामिल नहीं था -

याचिका में -

(क) दक्षिण अफ्रीका से एन बी ए, (ख) मलेशिया तथा सिंगापुर से आई बी ए के संबंध में पाटन का कोई प्रमाण नहीं था। इसके विपरीत याचिका में यह स्वीकार किया गया कि द. अफ्रीका से एन बी ए तथा मलेशिया एवं सिंगापुर से आई बी ए का पाटन नहीं हुआ है।

(ख) जांच शुरुआत में सभी विधिक अपेक्षाएँ नहीं होने की स्थिति में अनंतिम शुल्क नहीं लगाया जा सकता।

(iii) नियम 2 (घ) के विपरीत, अनेक ऐसे अल्कोहल जिनका भारत में आयात नहीं किया गया था को जांचाधीन उत्पाद के परिधि के भीतर शामिल किया गया है।

(iv) नियम 2 (घ) के विपरीत, निम्नांकित को ध्यान में रखते हुए बहुत सारे अल्कोहल को गलत ढंग से समान वस्तु माना गया है:

(क) नॉनानोल, आइसो नॉनानोल, ऑक्टानॉल, आइसो ऑक्टानोल तथा सैब्यूटॉल में सभीप्रकार से सदृश या समान तथा अत्यधिक समान विशंषताएँ दोनों ही जांचों में विफल रहे।

(ख) प्रारंभिक जांच परिणाम के पैराग्राफ 6.11 में दिए गए विवरण के विपरीत, घरेलू उद्योग द्वारा कोई भी तकनीकी साक्ष्य प्रस्तुत किया गया नहीं प्रतीत होता है।

(ग) सींगट का निर्णय प्राधिकारी पर पूर्वन्याय के रूप में कार्य करेगा।

(v) समान उत्पाद का निर्धारण करते समय सबसे पहले यह प्रश्न करना चाहिए: 'किसके समान वस्तु ?' इसका उत्तर ढूँढने के लिए नियम 2 (घ) में समान वस्तु की परिभाषा देखनी चाहिए। अतः समान वस्तु का निर्धारण करते समय हमें सर्वप्रथम जांचाधीन वस्तु पर विचार करना चाहिए, तत्पश्चात् समान वस्तु अर्थात्

ऐसी वस्तु जो जांचाधीन वस्तु से सभी प्रकार से समान है, को देखना चाहिए।

द्वितीय प्रश्न यह जांच करना है कि जांचाधीन वस्तु क्या है। नियम 2 (घ) में वाक्यांश 'जांचाधीन वस्तु' का तात्पर्य उस वस्तु से है जिसका भारत में पाठन किया जा रहा है। अतः विचाराधीन वस्तु वही वस्तु हो सकती है जिनका भारत में पाठन किया जा रहा है। दूसरे शब्दों में, विचाराधीन वस्तु में वैसी वस्तु आती है जिनका कम से कम भारत में आयात किया गया है क्योंकि बिना आयात के पाठन का प्रश्न ही नहीं उठता।

- (vi) इस मामले में, ग्राधिकारी ने सबसे पहले उस घरेलू वस्तु को लिया है जिसका विनिर्माण भारत में हो रहा है तथा घरेलू उद्योग तथा जांचाधीन वस्तु के रूप में निरूपित सभी समान वस्तु की पहचान की है।
- (vii) जांचाधीन उत्पाद की पहचान की जाने वाली ऐसी उल्टी प्रक्रिया गलत है। जांचाधीन वस्तु का निर्धारण सर्वप्रथम इस आधार पर करना चाहिए कि किस वस्तु का आयात भारत में हो रहा है, न कि इस आधार पर कि भारत में किस वस्तु का विनिर्माण हो रहा है।
- (viii) इस मामले में विचाराधीन वस्तु की पहचान की उल्टी प्रक्रिया अपनाने के कारण, कुछ ऐसी वस्तुएं जिसका भारत में बिल्कुल भी आयात नहीं किया गया है, को जांचाधीन उत्पाद के परिधि में लाया गया है। यह एक गंभीर कमी है तथा ग्राधिकारी से यह अनुरोध किया गया है कि जांच की परिधि में उन वस्तुओं को शामिल नहीं करें जिनका भारत में आयात नहीं किया गया है।
- (ix) प्रारंभिक जांच परिणामों में प्रस्तुत किए गए अंकड़ों के अनुसार केवल निम्नलिखित अल्कोहल का आयात भारत में किया गया है।
  - (क) ब्राज़ील, रोमानिया तथा सिंगापुर से 2 इंच ए
  - (ख) ब्राज़ील तथा मलेशिया से आई बी ए
  - (ग) ब्राज़ील, मलेशिया तथा सिंगापुर से एन बी ए

## (घ) दक्षिण अफ्रीका से सेब्यूटॉल

- (x) जांच में केवल उपर्युक्त 4 प्रकार के अल्कोहल शामिल हैं जिनका उल्लेख प्रत्येक के आगे दर्शाये देश के अनुसार किया गया है। अतः संबंधित देशों से अन्य प्रकार के अल्कोहल पर लगाया गया शुल्क समाप्त किया जाना चाहिए। आगे, उपर्युक्त के संबंध में पाटनरोधी शुल्क लगाने से पहले, प्राधिकारी पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध साबित करेंगे।
- (xi) आगे, प्राधिकारी ने सभी पांच देशों से आयातिंत ऑक्टानोल तथा आइसो ऑक्टानोल, नॉनानोल तथा आइसो नॉनानोल पर पाटनरोधी शुल्क लगाया है। प्राधिकारी ने ऑक्टानॉल तथा आइसो ऑक्टानॉल, नॉनानोल तथा आइसो नॉनानोल को 2-ई एच ए के समान वस्तु मानते हुए ऐसा किया है। हम पुरजोर आपत्ति करते हैं कि (क) 2-ई एच ए तथा ऑक्टानॉल/आइसो ऑक्टानॉल, या (ख) 2-ई एच ए तथा नॉनानोल / आइसो नॉनानोल समान वस्तु नहीं हैं।
- (xii) प्राधिकारी ने 2 ई एच ए तथा ऑक्टानॉल/आइसो ऑक्टानॉल को इस आधार पर समान वस्तु माना है कि दोनों की विशेषताएं एक-दूसरे से काफी मिलती-जुलती हैं। प्राधिकारी ने यह विचार करने से पहले कि ऑक्टानॉल/आइसो ऑक्टानॉल को समान वस्तु माना जाए या नहीं न तो 'सभी प्रकार से सदृश या समान' जांच संचालित की और न ही 'काफी मिलती-जुलती विशेषताएं' जांच संचालित की। सिर्फ इसलिए कि भारत में ऑक्टानोल का आयात किया गया है यह नहीं कहा जा सकता कि इनकी विशेषताएं 2 ई एच ए से काफी मिलती-जुलती हैं। 2 ई एच ए, ऑक्टानोल तथा आइसो ऑक्टानोल की संरचना तथा सांद्रण में बहुत अधिक अंतर है। ऑक्टानोल तथा 2 ई एच ए के द्रवणांक में पर्याप्त अंतर है। आगे, अल्कोहल को अनिवार्य विशेषता प्रदान करने वाली मुख्य विशेषताओं में से एक अल्कोहल का सांद्रण है। गैस लिकिड क्रोमैटोग्राफी जांच रिपोर्ट के अनुसार तीनों अल्कोहल अर्थात् 2 ई एच ए, ऑक्टानोल तथा आइसो ऑटानोल की संरचना तथा सांद्रण में काफी अंतर है। संरचना तथा सांद्रण में भिन्नता के मद्देनजर किसी एक

प्रकार के अल्कोहल के प्रयोग द्वारा विनिर्मित अंतिम उत्पाद दूसरे प्रकार के अल्कोहल के प्रयोग द्वारा विनिर्मित समान अंतिम उत्पाद से अलग होगा। प्राधिकारी ने कहीं भी इसकी जांच नहीं की है कि क्या 2 ई एच ए वाणिज्यिक तौर पर ऑक्टानोल का विकल्प हो सकता है।

- (xiii) प्राधिकारी ने नॉनानोल तथा आइसो नॉनानोल को 2 ई एच ए के समान वस्तु माना है। ऐसा करते समय प्राधिकारी ने नॉनानोल तथा 2 ई एच ए के बीच तीन विशेषताओं अर्थात् कार्बन शृंखला, 20 डिग्री से. पर विशिष्ट भार तथा रंग (ए पी एच ए) की तुलना की है तथा माना है कि नॉनानोल तथा आइसो नॉनानोल की तकनीकी विशेषताएं 2 ई एच ए से काफी मिलती-जुलती हैं। प्राधिकारी ने यह भी माना है कि डी ओ पी - 2 ई एच ए से तैयार किए गए एक प्लास्टिसाइज़र तथा डी आई एन पी - नॉनानोल / आइसो नॉनानोल से तैयार किए गए कोई दूसरा प्लास्टिसाइज़र का प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जा सकता है तथा 2 ई एच ए तथा नॉनानोल / आइसो नॉनानोल समान वस्तुएं हैं। ऑक्सो अल्कोहल के पूर्ववर्ती मामले में सीगेट ने ऑक्सो अल्कोहल के प्रयोग द्वारा विनिर्मित अंतिम उत्पाद की प्रतिस्थापनता की तुलना के विरुद्ध निर्णय दिया है न कि ऑक्सो अल्कोहलों के बीच प्रतिस्थापनता के बीच। इस मामले में, प्राधिकारी ने एक बार फिर डी ओ पी तथा डी आई एन पी की प्रतिस्थापनता की तुलना की है, जो कि क्रमशः 2 ई एच ए तथा नॉनानोल के प्रयोग द्वारा विनिर्मित अंतिम उत्पाद हैं। यह दोहराया जाता है कि अंतिम उत्पाद की प्रतिस्थापनता पर विचार नहीं किया जाए। आइसो नॉनानोल तथा 2-ईथाइल हैक्सानोल के गलन ताप, क्वथनांक प्रज्वलन ताप, विस्फोट सीमा, फ्लैश बिन्दु, आणविक भार तथा हाइड्रोक्सिल मूल्य में पर्याप्त भिन्नता है। दोनों अल्कोहलों की भिन्न-भिन्न विशेषताएं इन्हें अपनी एक अलग पहचान प्रदान करती हैं तथा इनका अलग-अलग प्रयोग होता है। इनका उपयोग अलग-अलग प्रकार के प्लास्टिसाइज़र्स के विनिर्माण में होता है। समान अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में इनका प्रयोग नहीं होता है। यह प्रश्न कि अंतिम उत्पाद समान हैं या नहीं, असंगत है।

- (xiv) उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि 2 ई एच ए तथा नॉनानोल / आइसो नॉनानोल न तो सभी प्रकार से एक-दूसरे के सदृश या समान हैं, और न ही उनकी विशेषताएं काफी मिलती-जुलती हैं। इसके अतिरिक्त नॉनानोल / आइसो नॉनानोल का आयात नहीं किया गया है। उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी द्वारा यह निर्धारित करना कि नॉनानोल तथा 2 ई एच ए समान वस्तु है, गलत है तथा, अतः विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र में इसे शामिल नहीं किया जाएगा।
- (xv) जहां तक सैब्यूटोल का संबंध है, घरेलू उद्योग द्वारा सैब्यूटोल का उत्पादन नहीं किया जाता है। हांलाकि घरेलू उद्योग एन बी ए तथा आई बी ए का विनिर्माण करती है, सैब्यूटोल एन बी ए, आई बी ए तथा कुछ अन्य अल्कोहल का मिश्रण है, घरेलू उद्योग ऐसे मिश्रण का विनिर्माण नहीं कर सकती और न ही करती है। इस मिश्रण का विनिर्माण नहीं कर पाने की अक्षमता यह सिद्ध करती है कि यह समान वस्तु नहीं है। किसी सदृश वस्तु की अनुपस्थिति में, घरेलू उद्योग को यह सिद्ध करना चाहिए था कि वे ऐसी वस्तु का विनिर्माण करते हैं जिसकी विशेषता सैब्यूटोल से काफी मिलती-जुलती है। घरेलू उद्योग इस पक्ष को किसी साक्ष्य के साथ प्रस्तुत करने में असमर्थ रहा है। यह सत्य है कि एक आयातक ने जो प्लास्टिसाइजर्स का एक उत्पादक है, सैब्यूटोल का आयात किया है यदि सैब्यूटोल को विचाराधीन उत्पाद के रूप में शामिल ही किया जाना है तो सैब्यूटोल तथा एन बी ए / आई बी ए के बीच भौतिक तथा वाणिज्यिक भिन्नताओं के संबंध में उचित भत्ता देना चाहिए। चूंकि सैब्यूटोल को 2 ई एच ए के समान वस्तु नहीं माना जा सकता, अतः इन पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किया जाना चाहिए।
- (xvi) घरेलू उद्योग ने यू एस आई टी जी निर्णय को उद्धृत किया है। यू एस आई टी जी के परिणामों से यह स्पष्ट है कि समान वस्तु के निर्धारण का प्रारंभिक बिन्दु जांचाधीन वस्तु का निर्धारण करना है, जो कि देश में आयात की गई वस्तुओं पर आधारित होगा। क्षति के प्रयोजनार्थ समान वस्तु का विषय-क्षेत्र जांचाधीन वस्तु के

विषय-क्षेत्र से बड़ा हो सकता है। तथापि, शुल्क उन्हीं उत्पादों पर लगाया जाएगा जिन्हें 'जांचाधीन वस्तुएं' के रूप में परिभाषित किया गया है।

(xvii) घरेलू उद्योग द्वारा उद्धृत पूर्व के किसी भी मामले की तुलना वर्तमान मामले से नहीं की जा सकती है। प्रत्येक पुराने मामले में जांचाधीन उत्पाद सुस्पष्टतः पहचानने योग्य एकल उत्पाद था। प्रत्येक सुस्पष्टतः अभिज्ञेय उत्पाद बाजार में विभिन्न भौतिक लंबाईयों चौड़ाईयों / आकारों में बेचा गया था। एसाइक्लिक अल्कोहल एकल उत्पाद नहीं है। उत्पाद के रूप एसाइक्लिक अल्कोहल घरेलू उद्योग द्वारा उद्धृत किसी भी उत्पाद से बिल्कुल भिन्न है। अतः विभिन्न प्रकार के अल्कोहल तथा विभिन्न आकार के सीमलेस ट्यूब्स की तुलना करना गलत है। एस बी आर मामले में, घरेलू उद्योग केवल 1500, 1700 तथा 1900 श्रेणियों का विनिर्माण कर रहा था। एस बी आर 1000 श्रेणियां विचाराधीन उत्पाद नहीं हैं।

#### (ग) मलेशिया सरकार के विचार

- (i) रिपोर्ट से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि भारतीय घरेलू उद्योग केवल तीन प्रकार के उत्पाद, अर्थात् आइसो ब्यूटानोल (आई बी ए), नार्मल ब्यूटानोल (एन बी ए) तथा 2- ईथाइल हेक्सानॉल (2-ई एच ए) का उत्पादन करता है तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी और माननीय सीरेट दोनों ने ही समान उत्पादों पर पूर्ववर्ती पाटनरोधी कार्रवाई में 'समान उत्पाद' शब्द की सीमितता के बारे में दृष्टांत (विधिशास्त्र) प्रस्तुत किए हैं।
- (ii) डब्ल्यू टी ओ, ए डी करार के अनुच्छेद 2.6 के आधार पर, विचाराधीन उत्पाद से अत्यधिक मिलती-जुलती विशंसुताओं का प्रयोग केवल उन उत्पादों के नहीं होने पर हो सकता है जो सदृश हैं, अर्थात् जांचाधीन उत्पाद से सभी प्रकार से समान हैं। ऐसी स्थिति में, जांच में केवल आई बी ए, एन बी ए तथा 2-ई एच ए ही शामिल किए जाने चाहिए, जिनका उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा किया गया था।

(घ) मैसर्स बी ए एस एफ पेट्रोनॉस केमिकल्स, मलेशिया द्वारा किए गए अनुरोध

- (i) हम याचिकाकर्ता के इस विचार से सहमत नहीं हैं कि इन विभिन्न प्रकार के अल्कोहलों में बहुत अधिक प्रतिस्थापनता है। वस्तुतः घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित ऑक्सो अल्कोहल एन बी ए, आई बी ए तथा 2-ई एच ए तथा बी पी सी असमान उत्पाद हैं। जांचाधीन उत्पाद विभिन्न प्रिकर्सर्स से बनाए जाते हैं। आइसो ब्यूटाइरैल्डिहाइड से आई बी ए, एन-ब्यूटाइरैल्डिहाइड से एन बी ए तथा 2-ईथाइल हेक्सानोल से 2-ई एच ए का उत्पादन होता है।
- (ii) जांचाधीन उत्पादों की उत्पादन प्रक्रिया भिन्न-भिन्न है। एन ब्यूटाइरैल्डिहाइड तथा आइसो ब्यूटाइरैल्डिहाइड को आसवन द्वारा अलग किया जाता है। आई बी ए संबंधित एल्डिहाइड के जलयोजन द्वारा प्राप्त किया जाता है जबकि एन-ब्यूटाइरैल्डिहाइड के 2 अणु की प्रतिक्रिया 2-ईथाइल हेक्सानोल से एलडोल्केंसेशननामक प्रक्रिया द्वारा कराई जाती है। 2-ई एच ए प्राप्त करने के लिए 2-ईथाइल हेक्सानोल की प्रतिक्रिया फिर से कराई जाती है। इस तथ्य से कि इन्हें ऑक्सो अल्कोहल इसलिए कहा जाता है क्योंकि उत्पादन प्रक्रिया का एक भाग समान है, सभी ऑक्सो अल्कोहल समान उत्पाद नहीं हो जाते हैं।
- (iii) सभी तीन उत्पादों के भौतिक गुणों में बहुत अंतर है जिसकी वजह से ये असमान उत्पाद हैं।

एन बी ए, आई बी ए तथा 2-ई एच ए के भौतिक गुणों की तुलनात्मक तालिका

उत्पाद	मोलर द्रव्यमान (ग्रा. / मोल)	वाष्य दबाव (एम बी ए आर 20 डी की दर से)	विस्कॉसिटी एम पी ए * एस 20 डी की दर से)
एन बी ए	74.12	5.6	2.9
आई बी ए	74.12	9.5	4.0

2-ई एच ए	130.23	0.14	8.0
----------	--------	------	-----

- (iv) प्रत्येक उत्पाद की भौतिक विशेषताओं में अत्यधिक भिन्नता के कारण इनका प्रयोग भी भिन्न-भिन्न होता है। यह सही है कि इनका सामान्य प्रयोग प्लास्टिसाइज़र्स के लिए कच्ची सामग्री के रूप में होता है। तथापि प्राप्त प्लास्टिसाइज़र्स के गुणों में असमान प्रिकर्सर्स के कारण अत्यधिक अंतर होता है। इन भिन्न प्लास्टिसाइज़र्स का उपयोग विभिन्न प्रयोगों में होता है। प्लास्टिसाइज़र्स की वाष्पशीलता एक आयात मापदंड है जिसका प्रभाव प्रक्रियागत विशेषताओं तथा तैयार उत्पाद के सेवा-काल पर पड़ता है।
- (v) याचिकाकर्ता 3 विभिन्न प्रकार के उत्पाद का उत्पादन करते हैं। यदि ये समान उत्पाद थे, तो इन उत्पादकों में से एक का उत्पादन पर्याप्त होता। तथापि, चूंकि ये असमान उत्पाद हैं, दोनों ही याचिकाकर्ताओं ने सभी तीन उत्पादों के उत्पादन हेतु अतिरिक्त उत्पाद सुविधा के लिए निवेश किया और उन्हें संस्थापित किया।

#### (इ) ब्राज़ील सरकार के विचार

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह स्पष्टीकरण कि जांचाधीन कुछ उत्पाद वस्तु यद्यपि समान नहीं हैं, ये अन्य उत्पादों में संघटक के रूप में मौजूद होते हैं, जो कि विकल्प होते हैं, स्वीकार्य नहीं हैं, क्योंकि जिनकी विशेषताएं पर्याप्त मात्रा में मिलती-जुलती नहीं हैं उन्हें भी समान उत्पाद माना जा सकता है, कि पाटनरोधी पर डब्ल्यू टी ओ करार के पत्र के अनुसार असमान विशेषताओं का आत्मसात्करण असंगत है।
- (ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इसकी विस्तृत जांच नहीं की कि सभी उत्पाद प्रभावी रूप से अंतर्परिवर्तनीय हैं, अर्थात् इन उत्पादों के उपयोगकर्ता बिना अतिरिक्त लागत के समान उत्पाद के विनिर्माण के लिए अविशिष्टतः कोई एक अथवा अन्य चुन सकते हैं।

(च) मैसर्स एक्सजोनमोबिल केमिकल इंटरनेशनल सर्विस लिमिटेड (ई एम सी आई एस), सिंगापुर की ओर से अनुरोध

(i) आई एन ए तथा 2 ई एच ए समान वस्तु नहीं है। समानता का निर्धारण करने हेतु वास्तविक आधार निम्नांकित के अनुसार होना चाहिए :-

- भौतिक तथा रासायनिक विशेषताएं
- विनिर्माण प्रक्रिया
- कार्य तथा प्रयोग
- उत्पाद विशेषताएं
- वितरण एवं विपणन
- टैरिफ वर्गीकरण

(ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकालने के लिए कि 2 ईएचए(डीओपी) से बनी प्लास्टिसाइजर का उपयोग धीरे-धीरे आईएनए(डीआईएनपी) से बनी प्लास्टिसाइजर पर खत्म हो रहा है, एक पत्रिका पर भरोसा किया है। पूर्ववर्ती मामले में माननीय सीगेट के आदेशों के मद्देनज़र यह नियम निर्धारित किया गया है कि डीआईएनपी तथा डीओपी एक दूसरे के स्थान पर प्रतिस्थापनीय नहीं है। इसके अलावा डीआईएनपी के डीओपी से पृथक अनुप्रयोग हैं।

(छ) विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तुओं पर घरेलू उद्योग के विचार

(i) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एनबीए, आईबीए, 2ईएचए अविवादित रूप से आयातित उत्पाद की समान वस्तु है। इसके विरोध में कोई तर्क नहीं है। दक्षिण अफ्रीका से आयातित साबुटाल, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एनबीए/आईबीए के

समान वस्तु है। भारत में आयातित ऑक्टेनॉल (सामान्य एवं आईसो) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित 2ईएचए के समान वस्तु है। यद्यपि इस अल्कोहल का संबद्ध देशों से जांच अवधि में आयात नहीं किया गया था तथापि, भारत में इसका अन्य देशों से जांच अवधि में आयात किया गया था। इसके अलावा, इस अल्कोहल का जांच अवधि के पश्चात भारत में संबद्ध देशों से आयात किया गया था। विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा इस बात का भी खंडन (वस्तुतः समर्थित) नहीं किया गया है कि समान वस्तु संबंधी तथ्य इस मामले में देशों अथवा समयावधि के सदर्भ में नहीं है। निर्यातकों का यह तर्क नहीं हो सकता है कि सिंगापुर का आईसो नोनानोल, यूरोप के आईसो नोनेनाल के समान वस्तु नहीं है। निर्यातकों का यह तर्क भी नहीं हो सकता है कि जांच अवधि में आईसो नोनानोल ईएचए के समान वस्तु नहीं था परंतु जांच अवधि के बाद समान वस्तु बन गया।

- (ii) यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि विचाराधीन उत्पाद और जांचाधीन उत्पाद दो अलग-अलग मुद्दे हैं। विचाराधीन उत्पाद वह उत्पाद है जिसका संरक्षण वांछित है जबकि जांचाधीन उत्पाद वह उत्पाद है जिसका जांच अवधि में आयात किया गया है। विचाराधीन उत्पाद को जांचाधीन उत्पाद से कार्यक्षेत्र में अधिक व्यापक होना चाहिए क्योंकि उत्पाद के सभी रूपों को शुल्क के क्षेत्र में शामिल करना होता है ताकि समूची प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जा सके।
- (iii) प्रासंगिक मुद्दा यह है कि क्या विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र में शामिल सभी प्रकार के अल्कोहल, भारत में जांच अवधि में आयातित और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद के समान हैं नियम 2 (ख) के अधीन समान वस्तु की परिभाषा इस प्रयोजन के लिए प्रासंगिक और प्रयोज्य है।
- (iv) पूर्ववर्ती जांच में सीगेट के निर्णय के संदर्भ में, इस बात से सहमत होने की जरूरत है कि पूर्ववर्ती जांच में प्राधिकारी ने तथ्यों के आधार पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला था कि ईएचए तथा सामान्य हेक्सानोल एक-दूसरे से काफी मिलते जुलते हैं। प्राधिकारी ने केवल अंतिम उत्पाद की प्रतिस्थापनीयता की जांच की थी। इस

मामले में, प्राधिकारी एक निश्चित तथ्य पर पहुंचे हैं कि दोनों अल्कोहल एक-दूसरे से काफी मिलते जुलते हैं। विरोधी हितबद्ध पार्टियों का यह तर्क कि निर्दिष्ट प्राधिकारी माननीय सीगेट के आदेश को मानने के लिए बाध्य हैं तथा उन्होंने मामले पर नए जांच परिणाम नहीं दिए हैं, अस्वीकार्य हैं।

- (V) नॉननोल/आईसों नॉननोल पर दिए गए तर्कों के संदर्भ में यह अनुमान करते हुए न कि स्वीकार करते हुए कि प्राधिकारी द्वारा जांची गई तीनों विशेषताएं पर्याप्त नहीं हैं तथा आईपीएमए द्वारा सूचीबद्ध अन्य मापदंडों की संख्या संगत तथा महत्वपूर्ण है। जिस बात से सहमत होने की जरूरत है वह यह है कि (क) दोनों अल्कोहल सामान्य तकनीकी मापदंडों के अनुसार परिभाषित है (ख) इनकी विशेषताएं काफी मिलती जुलती हैं। सिर्फ इसलिए कि दोनों अल्कोहलों के संदर्भ में विशिष्ट मूल्य अलग-अलग हैं, अर्थात् इनके उबाल ताप में अंतर है, इसका अर्थ यह नहीं निकलता है कि दोनों एक दूसरे से काफी मिलते जुलते हैं जब तक कि यह साबित नहीं हो जाता है कि दोनों प्रकारों को पूर्णतः अलग उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। याचिकाकर्ता ने केएलजे कंपनी समूह के उत्पाद सूचीपत्र पर भरोसा किया हैं जो स्पष्टतः यह दर्शाता है कि कंपनी डीआईएनपी तथा डीओपी, दोनों का उत्पादन करती है। डीआईएनपी के उत्पादन के लिए कंपनी को आईसो नोनानोल की जरूरत होती है। डीओपी का उत्पादन करने के लिए कंपनी को ईएचए की जरूरत पड़ेगी। चूंकि किसी भी भारतीय उत्पादक ने आईसो नोनानोल का उत्पादन नहीं किया और चूंकि इंदू निसान द्वारा उत्पादन स्थगित करने के पश्चात इसलिए आइसो नोनानोल का आयात हुआ होगा। वस्तुतः याचिकाकर्ता ने अलग से आइसो नोनानोल के आयात का साक्ष्य प्रस्तुत किया है, जो स्पष्टतः साबित करता है कि आइसो नोनानोल तथा ईएचए का प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया गया है।
- (VI) जहाँ तक इस तर्क का संबंध है कि मात्र तकनीकी प्रतिस्थापनीयता पर्याप्त नहीं है तथा वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता भी उतनी ही या इससे अधिक महत्वपूर्ण है

अनुरोध है कि वाणिज्यिक दृष्टि से ऑक्टानोल तथा ईएचए का प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया गया है। दोनों के बीच वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता याचिकाकर्ता द्वारा पूर्वसंदर्भित खबर से साबित हो जाती है जो स्पष्टतः यह सिद्ध करती है कि दोनों उत्पादों की तुलनात्मक कीमत के आधार पर वाणिज्यिक दृष्टि से दोनों एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किए जा रहे हैं।

- (vii) साबुटोल के संदर्भ में, जहां एक तरफ कंपनियों ने तर्क दिया है कि यह एक सस्ता/घटिया अल्कोहल है तथा इसके लिए छूट देने की जरूरत है तथा प्राधिकारी ने इसकी अनुमति दी है, वहीं दूसरी तरफ यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग अल्कोहल के इस मिश्रण को बनाने में सक्षम नहीं है। संगत मामला यह होगा कि क्या उपभोक्ता घरेलू उद्योग से यह अपेक्षा करता है कि बढ़िया अल्कोहल को मिश्रण की सहायता से घटिया बनाए। यह पूर्णतः स्पष्ट है कि इन पार्टियों ने साबुटोल का उल्लेख अल्कोहल के रूप में किया है तथा इसकी अंतरपरिवर्तनीयता आईबीए/एनबीए है जो साबित करता है कि यह समान वस्तु है। एसएसओएल का उत्पाद सूचीपत्र स्पष्टतः यह दर्शाता है कि सासोल सी 4 ऑक्सो अल्कोहल का विपणन आइसो बूटाइलोल, बूटाइलोल तथा साबुटोल की तरह करता है। कंपनी ने साबुटोल का विवरण "सामान्य बूटाइल अल्कोहल (न्यूनतम् 60% शुद्धता मात्रा के अनुसार) आइसो बूटाइल अल्कोहल तथा द्वितीयक पेंटाइल अल्कोहल का मिश्रण" के रूप में दिया है। इन चारों उत्पादों का घनत्व क्रमशः 0.805, 0.810, 0.811 तथा 0.808 - 0.811 है। यह स्पष्टतः दर्शाता है कि साबुटोल आईबीए तथा एनबीए का एक मिश्रण है तथा यह अनिवार्यतः आईबीए/एनबीए के समान है। दूसरी तरफ, के एल जे ग्रुप की उत्पाद सूचना शीट में सी 4 अल्कोहल से विनिर्मित तीन प्लास्टिसाइजर्स का उल्लेख है। ये हैं - डी आई बी पी (डाई-आइसो - बूटाइल पथैलेट), डीएनबीपी (डाईएनबूटाइलपथैलेट) तथा डी बी पी (एम) (डाई-बूटाइल थैलेट)। इसके अतिरिक्त इनका विशिष्ट भार (घनत्व) क्रमशः 1.03-1.04, 1.041-1.045 तथा 1.039-1.041 दिया गया है। अतः साबुटोल तथा आई बी ए / एन बी ए की खपत एक दूसरे के स्थान पर हुई है।

इससे यह पुनः सिद्ध हो जाता है कि साबुटोल तथा आई बी ए / एन बी ए समान वस्तु है। यह उल्लेख करना भी संगत होगा कि एनबीए तथा आईबीए की लागत लगभग समान है।

- (viii) जहां तक ऑक्टानोल तथा ई एच ए के बीच आरोपित अंतर के लिए प्रस्तुत साक्ष्य का संबंध है, यह संगत है कि (क) साक्ष्य से घरेलू उद्योग के किसी भी अनुरोध तथा प्रारंभिक जांच परिणामों में निहित प्राधिकारी के अभिमतों का खंडन नहीं होता है, (ख) साक्ष्य अधिकतम यह दर्शाता है कि दोनों अल्कोहल एक दूसरे के सदृश नहीं हैं, (ग) साक्ष्य स्पष्टतः दर्शाता है कि दोनों अल्कोहल एक दूसरे से काफी मिलते जुलते हैं, तथा (घ) किसी भी प्रकार से साक्ष्य यह संकेत नहीं करता है कि अंतिम उत्पाद में कोई अंतर है, जो कि विभिन्न तकनीकी मापदंडों के विशिष्ट मूल्यों में भिन्नता के कारण होता है। साक्ष्य किसी भी प्रकार से यह संकेत नहीं करता है कि ऑक्टानोल के उपयोगकर्ता ऑक्टानोल के अभाव में 2 ई एच ए का प्रयोग नहीं कर सकते हैं। इसके विपरीत, उपभोक्ता ऑक्टानोल तथा ई एच ए का प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर कर रहे हैं।
- (ix) अनेक पार्टियों ने याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तावित और निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचारित जांच के क्षेत्र विस्तार को चुनौती दी है। इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा उल्लिखित प्रमुख कारण निम्नानुसार हैं :

  - (क) अल्कोहल के जिस स्वरूप का भारत में आयात नहीं किया जाता है उसे शुल्क के दायरे में नहीं लाया जा सकता क्योंकि कोई आयात न होने से घरेलू उद्योग को वस्तुतः क्षति नहीं होती है। उल्लिखित उदाहरणों में आइसोनोनानोल, नोनानोल शामिल हैं।
  - (ख) अल्कोहल के जिस स्वरूप का उत्पादन उक्त देश में और जांच अवधि के दौरान उसका आयात भारत में नहीं होत है उसे शुल्क के दायरे में नहीं लाया जा सकता अतः भारत में आयातित अल्कोहल भारत में उत्पादित अल्कोहल

के समान वस्तु नहीं है। उल्लिखित उदाहरण में सैब्यूटॉल, ऑक्टानोल, आइसो ऑक्टानोल जैसे अल्कोहल शामिल हैं।

- (x) अतः यह देखा जा सकेगा कि विरोधी हितबद्ध पार्टियों का मुख्य जोर इस बात पर है कि किसी अल्कोहल को उस स्थिति में ही वर्तमान जांच और प्रस्तावित शुल्क के दायरे में लाया जा सकता है यदि (क) उसका आयात भारत में किया गया है; और (ख) आयातित उत्पाद के समान वस्तु का उत्पादन भारत में किया जा रहा है।
- (xi) इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत दृष्टिकोण पाटनरोधी मूलभूत अवधारणा के विरुद्ध है यदि शुल्क के क्षेत्र को और वह भी संबद्ध देशों से और जांच अवधि में भारत में आयातित उत्पाद के स्वरूपों तक सीमित कर दिया जाए तो समूची पाटनरोधी प्रक्रिया प्रभावहीन बन सकती है। उदाहरणार्थ यदि पाटनरोधी शुल्क केवल 2.0 डेनियर के एक्रीलिक फाइबर पर मात्र इसलिए लगाया जाता है कि यह एक ऐसा प्रकार है जिसका जांच अवधि में संबद्ध देश से आयात किया गया है तो समूची प्रक्रिया निरर्थक बन जाएगी क्योंकि इस डेनियर पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से अन्य डेनियरों का आयात शुरू हो जाएगा। वस्तुतः याचिकाकर्ता ने विभिन्न पाटनरोधी मामलों का अध्ययन किया है और मुश्किल से ही ऐसा कोई उत्पाद पाया है जहां उत्पाद एक ही प्रकार का पाया गया हो तथापि यह देखा जाता है कि लगभग सभी मामलों में पाटनरोधी शुल्क जांच अवधि में भारत में आयातित उत्पाद के 'स्वरूप' के क्षेत्र को सीमित करने के बजाए 'उत्पाद' पर लगाया गया है।
- (xii) याचिकाकर्ता निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विशेष रूप से निम्नलिखित मामलों में की गई अथवा की जा रही जांच पर भी विश्वास करने का इच्छुक है :
- (क) सीमलेस ट्यूब्स
  - (ख) लैड एसिड बैटरीज
  - (ग) विट्रीफाइड टाइल्स
  - (घ) काम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लेम्पस

- (ङ) हॉट रोल्ड क्वाइल्स, शीट्स, स्ट्रिप्स, प्लेट्स
  - (च) स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद
  - (छ) डेड बर्न्ट मैग्नेसाइट
  - (ज) लो कार्बन फेरो क्रोम
  - (झ) विटामिन-सी
  - (झ) मेटकोक
  - (ट) पॉलीस्टिरीन
  - (ठ) ई पी डी एम रबर
  - (ड) एस बी आर
  - (ढ) पी एस एफ एवं पी ओ वाई
  - (ण) थर्मल सेंसिटिव पेपर
  - (त) कोलीन क्लोराइड
  - (थ) बी ओ पी पी फिल्म्स
- (xiii) अतः अनुरोध है कि उत्पाद ही वह वर्ग है जो वर्तमान जांच की विषय वस्तु है। जहाँ तक उत्पादों के स्वरूप जांच अवधि में भायातित उत्पाद के 'समान वस्तु' माने जाते हैं, वहाँ तक उत्पाद के सभी स्वरूप पारंपरिकीय शुल्क के दायरे में आते हैं।
- (xiv) समान वस्तु के मुद्दे पर पॉलिएस्टर फिल्म के मामले में यू एस आई टी सी का निर्णय प्रासंगिक है। यह देखा जा सकेगा कि यद्यपि उत्पाद के विभिन्न स्वरूपों को इस उत्पाद में परस्पर प्रतिस्थापनीय नहीं पाया गया है तथापि यह माना गया था कि विभिन्न स्वरूप एक समान उत्पाद याचिकाकर्ता ने यू एस आई टी सी के निर्णय पर भरोसा किया था जिसके संगत उद्धरणों को यहाँ पुनः प्रस्तुत किया जा रहा है:

रिकॉर्ड में ऐसा उल्लेख है कि कुछ प्रकार की पी ई टी फ़िल्म का प्रयोग विभिन्न अंतिम उपयोगों में किया जा सकता है तथापि रिकॉर्ड से यह पता चलता है कि क्रेता की ज़रूरतों के आधार पर अधिकांश पी ई टी फ़िल्में विशेष, पारस्परिक रूप से अनन्य, अंतिम उपयोग वाली हैं और किसी विशेष अंतिम उपयोग में उनका सामान्यतः एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। केवल समान उत्पाद के मानदण्ड में इस जांच परिणाम को कुछ सहायता मिलती है कि एक समान उत्पाद से भी अधिक कुछ चीज़ें महत्वपूर्ण हैं। तथापि, रिकॉर्ड से यह भी पता चलता है कि पी ई टी फ़िल्मों के लगभग 150 अलग-अलग अंतिम उपयोग हैं और इस प्रकार विशिष्ट उपयोगों के समान ही उसके सम्बावित समान उत्पाद हैं। तथापि, हमने अकेले समान उत्पाद में विविध घरेलू उत्पादों को शामिल करने की निश्चयात्मक अपेक्षा के रूप में पूर्ण अंतर्ग्रयोज्यता के बारे में कभी कोई मत व्यक्त नहीं किया है।'

'टाइटल VII मामले में समान उत्पाद को परिभाषित करने के लिए प्रथमतः इस बात पर विचार किया जाता है कि यदि दोनों उत्पादों की तुलनात्मक कीमतें परिवर्तित हो जाती हैं तो क्या किसी घरेलू उत्पाद के क्रेता किसी अलग घरेलू उत्पाद की खरीद शुरू कर देंगे। यदि क्रेता वस्तुतः ऐसा करते हैं तो दोनों उत्पादों का समान उत्पाद की परिभाषा में शामिल किया जाना चाहिए।'

(xv) याकचकाकर्ता ने पॉलिएस्टर फ़िल्म के बारे में ई सी द्वारा जारी की गई प्रश्नावली के उद्धरणों पर भी विश्वास किया है। यह तर्क दिया गया है कि समानता का आदर्श मानदण्ड यह है कि क्या उत्पाद का एक स्वरूप दूसरे से प्रतिस्थापनीय है। जब कभी भारतीय उत्पादकों ने यह सूचना दी कि घरेलू बाजार में ऐसे अनेक स्वरूप विद्यमान हैं जिनके तुलनीय निर्यात योग्य मॉडल नहीं हैं तो किसी भी मॉडल को छोड़ा नहीं गया था। इसके अलावा ई सी में भी सभी प्रकार की पॉलिएस्टर फ़िल्म पर एक ही शुल्क लगाया गया है। अतः यह स्पष्ट हो जाता है कि उत्पाद

के किसी स्वरूप को केवल इस वजह से शुल्क के दायरे से बाहर नहीं रखा गया था कि उत्पाद के इस स्वरूप का निर्यात जांच अधिकारी में भारत को नहीं किया गया था।

- (xvi) जहाँ तक ऑक्टानोल और 2 ई एच ए की प्रतिस्थापनीयता का संबंध है याचिकाकर्ता ने घरेलू उत्पादक मै. आंध्रा पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड को आयातकों / घरेलू प्रयोक्ताओं में से एक प्रयोक्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए आर्डर की एक प्रति भी प्रस्तुत की है। उक्त खरीद आर्डर में उत्पाद का विवरण 2-इथाइल हैक्सानोल (ऑक्टानोल) के रूप में दर्शाया गया है।
- (xvii) संक्षेप में समान वस्तु के निर्धारण का मुख्य सिद्धांत यह है कि यदि दोनों उत्पादों की तुलनात्मक कीमतें अलग-अलग होती हैं तो क्या किसी घरेलू उत्पाद के क्रेता किसी अन्य घरेलू उत्पाद की खरीद शुरू कर देंगे यदि क्रेता ऐसा करते हैं तो दोनों उत्पादों को समान उत्पाद की परिभाषा में शामिल किया जाना चाहिए। इस प्रमुख सिद्धांत के आधार पर ही सैब्यूटॉल आई बी ए / एन बी ए, आइसोनोनानोल से अत्यधिक मिलता जुलता है और आइसो ऑक्टानोल 2-ई एच ए से अत्यधिक मिलता जुलता है।

7. प्रकटन विवरण के पश्चात समान वस्तु और उत्पाद के मुद्दे पर हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोध

(i) मै. एक्सान मोबिल केमिकल इंटरनेशनल सर्विसेज लि. एवं मै. सैसोल केमिकल इंडस्ट्रीज लि.

यद्यपि विभिन्न ऑक्सो एल्कोहल में समान विशंषताएं हो सकती हैं तथापि उनसे अलग-अलग अंतिम उत्पाद (प्लास्टिसाइज़र) नैयार किए जा सकते हैं जिनकी अलग-अलग उपयोगों के साथ अधिक और भिन्न-भिन्न विशेषताएं होती हैं।

(ii) इंडियन प्लास्टिसाइजर्स मेन्यूफेक्चरर्स एसोसिएशन (आई.पी.एम.ए) एवं मै. लुब्रिज़ोल इंडिया लि.

- (क) जांचाधीन वस्तु तथा विचाराधीन वस्तु के बीच अंतर के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा दिया गया तर्क गलत तथा अयुक्तियुक्त है। विचाराधीन उत्पाद तथा जांचाधीन उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं है। दोनों ही अभियाक्तियां समानार्थी हैं तथा इनमें कोई भेद नहीं है। कुछ वस्तुओं को जांचाधीन / विचाराधीन वस्तु के दायरे में रखने का प्रश्न नहीं उठता है यदि उनका आयात न किया गया हो।
- (ख) नियम 17 के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह निर्धारित करना अपेक्षित है कि भारत में जांचाधीन वस्तु का पाटन किया जा रहा है या नहीं।
- (ग) घरेलू समान वस्तु का क्षेत्र विस्तार विचाराधीन वस्तु से अधिक हो सकता है बशर्ते कि वे वस्तुएं नियम 2 (घ) में दी गई समान वस्तु की परिभाषा में आती हों। किसी भी परिस्थिति में, जांचाधीन वस्तु का क्षेत्र विस्तार घरेलू समान वस्तु से बहुत नहीं हो सकता है।
- (घ) प्राधिकारी का यह विचार कि 'एसाइक्लिक अल्कोहल' नामक एक मुख्य उत्पाद है त्रुटिपूर्ण है। एसाइक्लिक अल्कोहल एक जेनेरिक नाम है जिसमें भिन्न-भिन्न प्रकार के बहुत से अल्कोहल शामिल हैं जिनमें से प्रत्येक के नाम विशेषताएं तथा अंतिम अपयोग अलग-अलग हैं। इसलिए, उन कतिपय उत्पादों को जांच के दायरे में शामिल करना त्रुटिपूर्ण है जिनका जांच अवधि के दौरान आयात नहीं किया गया था।
- (ङ) 2 ई एच ए का प्रयोग डी.ओ.पी के विनिर्माण में होता है तथा नोनानोल का प्रयोग डी.आई.एन.पी के विनिर्माण में होता है। इन्हें वाणिज्यिक स्थानापन्न नहीं माना जा सकता है। इसलिए नोनानोल और आइसो नोनानोल को वर्तमान जांच के दायरे से बाहर रखा जाए क्योंकि इन दो अल्कोहलों का कोई घरेलू समान उत्पाद नहीं है।

(च) सैब्यूटॉल आई बी ए तथा एन बी ए तथा द्वितीयक पेंटानोल का मिश्रण होता है। सैब्यूटॉल जैसे अल्कोहलों का एक मिश्रण एन बी ए तथा आई बी ए का वाणिज्यिक स्थानापन्न नहीं हो सकता है। यदि सैब्यूटॉल को जांच के दायरे में शामिल किया भी जाता है तो इसकी कीमत की तुलना घरेलू उद्योग द्वारा बेचे गए अल्कोहल के मिश्रण की कीमतों से की जानी चाहिए।

(iii) ब्राजील सरकार के विचार

- (क) श्रेणियों की संकल्पना जांचाधीन उत्पाद की इस प्रकार ही वृहत परिभाषा जिससे असमान उत्पादों अर्थात् भिन्न उपयोग वाले उत्पादों तथा वे उत्पाद जो परस्पर परिवर्तनीय नहीं हैं को जांच में शामिल किया जा सके, के लिए अप्रयोज्य हैं। इस जांच के मामले में 'जांचाधीन उत्पाद' की परिभाषा को इस तथ्य ने असंगत बना दिया है कि इस परिभाषा के अंतर्गत गलती से शामिल असमान उत्पादों के लिए पाटन मार्जिन की गणना की जा रहा है।
- (ख) उन उत्पादों के आयातों पर पाटनरोधी अधिकारों का प्रयोग करना सही नहीं होगा जिन पर ए डी ए के अनुच्छेद 5.8 में निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक किसी पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया गया है।

(iv) मै. ऑल्टचिम के विचार

जांच के दौरान, एक शब्दावली संबंधी गलती हुई थी। ऑक्टानोल जो 2 इथाइल हैक्सानोल अर्थात् 2 ई एच (सीमाशुल्क टैरिफ वर्गीकरण 2905.1610) का है, को 2 ई एच ए अर्थात् 2-इथाइल हैक्सानोइक एसिड (सीमाशुल्क वर्गीकरण 2915.90.80) के साथ तुलनीय माना गया था। 2 ई एच तथा 2 ई एच ए को समान वस्तु माना गया था, परन्तु इनकी भौतिक तथा रासायनिक विशेषताएं अलग-अलग हैं और इसी प्रकार इनमें से प्रत्येक से उत्पादित उत्पादों की गुणवत्ता भी भिन्न-भिन्न है।

## 8. प्राधिकारी द्वारा जांच

1. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के मुद्दे पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है। कुछ आयातकों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि जांचाधीन वस्तु के क्षेत्र में केवल उन्हीं वस्तुओं को शामिल किया जाएगा जिनका जांच अवधि के दौरान भारत में आयात किया गया है। इसलिए अल्कोहल के चार किस्मों अर्थात् 2 ई एच ए, आई बी ए, एन बी ए तथा सैब्यूटॉल जिनका आयात किया जा रहा है, को नियमों की सभी अन्य अपेक्षाओं के अधीन जांचाधीन वस्तु माना जा सकता है। एक निर्यातिक द्वारा यह तर्क भी दिया गया है कि किसी भी जांच का आरंभिक बिन्दू घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद होता है। इस तर्क में आगे बताया गया है कि एक घरेलू उद्योग अवश्य होना चाहिए जो जांचाधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के विनिर्माण में लगा हुआ हो। इसके अलावा, यह कहा गया है कि जांचाधीन उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद होना चाहिए तथा इस मामले की वास्तविक मेट्रिक्स के अनुसार केवल भारत में उत्पादित अल्कोहल अर्थात् आई बी ए, एन बी ए तथा 2 ई एच ए होना चाहिए।
2. याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग का यह दावा कि उत्पाद इस जांच की विषय वस्तु तथा वर्तमान जांच में शामिल उत्पाद एसाइक्लिक अल्कोहल तथा इसकी हेलोजनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड तथा नाइट्रोसेटिड व्युत्पत्तियां हैं। एसाइक्लिक अल्कोहल के दस प्रमुख प्रकार विशेष रूप से इस जांच में शामिल हैं। इसलिए यह उत्पाद जांच की विषय वस्तु है। जांच आरंभ संबंधी अधिसूचा में यथाइंगित उत्पाद की सभी दस किस्में पाटनरोधी शुल्क के दायरे में रहेंगी जब तक जांच अवधि में ये किस्में आयातित उत्पादन की समान वस्तु बनी रहती है। इसके अलावा याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि वे सभी प्रकार के अल्कोहल जो जांच अवधि में भारत में आयातित अल्कोहल के समान वस्तु हैं तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किए जा रहे अल्कोहल के समान वस्तु हैं, वर्तमान जांच तथा प्रस्तावित पाटनरोधी शुल्क के दायरे में आते हैं। उन्होंने आगे तर्क दिया है कि विपक्षी पार्टियों ने अल्कोहल की विभिन्न किस्मों को भिन्न-भिन्न उत्पाद बताने का प्रयास किया है।

3. प्राधिकारी का विचार है कि एसाइक्लिक अल्कोहल की विनिर्दिष्ट दस किस्में मुख्य उत्पाद अर्थात् एसाइक्लिक अल्कोहल के भाग के रूप में विचाराधीन उत्पाद में शामिल थी। यह तथ्य कि ये दस किस्में एसाइक्लिक अल्कोहल के वर्णन के अंतर्गत आती है तथा प्रथम दृष्ट्या समानता इन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल करने के लिए पर्याप्त थी। इसलिए प्राधिकारी अल्कोहल की इन दस किस्मों को जांचाधीन उत्पाद के वर्णन में शामिल करने को अनुचित नहीं मानते हैं। यद्यपि इन अल्कोहलों के कुछ रूप तथा किस्मों का जांच अवधि के दौरान आयात नहीं किया गया है।
4. समान वस्तु के मुद्दे संबंधी तर्कों के संबंध में प्राधिकारी इस मुद्दे पर प्रारंभिक जांच परिणामों में एन बी ए, 2 ई एच ए, आई बी ए, सैब्यूटॉल, ऑक्टानोल तथा नोनानोल को समान वस्तु माना गया था। ये तर्क किए गए हैं कि सैब्यूटॉल अलग-अलग रासायनिक संरचना, अलग-अलग विनिर्माण प्रक्रिया के आधार पर समान वस्तु नहीं है और यह कि सैब्यूटॉल की संरचना एन बी ए / आई बी ए कॉलम बाटम की अनुषंगी सामग्री के अधिक समान है। जहां तक ऑक्टानोल और आइसो ऑक्टानोल का संबंध है यह तर्क दिया गया है कि ऑक्टानोल और 2-ई एच ए की विशेषताएं अलग-अलग हैं उदाहरणार्थ गलनांक अलग-अलग हैं। 2- ई एच ए, ऑक्टानोल तथा आइसो ऑक्टानोल की संरचना तथा सांद्रण अलग-अलग हैं। जहां तक नोनानोल और आइसो नोनानोल का संबंध है यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ने अपने प्रारंभिक निर्धारण में तीन मूलभूत विशेषताओं की तुलना की है जो एक दूसरे से भेद करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। तर्कों के अनुसार इन अल्कोहलों की अन्य विशेषताएं भी हैं जो आइसो नोनानोल को 2 ई एच ए से एकदम भिन्न बना देती हैं। अतः यह निर्धारण कि नोनानोल और आइसो नोनानोल 2 ई एच ए की समान वस्तु है, गलत है। प्राधिकारी ने नियम 2 (घ) के अंतर्गत समान वस्तु की परिभाषा के मद्देनज़र विभिन्न तर्कों की जांच की है। 'समान वस्तु' की परिभाषा के दो भाग हैं प्रथमतः ऐसी वस्तु होनी चाहिए जो जांचाधीन वस्तु से हर प्रकार से समान हो; द्वितीयतः ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी कोई अन्य वस्तु हो जो यद्यपि हर तरह से समान न हो किन्तु उसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तुओं की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती जुलती हों। पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) तथा डब्ल्यू टी ओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.6 में ऐसे

मानदण्ड अथवा मापदण्ड विशिष्ट रूप से निर्धारित नहीं किए गए हैं जिनके तहत यह निर्धारित किया जा सके कि वस्तु की विशेषताएं विचाराधीन उत्पाद की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती-जुलती हों। प्राधिकारी द्वारा जांच किए ए मामलों के दृष्टांत और पूर्ववर्ती जांच में व्यक्त विचारों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने समान वस्तु से संबंधित मुद्दों को तय करने के लिए निम्नलिखित मानदण्डों को ध्यान में रखा है :-

- तकनीकी एवं वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता,
  - उत्पादों के कार्य एवं प्रयोग,
  - भौतिक और / अथवा रासायनिक गुणों की समानता,
  - एक उत्पाद से दूसरे उत्पाद को बदलने की प्रयोक्ता की अवगम्यता
  - समान उत्पादन प्रक्रियाएं
  - अंतिम उत्पाद प्रतिस्थापनीयता
5. कुछ हितबद्ध पक्षों ने तर्क दिया है कि ऑक्टानोल, नोनानोल, आइसोनोनानोल और सैब्यूटॉल में अलग-अलग विशेषताएं हैं और इस प्रकार इन्हें नियम 2(घ) के अर्थों के भीतर समान वस्तु नहीं माना जा सकता है। प्राधिकारी का विचार यह है कि चूंकि इनमें समान विशेषताएं नहीं हैं और इसलिए ये एक समान नहीं हैं; इसी कारण, नियम 2(घ) के अंतर्गत इनकी जांच समान वस्तु की परिभाषा के दूसरे भाग अर्थात् क्या इनमें जांचाधीन वस्तु से बिल्कुल मिलती जुलती विशेषताएं हैं के अनुसार करने की आवश्यकता है। यह तथ्य कि इन अल्कोहलों में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित 2 ई एच ए, एन बी ए तथा आई बी ए से अलग रासायनिक गुण हैं अपने आप में एक निर्णायक घटक नहीं है। अन्य मापदण्ड जैसे कार्य एवं प्रयोग, वाणिज्यिक एवं तकनीकी प्रतिस्थापनीयता एक उत्पाद से दूसरे उत्पाद को प्रयोग करने की प्रयोक्ता की अवगम्यता, अंतिम उत्पाद प्रतिस्थापनीयता तथा उत्पादन प्रक्रियाओं, पर भी विचार किया गया है। प्राधिकारी पाते हैं कि नोनानोल, आइसो नोनानोल, ऑक्टानोल तथा सैब्यूटॉल घरेलू रूप से उत्पादित ऑक्सो अल्कोहलों के

वाणिज्यिक स्थानापन्न हैं। इनके रासायनिक गुण यद्यपि असमान हैं तथापि इतने समान जरूर हैं कि इन्हें एसाइक्लिक अल्कोहल माना जाए। इसके अलावा, नोनानोल, आइसो नोनानोल तथा सैब्यूटॉल के मामले में प्रयोक्ता ने घरेलू रूप से उत्पादित अल्कोहल के बदले एक प्रकार के अल्कोहल के स्थान पर दूसरे प्रकार का अल्कोहल प्रयोग किया है। ऑक्टानोल के मामले में प्राधिकारी के विचार इस साक्ष्य के आधार पर और अधिक सुदृढ़ हो गए हैं कि गुछ भारतीय प्रयोक्ताओं ने 2-इथाइल हैक्सानोल (ऑक्टानोल) का विवरण देते हुए भारतीय घरेलू उत्पादकों को ऑर्डर दिया है। इसके अलावा, आयातक द्वारा रोमानिया से ऑक्टानोल के निर्यातों को प्रवेश बिल में इसे 2 ई एच ए बताकर किलयर किया गया है। इस प्रकार, प्राधिकारी अपने विचारों की पुष्टि करते हैं कि एन बी ए, 2 ई एच ए, आई बी ए, सैब्यूटॉल, ऑक्टानोल तथा आइसो ऑक्टानोल, नोनानोल तथा आइसो नोनानोल जो विचाराधीन उत्पाद में एसाइक्लिक अल्कोहल की किस्में हैं, घरेलू रूप से उत्पादित ऑक्सो अल्कोहल अर्थात् 2 ई एच ए, आई बी ए तथा एन बी ए के समान उत्पाद हैं।

#### 9. जांच अवधि

वर्तमान जांच में जांच अवधि 1 अप्रैल 2000 से 30 जून 2001 तक की है। मलेशिया सरकार द्वारा यह तर्क दिया गया है कि पाटन के निर्धारण की अवधि 15 महीने पर आधारित थी जबकि निर्धारित अवधि 12 महीने की है। प्राधिकारी का यह विचार है कि पाटनरोधी करार में जांच अवधि का उल्लेख नहीं है। तथापि, यह छः पहीने से कम की नहीं होनी चाहिए। इसलिए, प्राधिकारी यह मानते हैं कि इस मामले में जांच की अवधि उचित है।

#### 10. घरेलू उद्योग

प्राधिकारी घरेलू उद्योग के बारे में अपने प्रारंभिक जांच परिणामों का स्मरण करते हैं। यह याचिका मै. नेशनल ऑर्गेनिक कैमिकल्स इंडस्ट्रीज लि. (एन ओ सी आई एल) मुम्बई तथा मै. आंध्रा पेट्रोकैमिकल्स लि. द्वारा दायर की गई थी। उपर्युक्त कंपनियों ने वर्तमान याचिका के प्रयोजनार्थ अपेक्षित समस्त सूचना उपलब्ध कराई थी तथा आगे की सूचना तथा सत्यापन के लिए पेशकश की है। एक अन्य उत्पादक मै. इंदु निशान ऑक्सो कैमिकल्स इंडस्ट्रीज लि., मुम्बई जिन्होंने याचिका का समर्थन किया था, ने 1999 से उत्पादन बंद

कर किया था । उक्त उत्पादक को घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना गया था और अन्य दो उत्पादकों अर्थात् मै. नोसिल, मै. आंध्रा पेट्रोकैमिकल्स लि. को घरेलू उद्योग की प्रतिनिधि कंपनियां माना गया था क्योंकि इनका उत्पादन संबद्ध वस्तु के कुल भारतीय उत्पादन का 100% बनता था । तत्पश्चात्, मै. नोसिल ने भी संबद्ध वस्तु का उत्पादन रोक दिया था । इस समय मै. आंध्रा पेट्रोकैमिकल्स लि. संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है तथा इस प्रकार यह घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है । किसी भी प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकार ने याचिकाकर्ताओं की स्थिति तथा 'घरेलू उद्योग' के मुद्दे के संबंध में कोई प्रश्न नहीं उठाया है । इस प्रकार प्राधिकारी ने अंतिम जांच परिणामों के लिए नियम 2 (ख) के अर्थों के भीतर मै. आंध्रा पेट्रोकैमिकल्स लि. को घरेलू उद्योग का प्रतिनिधि माना है ।

## 11. सूचना की गोपनीयता

- (क) मलेशिया सरकार द्वारा यह तर्क दिया गया है कि क्षति संबंधी कारकों के बारे में प्रस्तुत सूचना स्थानीय उद्योग द्वारा उठायी गई क्षति के परिमाण की युक्तिसंगत एवं सार्थक व्याख्या नहीं करती है । एन ओ ई एफ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.5.1 की मानक अपेक्षाओं के अनुसार नहीं है ।
- (ख) याचिकाकर्ताओं द्वारा वास्तविक सूचना का प्रकटीकरण न करने के संबंध में कुछ हितबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए तर्कों के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने क्षति के संबंध में सूचना अगोपनीय अंश में दी थी जिसमें आयातों, याचिकाकर्ता की बिक्रियों, मांग, आयातों तथा कुल मांग में संबद्ध देशों के हिस्से के बारे में जानकारी दी गई थी । याचिकाकर्ता ने स्थापित क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्रियों तथा अंतिम स्टॉक के बारे में भी सूचना दी है । उत्पादन लागत, बिक्री कीमत तथा लाभ / हानि के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा जानकारी नहीं दी गई है । चूंकि यह सूचना गोपनीय प्रकृति की होती है इसलिए प्राधिकारी इसे नियम 7(1) के तहत गोपनीय ही मानते हैं अतः प्राधिकारी विभिन्न आयातकों, निर्यातकों तथा निर्यातक देशों की सरकारों द्वारा याचिकाकर्ता द्वारा गोपनीय रूप में दावा की गई कतिपय सूचना की अनुपलब्धता के संबंध में प्रस्तुत किए गए तर्कों को सही नहीं मानते हैं ।

ग) सामान्य मूल्य निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के बारे में दावों की जांच

12. जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणामों में बताया गया था, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी भी। निम्नलिखित निर्यातकों से उत्तर प्राप्त हुए थे :

मै. ओल्टचिम, एस. ए. आर. एम. वेल्सिया,

रोमानिया

मै. बी ए एस एफ पेट्रोनस कैमिकल्स एस डी एन, बी एच डी,  
मलेशिया

मै. सासोल कैमिकल इंडस्ट्रीज लि.,  
दक्षिण अफ्रीका

मै. सिक्वीन सिया. पेट्रोक्वीमाइका,  
ब्राज़ील

मै. एक्जोन मोबिल कैमिकल इंटरनेशनल सर्विसेज लि.,  
सिंगापुर

घरेलू उद्योग के विचार

13. उद्घाटन के उत्तर में याचिकाकर्ता द्वारा की गई टिप्पणियां निम्नानुसार हैं :

- (i) प्रत्यक्षतः प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद दायर की गई सूचना के आधार पर कुछ निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन में अत्यधिक गिरावट आई है। ऐसी सूचना को याचिकाकर्ता के समक्ष अगोपनीय आधार पर उद्घाटित नहीं किया गया है। यह नियम 6 तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है।
- (ii) बी ए एस एफ से एन बी ए निर्यातों के बारे में प्राधिकारी ने किसी अन्य निर्यातक की निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निर्धारित की है, चूंकि निर्यातक मै. बी ए

एस एफ ने जांच अवधि के दौरान एन बी ए का निर्यात न करने का दावा किया है । डी जी सी आई एंड एस के आंकड़े 261 मी. टन के निर्यात प्रदर्शित करते हैं । प्रत्यक्षतः यह बल्क पोत लदान नहीं बल्कि पैकड़ पोत लदान था । पैकिंग लागत लगभग 125 अमरीकी डॉलर प्रति मी. टन बनती है । इस आधार पर समायोजन नहीं किया गया प्रतीत होता है ।

- (iii) यदि बी ए एस एफ को इस उत्पाद के अंतिम गंतव्य की जानकारी नहीं है तो इस बिक्री को बी ए एस एफ की घरेलू बिक्री माना जाएगा और सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू बिक्रियों में शामिल किया जाएगा । अतः मलेशिया से निर्यातित एन बी ए के बारे में पाटन के मार्जिन का निर्धारण दो आधार पर गलत है - (क) बी ए एस एफ के बारे में इस मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया जा सकता और (ख) निर्यात कीमत की तुलना करते समय पैकिंग लागत को सामान्य मूल्य में शामिल करना आवश्यक है अथवा पैकिंग लागत के लिए निर्यात कीमत का समायोजन करना आवश्यक है ।
- (iv) दक्षिण अफ्रीका से एन बी ए के बारे में पाटन मार्जिन पर पुनः विचार किया जा सकता है चूंकि दक्षिण अफ्रीका सरकार एवं निर्यातक ने पुष्टि की है कि दक्षिण अफ्रीका से एन बी ए का कोई निर्यात नहीं हुआ है । दक्षिण अफ्रीका के एन बी ए का कोई पाटन मार्जिन नहीं होना चाहिए था । तथापि, जैसा कि ओ एक्स ओ आई मामले में किया गया था, इसके समान वस्तु होने के आधार पर दक्षिण अफ्रीका के एन बी ए पर शुल्क लगाया जाना अपेक्षित है ।
- (v) सिंगापुर से आई बी ए के बारे में पैकड़ आई बी ए का आयात हुआ प्रतीत होता है । अतः, निर्यात कीमत से ऐकिंग लागत को घटाया जाना अपेक्षित है । सिंगापुर से आई बी ए के संबंध में पाटन मार्जिन पर पुनः विचार किए जाने की आवश्यकता है ।
- (vi) याचिकाकर्ता निर्दिष्ट प्राधिकारी के इस अभिमत से सहमत हैं कि पाटन मार्जिन का निर्धारण केवल उन्हीं प्रकारों के बारे में किया गया है जिनका भारत में आयात जांच अवधि में हुआ है । पाटन मार्जिन का निर्धारण उत्पाद के उसी रूप के लिए किया जा सकता है जिसका जांच अवधि में आयात हुआ है । तथापि, जांच अवधि में आयातित प्रकारों के सभी समान रूपों पर पाटनरोधी शुल्क का लगाया जाना अपेक्षित है ।

ब्राजील

14. ब्राजील के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों को दोहराते हैं। प्रारंभिक जांच परिणामों को जारी करने के बाद मैं सिक्कीन सिया. पेट्रोक्वीमाइका एस. ए. ब्राजील ने निम्नानुसार सूचना दी है तथा उत्पादन लागत, लागत आवंटन आदि से संबंधित स्पष्टीकरण दिए हैं।
- (i) ब्राजीली प्राधिकरण ने एक सार्वजनिक नीलामी पर दिनांक 8 मई 2002 को सिक्कीन बेचा और इस कंपनी का नियंत्रण अब इलेक्ट्रोज एस. ए. के पास है जो 1894 में स्थापित हुई एक ब्राजीली सार्वजनिक कंपनी है।
  - (ii) जहां तक सामान्य मूल्य का संबंध है, भारत को निर्यात सिक्कीन द्वारा एक गैर व्यापारी आई सी सी केमिकल कारपोरेशन के माध्यम से किए गए थे। जांच अवधि के दौरान आई सी सी को एल्कोइल के तीन समूह बेचे गए थे और उनकी सर्वोत्तम जानकारी भारत को भेज दी गई थी।
  - (iii) परिशिष्ट 3.3 में शीर्ष को गलत रूप से दर्शाए गए सी आई एफ के बदले सी एंड एफ पढ़ा जाए चूंकि सिक्कीन द्वारा बीमा प्रभार का ठेका नहीं लिया गया है।
  - (iv) प्लाट से लगभग 30 कि. मी. की दूरी पर स्थित दो मुख्य पत्तनों के माध्यम से उत्पादों को निर्यात हेतु भेजने के लिए अंतर्राष्ट्रीय भाड़ा 3 से 4 अमरीकी डालर प्रति मी. टन की रेंज में है। इसके विपरीत घरेलू बिक्रियों के मामले में उपभोक्ता साओ पाओलो तथा रियो डी जनेरियो राज्यों में है जो प्लाट से लगभग 2000 कि. मी. की दूरी पर हैं, अतः घरेलू बिक्रियों के लिए भाड़ा 50 अमरीकी डालर प्रति मी. टन की रेंज में है।
  - (v) सामान्य तथा आइसो ब्यूटानॉल की घरेलू बिक्रियां उत्पादन लागत से कम पर की गई थीं।
  - (vi) सिक्कीन लैटिन अमरीका को सबसे बड़े पेट्रो-केमिकल पोल में से एक के मध्य में स्थापित है और भाष, पानी, विद्युत ऊर्जा, हवा आदि जैसी सभी उपयोगिताएं को पेन द्वारा उपलब्ध कराई जाती हैं जो नाफ्टा क्रैकर के स्वामित्व वाली कंपनी है, अतः प्रत्येक उत्पाद को कोई उपयोगिता लागत आवंटित नहीं है।
5. ब्राजील सरकार के विचार
- (i) याचिका पाटन प्रक्रिया, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के लिए पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराने में असफल रही है और इसे निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिया जाना चाहिए था।
  - (ii) निर्मित उत्पादन लागत पर सामान्य मूल्य की गणना की प्रक्रिया प्रकट नहीं की गई है।

- (iii) सी आई एफ निर्यात कीमत से दावा किए गए समायोजनों का विवरण प्रकट नहीं किया गया है।
- (iv) निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण प्राधिकारी को उनके द्वारा प्रश्नावली में प्रस्तुत की गई सूचना पर विचार करने के बाद किया गया प्रतीत नहीं होता है। उन मार्जिनों को निर्धारण पूरी तरह से प्राधिकारी को उसके अपने स्त्रोतों से प्राप्त स्थापित तथ्यों के आधार पर हुआ था। यह प्रक्रिया डब्ल्यू टी जो करार की धारा 6.8 तथा अनुबंध II का विरोध करती है जो निर्दिष्ट करता है कि यदि पार्टियों में से एक द्वारा प्रस्तुत सूचना का उपयोग नहीं किया जाता है तो पार्टियों को इस बारे में सूचित किया जाना चाहिए और उसे आवश्यक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का अवसर मिलना चाहिए। ब्राजीली निर्यातक जिसने प्रश्नावली का उत्तर दिया, को कोई अतिरिक्त स्पष्टीकरण देने को नहीं कहा गया था और इस प्रकार उसके उत्तर देने तथा स्वयं का पर्याप्त बचाव करने के अधिकार में कटौती की गई है।
- (v) प्रारंभिक जांच परिणामों में ऑक्टेनॉल तथा आइसो ब्यूटेनॉल, नोनानॉल तथा आइसो नोनानॉल के लिए पाटन का कोई निर्धारण नहीं था। तथापि, इन उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की गई है। डब्ल्यू टी ओ करार यह सुस्थित करता है कि अनंतिम मानक केवल तभी लागू किए जा सकते हैं जब पाटन का प्रारंभिक निर्धारण हो। बिना उस निर्धारण के ऐसे मानकों को लागू करना उक्त करार का अतिक्रमण है।
- (vi) यह तथ्य कि सिंगापुर से आइसो ब्यूटेनॉल के लिए तथा दक्षिण अफ्रिका से सामान्य ब्यूटेनॉल के लिए पाटन का ऋणात्मक निर्धारण प्राप्त हुआ, अधिक ध्यान दिए जाने योग्य है। इस पर विचार करते हुए कि अनंतिम मानकों को लगाए जाने के लिए कोई सिफारिश नहीं की गई थी, यह क्षति के विश्लेषण से संबंधित है।
- (vii) प्रस्तावित शुल्क विशिष्ट राशि के रूप में है। ऐसी प्रस्तावित राशि की पर्याप्तता का मूल्यांकन करना संभव नहीं है कि क्या यह निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन से निम्नतर या उच्चतर है। अनंतिम शुल्कों का लगाया जाना पाटनरोधी पर डब्ल्यू टी ओ करार की व्यवस्था के अनुरूप नहीं है और इसे वापस लियां जाना चाहिए।
16. उद्घाटन पर ब्राजील दूतावास की टिप्पणियाँ
- (i) 2 ई एच ए के लिए प्राधिकारी घाटे वाली बिक्रियों को छोड़ कर मुनाफे वाली घरेलू बिक्रियों पर विचार करने का प्रस्ताव करते हैं। प्रश्नावली के अगोपनीय रूप

- एवं 9.3 अनुबंधों में प्रस्तुत किए गए आंकड़े निर्देशित करते हैं कि ब्राजीली आंतरिक बाजार में समान वस्तु की औसत कीमत जांच अधिक के दौरान औसत कीमत से कम थी।
- (ii) इसी प्रकार आंतरिक बाजार में ब्राजीली उत्पादक/ निर्यातक की कुल बिक्रियों को ध्यान में रखा जाना चाहिए था। ऐ डी ए की धारा 2.2.1 के अंतर्गत बिक्रियों में हानि की अत्यधिक मात्रा की उपस्थिति के निर्धारण के लिए विश्वसनीय मानकों में से यह एक रहा होता।
  - (iii) यदि ऐसी बिक्रियों पर विचार नहीं किया जाना था तो भी घाटे वाली बिक्रियों को 'तर्कसंगत समयावधि' के भीतर सभी लागतों की 'वसूली' के लिए समर्थ बनाने की संभाव्यता को ज्ञात करने के लिए एक मूल्यांकन किया जाना चाहिए था।
  - (iv) इस बात पर विचार करते हुए कि रिपोर्ट में ऐसा कोई उल्लेख नहीं है कि ऐसा कोई मूल्यांकन किया गया था, प्राधिकारी के लिए ब्राजीली निर्यातक द्वारा की गई कुल बिक्रियों को छोड़ कर घाटे वाली बिक्रियों पर विचार नहीं करना संभव नहीं होगा।
  - (v) यद्यपि सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए प्रस्तावित प्रक्रिया ऐ डी ए की व्यवस्था के अनुसार थी, फिर भी उस करार की धारा 2.2.2 के अनुसार 'तर्कसंगत लाभ मार्जिन' का निर्धारण किस प्रकार किया गया, इस पर एक स्पष्ट विवरण होना चाहिए था।
  - (vi) यह भी प्रकट नहीं किया गया है कि 2 ई एच ए के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु किस प्रक्रिया का उपयोग किया गया था। प्रश्नावली के अगोपनीय रूपान्तर का अनुबंध 9.1 निर्देशित करता है कि आंतरिक बाजार में औसत बिक्री लागत औसत उत्पादन लागत से अधिक थी; अत्यधिक मात्रा में घाटे वाली बिक्री की किसी उपस्थिति का निर्धारण नहीं किया गया था।
  - (vii) व्यापार की सामान्य स्थितियों में बिक्रियों पर विचार किया जाना चाहिए था।
  - (viii) विवरण विचाराधीन निर्यात कीमतों को प्रकट करने में असफल रहा है जो एक बार फिर अस्वीकार्य रूप में निर्यातकों तथा उत्पादकों के स्वयं की पर्याप्त रक्षा करने के अधिकार में कठौती करता है।

(ix) चूंकि जांचाधीन अनेक उत्पादों के लिए किसी पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया गया था और जबकि अन्यों के नकारात्मक पाटन मार्जिन स्थापित हुआ था इसलिए इस प्रकार के उत्पादों को पाटनरोधी शुल्क लगाने के अधिकारों के तहत नहीं रखा जा सकता है अथवा ए डी ए के प्रबंधन को आधार लगेगा ।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

17. प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि मैसर्स सिक्यूरिटीज के नॉर्मल और आइसो ब्यूटानोल की घरेलू बिक्रियां उत्पादन लागत से कम थीं । परिशिष्ट 6 में अन्य देशों को किए गए निर्यात संबंधी सूचना और एन बी ए और आई बी ए के संबंध में परिशिष्ट 10 में बिक्री कीमत संबंधी ढांचे से यह प्रदर्शित होता है कि से निर्यात बिक्रियां उत्पादन लागत से कम थीं और इसलिए इन पर व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में विचार नहीं किया जा सकता है । अतः प्राधिकारी ने उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर नॉर्मल ब्यूटानोल और ओइसो ब्यूटानोल के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है । ऐसा करते समय प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा \*\*\* % उचित लाभ मार्जिन जोड़ने के पश्चात प्रस्तुत उत्पादन लागत संबंधी सूचना पर विचार किया है । एन बी ए के लिए प्रस्तावित सामान्य मूल्य \*\*\* डॉलर / एम टी और आई बी ए के लिए \*\*\* डॉलर / एम टी है । 2 ई एच ए के बारे में प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि \*\*\* % घरेलू बिक्रियां उत्पादन लागत से कम हैं और जिसकी वजह से वे व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में नहीं हैं । ये अलाभकारी बिक्रियां कुल 2 ई एच ए की घरेलू बिक्रियों का 20% से अधिक होने की वजह से प्राधिकारी ने शेष लाभ अर्जित करने वाली घरेलू बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है । लाभ अर्जित करने वाली घरेलू बिक्रियों के आधार पर 2 ई एच ए के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण \*\*\* डॉलर / एम टी किया जाता है ।

### निर्यात कीमत

18. प्राधिकारी निर्यात कीमत निर्धारण के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों को स्मरण करते हैं। निर्यातक ने बाद में निर्यात कीमत के बारे में स्पष्टीकरण दी है। प्राधिकारी ने मैसर्स सीक्वीन द्वारा आई सी सी को की गई बिक्री के अनुसार निर्यात कीमत पर विचार किया है। अंतर्देशीय भाड़ा, भण्डार, करों, अन्य और विदेशी भाड़े के बारे में निर्यातक द्वारा प्रदर्शित समायोजन किए गए हैं। निकासी, प्रहस्तन और सी एंड एफ कीमत के 2% की दर पर पत्तन व्यय और 4.5% वार्षिक की दर पर 90 दिवसीय ऋणों के कारण समायोजन किए गए हैं ताकि 2 ई एच ए के लिए \*\*\* अमरीकी डॉलर / एम टी, एन बी ए के लिए \*\*\* अमरीकी डॉलर / एम टी और आई बी प्र के लिए \*\*\* डॉलर / एम टी निवल निर्यात कीमत निकाली जा सके।

### मलेशिया

19. उत्तर केवल मैसर्स दी ए एस एफ फेट्रोनाज कैमिकल्स से प्राप्त हुआ था। सामान्य मूल्य के निर्धारण के बारे में प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्ष स्मरण करते हैं। प्रारंभिक निष्कर्षों के परिणामस्वरूप निम्नलिखित निवेदन किए गए हैं:-
20. मलेशिया सरकार के विचार
- (i) मलेशिया में इस प्रकार के उत्पादों के केवल दो विनिर्माता हैं अर्थात् बी ए एस एफ पेट्रोनॉज़ कैमिकल्स एस डी एन. बी एच डी. (बी ए एस एफ) और ऑप्टिमल कैमिकल्स (मलेशिया) एस डी एन. बी एच डी. (ऑप्टिमल)। बी ए एस एफ ने यह निवेदन किया है कि उसने जांच अधिके दौरान 2-ई एच ए से भिन्न उत्पाद का निर्यात नहीं किया है। ऑप्टिमल का ऑक्सोब्यूटानोल का वाणिज्यिक उत्पादन 7 अप्रैल, 2002 को प्रारम्भ हुआ था और ऑप्टिमल ने भारत को किसी ऑक्सोब्यूटानोल उत्पाद का निर्यात नहीं किया था।

- (ii) इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी जांच अवधि के दौरान मलेशिया से भारत में प्रवेश न हुए उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगा सकते हैं। अतः मलेशिया सरकार निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध करती है कि वह मलेशिया के मूल के उन उत्पादों तक पाटनरोधी शुल्क सीमित करे जिनका प्रवेश भारत के बाणिज्य में हुआ है।
- (iii) ऑक्टानोल, और आइसो ऑक्टानोल और नोनानोल और आइसो नोनानोल पर कोई पाटनरोधी उपयय नहीं लगाए जाने चाहिए क्योंकि जांच अवधि के दौरान मलेशिया से भारत को इन उत्पादों का निर्यात नहीं किया गया था।
- (iv) अनुच्छेद 6.8 के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर बी ए एस एफ का अनुरोध निष्कर्ष के योग्य नहीं है।
- (v) निर्दिष्ट प्राधिकारी को निर्यात कीमत निर्धारण में बी ए एस एफ द्वारा यथा प्रस्तुत सूचना का प्रयोग करना चाहिए।
- (vi) बी ए एस एफ ने जांच अवधि के दौरान जांचाधीन उत्पाद का उत्पादन किया था और इसने सामान्य मूल्य के निर्धारण में निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचारार्थ अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत की है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को डब्ल्यू टी ओ ए डी करार के अनुच्छेद 2.2.1.1 और अनुच्छेद 2.2.1.1 की पाद टिप्पणी की अपेक्षाओं पर उचित विचार करने की ज़रूरत है।

## 21. मैसर्स बी ए एस एफ पेट्रोनाज कैमिकल्स, मलेशिया द्वारा निम्नलिखित तर्क प्रस्तुत किए हैं :-

- (i) बी पी सी ऑक्सो कॉम्प्लैक्स ने 1 अप्रैल, 2001 को उत्पादन प्रारंभ किया था। तथापि बी पी सी का वित्तीय उत्पादन जुलाई 2001 में ऑक्सो अल्कोहल उत्पादन की हमारी गारंटी पूरी होने के बाद ही शुरू हुआ। हम निर्दिष्ट प्राधिकारी से विशेष अनुरोध करते हैं कि वह गैर पाटनरोधी कोड (अनुच्छेद VI पैरा 2.2.1.1) में निर्धारित प्रारंभ की विशेष स्थिति पर विचार कर उसे स्वीकार करें। हमारा ऑक्सो कॉम्प्लैक्स जांच अवधि के केवल अंतिम तीन महीनों में प्रारंभ हुआ।

- (ii) जहां तक 31.12.2000 वर्ष के आय विवरण में घाटा दर्शाए जाने का संबंध है, ये घाटे ऑक्सो उत्पादों की बिक्रियों के फलस्वरूप नहीं हुए हैं क्योंकि बी.पी.सी. ऑक्सो कॉम्प्लैक्स अप्रैल, 2001 में ही प्रारंभ हुआ था। घाटे सामान्य रूप से इस मूल स्थल और विशेष रूप से एक्रिलिक मोनोमर्स कॉम्प्लैक्स की शुरूआत (दोनों की शुरूआत 2000 की तीसरी तिमाही में हुई थी) से हुए हैं। अत्यधिक एकीकृत, पूँजीशील गहन विश्व माप पैट्रोकैमिकलस्थलों के लिए प्रारंभिक अवधि (2-3 वर्षों तक) में हुए घाटे उद्योग मापदण्ड के हैं।
- (iii) भारतीय आयात आंकड़ों के अनुसार मलेशिया मूल के 13.6 एम टी आई बी ए का आयात दर्शाया गया था जो जांच अवधि के दौरान हुए कुल आयातों का 1% से कम बनता है। यह मात्रा निर्धारित अधिकतम आयात मात्रा की शर्त पूरी करता है।
- (iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारतीय डी.जी.सी.आई.एंड एस की निर्यात कीमत अस्वीकार करते हुए भारत में आई.बी.ए की आयात कीमत का निर्धारण करने के लिए अन्य देशों को बी.पी.सी. की निर्यात कीमत का प्रयोग किया था। उपर्युक्त उत्पाद के लिए यह कीमत निर्धारण डब्ल्यू.टी.ओ. पाठनरोधी करार के अनुच्छेद 2.3 के अनुरूप नहीं है। करार के अनुच्छेद 2.3 में निर्दिष्ट प्राधिकारी को अन्य पद्धतियों का प्रयोग करने की अनुमति दी गई है अथवा निर्यात कीमत अविश्वसनीय है।
- (v) मलेशियाई आंकड़ों के अनुसार, जांच अवधि के दौरान भारत में आई.बी.ए का कोई निर्यात नहीं किया गया था। यह उन भारतीय आंकड़ों के विपरीत है जिनमें यह संकेत दिया गया है कि जांच अवधि के दौरान 13.6 एम टी के एक कन्टेनर की खेप आयी थी। बी.पी.सी. की शुरूआत से पूर्व मलेशियाई मूल के किसी आइसो ब्यूटानोल का निर्यात किया जाना असंभव है क्योंकि मलेशिया में कोई एकल उत्पादक नहीं था। चूंकि भारत में आई.बी.ए का आयात अप्रैल, 2001 से पहले हुआ था और कीमत संबंधी गलती दर्ज थी इसलिए हम निर्दिष्ट प्राधिकारी से डी.जी.सी.आई.एंड एस आंकड़ों की पुनः पुष्टि करने और मलेशिया के लिए इस मात्रा को अस्वीकार करने का अनुरोध करते हैं।

- (vi) भिन्न-भिन्न मात्रा के साथ दोनों आंकड़ों में प्रदर्शित एन बी ए मलेशियाई मूल का नहीं था बल्कि सिंगापुर के एक व्यापारी के जरिए पूर्व-अमरीका को व्यापार की गयी मात्रा थी। अमरीका मूल की इन मात्राओं की बिक्री बी पी सी द्वारा एफ ओ बी आधार पर अलाचम, सिंगापुर को की गयी थी। इन मात्राओं को निर्यातक की प्रश्नावली में दर्ज नहीं किया गया था क्योंकि ये मलेशियाई मूल की नहीं थीं। अतः हम निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अनुरोध करते हैं कि वह अन्य देशों / अमरीका से आयातित इन मात्राओं का पुनः वर्गीकरण कर मलेशियाई मूल के एन बी ए के आयातों के खिलाफ की गयी जांच को रद्द करें।
- (vii) मलेशिया में घरेलू बिक्रियां सामान्य व्यापार प्रक्रिया की हैं क्योंकि बी पी सी ने उत्पादन की इकाई लागत जमा एस जी ए से कम कीमत पर ऑक्सो अल्कोहल की बिक्री नहीं की थी। वास्तविक लागत न तो प्रतिनिधात्वक होगी और न ही ये उपलब्ध हैं क्योंकि हमारी वित्तीय लेखा अवधि जुलाई 2001 से ही प्रारंभ हुई थी।
- (viii) हम निर्दिष्ट प्राधिकारी से निम्नलिखित उन कारकों पर विचार करने का अनुरोध करते हैं जो कीमतों को प्रभावित करते हैं:-
- (क) बिक्री का समय और कच्ची सामग्रियों की भिन्न-भिन्न कीमतें
  - (ख) व्यापार के विभिन्न स्तर - व्यापारियों के जरिए बिक्रियों में समायोजन
  - (ग) ऑर्डर की विभिन्न मात्राएं - अधिक मात्रा के अलए कीमत में छूट
- (ix) प्रकटीकरण विवरण के उत्तर में, बी ए एस एफ पेट्रोनाज कैमिकल्स (बी पी सी) ने अनुरोध किया है कि कच्ची सामग्री की कीमत समेत उत्पादन लागत के बारे में आरंभिक स्थिति को पूर्णरूपेण स्वीकार करें।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

22. प्रारंभिक निष्कर्षों के पश्चात् मैसर्स बी ए एस एफ पेट्रोनाज कैमिकल्स, मलेशिया ने प्रश्नावली और प्राधिकारी द्वारा मांगी गयी अन्य सूचना प्रस्तुत की है। प्राधिकारी ने मलेशिया में निर्यातक की सूचना की मौके पर जांच भी की।

- (i) प्राधिकारी ने मैसर्स बी ए एस एफ पैट्रोनाज कैमिकल्स (बी पी सी), मलेशिया के उत्पादन लागत की जांच की थी। प्राधिकारी ने अनुच्छेद 2.2.1.1 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 3(ii) और पाटनरोधी करार की पाद टिप्पणी के अनुसार जांच अवधि के दौरान प्रारंभिक उच्च लागत के बारे में बी पी सी के दावे की जांच की है। प्राधिकारी ने प्रारंभिक अवधि के अंत में उत्पादन की लागत पर विचार किया है। तथापि जहां तक कच्ची सामग्री की कीमत का संबंध है, प्राधिकारी ने इस पर वास्तविक आधार पर विचार किया है। प्राधिकारी के विचार में प्रारंभिक प्रचालन का प्रभाव खपत कारक पर पड़ सकता है न कि कच्ची सामग्रियों की दरों पर। अतः प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान निर्यातिक द्वारा वास्तव में भुगतान की गई कच्ची सामग्रियों की दरों को स्वीकार करने पर विचार किया है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 2 के अनुसार, सामान्य मूल्य निर्धारण के लिए विचार किए जाने वाली घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में होनी चाहिए। उपर्युक्त उत्पादन लागत के बारे में निर्यातिक के दावे की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी को यह बात मालूम हुई है कि 2 ई एच ए की घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में हैं। तदनुसार 2 ई एच ए के सामान्य मूल्य का निर्धारण भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर किया गया है। इससे सामान्य मूल्य \*\*\* अमरीकी डॉलर / एम टी आता है।
- (ii) आई बी ए के संबंध में घरेलू बिक्रियां उत्पादन लागत जमा बिक्री, प्रशासन और सामान्य खर्चों से नीचे पायी गयी थी; अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण आई बी ए की शेष लाभ कमाने वाली बिक्रियों के आधार पर किया गया है। इससे सामान्य मूल्य \*\*\* अमरीकी डालर प्रति एम टी बनता है।
- (iii) जांच अवधि के दौरान नार्मल व्यूटानोल (एन बी ए) की घरेलू बिक्रियां नहीं हुई थीं। अतः एन बी ए के सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन लागत जमा बिक्री, प्रशासन और सामान्य खर्चों के आधार पर किया गया है जो \*\*\* अमरीकी डॉलर / एम टी बनता है।
- (iv) जहां तक 2 ई एच ए की निर्यात कीमत का संबंध है, उत्तर के अनुसार मैसर्स बी पी सी ने जांच अवधि के दौरान भारत को 2 ई एच ए के \*\*\* एम टी का प्रत्यक्ष निर्यात किया था।

उन्होंने यह भी सूचित किया है कि उन्होंने एक व्यापारी को एक पार्सल की बिक्री की थी जो संभवतः भारत में पहुंचा होगा। प्राधिकारी ने आयातकों से प्राप्त उत्तर का सत्यापन किया है और यह मालूम हुआ है कि भारतीय आयातकों द्वारा इस व्यापारी को 2 ई एच ए की बिक्रियों की भारी मात्रा की निकासी की गई थी। इन आयातों का मूल देश मलेशिया है। व्यापारी का नाम वही है जो बी पी सी द्वारा सूचित किया गया है। अतः प्राधिकारी ने व्यापारी के ज़रिए बी पी सी द्वारा किए गए निर्यातों को बी पी सी के निर्यात माना है। प्राधिकारी ने छूट / कमीशन, पैकिंग, अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, बीमा, निकासी और प्रहस्तन, नौवड़न प्रभारों के कारण निर्यात कीमत से समायोजनों का सत्यापन किया है। प्राधिकारी ने बीजकों में वैथा प्रदर्शित \*\*\* डॉलर में ब्याज लागतों के कारण भी समायोजन किया है। प्राधिकारी ने आयातक के उत्तर के अनुसार मलेशिया मूल के आयातों की मात्रा पर भी विचार किया है और निर्यात कीमत से इसी प्रकार का समायोजन किया है। तथापि पैकिंग के कारण कोई समायोजन नहीं किया है क्योंकि इनमें भी मात्रा में आयात किया गया था। इस प्रकार 2 ई एच ए की निर्यात कीमत को \*\*\* अमरीकी डॉलर / एम टी निर्धारित किया है।

- (v) अब बी ए के अनुसार, प्राधिकारी ने ली जाने वाली निर्यात कीमत के बारे में बी पी सी और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचारों पर विचार किया है। बी पी सी द्वारा यह तर्क दिया गया है कि यदि डी जी सी आई एंड एस आंकड़े 13.6 एम टी की मात्रा के अतिरिक्त सभी माने गए थे तो 1301.20 अमरीकी डॉलर / एम टी पर विचार किया जाए। बी पी सी और मलेशियाई सरकार के आंकड़ों के अनुसार जांच अवधि के दौरान भारत को आइसो ब्यूटानोल का कोई निर्यात नहीं किया गया था। तथापि आई टी सी एच एस 29051409 के अंतर्गत प्रदर्शित आयात 13,600 कि ग्रा थे जिनकी कीमत 8,13,136 रुपये थी। प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस जिसने आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं, से इन आयातों का अधिक ब्यौरा भाग था। डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार ये 13.6 एम टी आयात आई टी सी एच एस 29051200 और 29051409 के अंतर्गत स्वीकृत मिसीस्टाइल अल्कोहल से संबंधित हैं। अतः प्राधिकारी का यह विचार है

कि जांच अवधि के दौरान मलेशिया से आई बी ए का कोई निर्यात नहीं हुआ था और अतः आई बी ए के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया गया था ।

(vi) जहां तक एन बी ए का एंबेंध है, बी पी सी द्वारा यह तर्क दिया गया था कि उसने जांच अवधि के दौरान मलेशियाई मूल के किसी एन-ब्यूटॉनोल का निर्यात नहीं किया गया था । तथापि, उन्होंने एफ ओ बी आधार पर सिंगापुर व्यापारी के ज़रिए एक्स यू एस ए को एन बी ए की बिक्री की थी । तथापि, प्राधिकारी को यह मालूम हुआ है कि मलेशिया से आई टी सी एच एस 29051300 के अंतर्गत 261 एम टी का आयात डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में प्रदर्शित है जिसकी कीमत 68,94,932 रुपये है । मलेशियाई सरकार के आंकड़ों से अप्रैल - जून, 2001 के दौरान 1992.71 एम टी एन बी ए के निर्यात प्रदर्शित हैं । इसकी पुष्टि बी पी सी द्वारा दी गई सूचना से भी होती है । इस प्रकार प्राधिकारी ने एन बी ए के इन निर्यातों को बी पी सी के निर्यात माना है । बी पी सी के निर्यात बीजकों में यथा प्रदत्त निर्यात कीमत पर विचार किया गया है । \*\*\* अमरीकी डॉलर प्रति एम टी निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए कमीशन, अंतर्रेशीय परिवहन, पत्तन व्यय और 4.5% वार्षिक की दर पर 90 दिनों के ऋण के कारण समायोजन किया है ।

### रोमानिया

23. मैसर्स ओल्टचिम एस ए, रोमानिया द्वारा किए गए निवेदन
- (क) उनकी कंपनी ने फरवरी 2003 में की गई जांच के पश्चात् प्राधिकारी को सहयोग दिया है । कंपनी ने मांगी गई सभी सूचना उपलब्ध कराने में सर्वोत्तम प्रयास किए ।
- (ख) प्रकटीकरण विवरण के प्रत्युत्तर में मैसर्स ओल्टचिम ने यह तर्क दिया है कि ओक्टोनोल को 2 ई एच के रूप में वर्णित किया गया है । ई एच ए के लिए रोमानिया हेतु 25.97% का पाटन मार्जिन परिकलित किया गया है । यह ठीक नहीं हो सकता है क्योंकि मैसर्स ओल्टचिम ने भारत में किसी 2 ई एच ए का नहीं बल्कि केवल 2 ई एच का निर्यात किया था ।

## 24. रोमानिया के संबंध में सामान्य मूल्य

- (i) प्राधिकारी रोमानिया के संबंध में सामान्य मूल्य निर्धारण के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों का स्मरण करते हैं। रोमानिया के केवल एक निर्यातक अर्थात् मैसर्स ओल्टचिम ने जांच का उत्तर दिया है। चूंकि मैसर्स ओल्टचिम द्वारा प्रस्तुत सूचना अत्यंत दोषपूर्ण थी इसलिए प्राधिकारी ने उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया था। प्रारंभिक निष्कर्षों के बाद, निर्यातक ने और अधिक सूचना प्रस्तुत की थी। प्राधिकारी ने मैसर्स ओल्टचिम, रोमानिया के आंकड़ों की मौके पर सत्यापन भी किया है। प्राधिकारी को मालूम हुआ है कि निर्यातक ओक्टानोल का उत्पादन करता है और जांच अवधि के दौरान भारत को ओक्टानोल का भी निर्यात किया है। जहां तक निर्यातक का यह तर्क है कि ओक्टानोल 2 ई एच ए से भिन्न है, प्राधिकारी का यह विचार है कि पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए मैसर्स ओल्टचिम द्वारा बिक्री किए गए ओक्टानोल के सामान्यमूल्य और निर्यात कीमत की तुलना की गयी है। तथापि, समान वस्तु के मुद्दे पर निर्धारण के बारे में प्राधिकारी के विचारों को वहां पुनः दोहराया जाता है जहां ओक्टानोल को 2 ई एच ए के समान वस्तु माना गया है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि कंपनी की \*\*\* % घरेलू बिक्रियां उत्पादन लागत से कम हैं। ये अलाभकारी बिक्रियां कुल घरेलू बिक्रियों से 20% अधिक हैं। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए शेष \*\*\* % घरेलू बिक्रियों को \*\*\* अमरीकी डॉलर / एम टी माना है।
- (ii) प्राधिकारी ने मैसर्स ओल्टचिम की निर्यात कीमत और प्रदर्शित समायोजनों की जांच की है। ऋण लागत भुगतान की शर्तों और प्रचलित ब्याज दरों के आधार पर की गई है। प्राधिकारी ने कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण \*\*\* अमरीकी डॉलर/एम टी किया है।

### दक्षिण अफ्रीका

## 25. दक्षिण अफ्रीका के बारे में सामान्य मूल्य

### सैब्यूटॉल

- (i) दक्षिण अफ्रीका से केवल एक निर्यातक अर्थात् मै. सासोल सोल्वेंट ने सैब्यूटॉल के निर्यात तथा घरेलू बिक्रियों के संबंध में उत्तर प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी दक्षिण अफ्रीका के लिए

सामान्य मूल्य निर्धारण के लिए प्रारंभिक जांच परिणामों को स्मरण करते हैं। प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना को अनंतिम रूप से स्वीकार किया है। इसके बाद निर्यातक ने सूचना प्रस्तुत की है। घरेलू उद्योग सैब्यूटॉल का उत्पादन नहीं करता है। प्राधिकारी ने दक्षिण अफ्रीका में घरेलू बिक्री कीमत पर सामान्य मूल्य को निर्धारित किया है।

- (ii) सैब्यूटॉल के बारे में निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक द्वारा दिए गए आंकड़े के आधार पर किया गया है। निर्यातक की सूचना के अनुसार पैकिंग, अंतर्राज्यीय भाड़ा, भंडारण, हैंडलिंग / सर्वेयर, विलंब शुल्क, समुद्री भाड़ा आदि के कारण किए गए समायोजन निर्यातक की सूचना के अनुसार किए गए हैं। कमीशन और 90 दिन का ऋण लागत पर समायोजन भी किए गए हैं। निवल निर्यात \*\*\* अमरीकी डॉलर / एस टी निर्धारित की गई है।
26. निर्यातक ने प्रकटन विवरण पर और आगे निवेदन किए हैं :

- (i) प्राधिकारी को किसी भी प्रकार का शुल्क लगाने से पूर्व प्रत्यक्ष रूप से अथवा परिकलित सामान्य मूल्य के द्वारा पाटन मार्जिन को निर्धारित करना चाहिए।
- (ii) किसी भी उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से पूर्व वहां निर्यात होने आवश्यक हैं। जो च की अवधि के दौरान दक्षिण अफ्रीका से आई बी ए का निर्यात नहीं किया गया था। इसकी पुष्टि दक्षिण अफ्रीका में व्यापार तथा उद्योग विभाग द्वारा की गई है। इसलिए दक्षिण अफ्रीका से आई बी ए को इस जांच के कार्यक्षेत्र से अलग रखा जाना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका से एन बी ए और आई बी ए

27. दक्षिण अफ्रीका से एन बी ए तथा आई बी ए के बारे में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्रारंभिक जांच परिणामों को स्मरण करते हैं। दक्षिणी अफ्रीका उच्चायोग, नई दिल्ली द्वारा दिए गए एक पत्र के अनुसार यह सूचित किया गया है कि टैरिफ और व्यापार बोर्ड, दक्षिण अफ्रीका सरकार के अनुसार जाँच की अवधि के दौरान ऑक्टानोल और आइसो ऑक्टानोल, नोनानोल और आइसो नोनानोल, 2 ई एच ए और आई बी ए के कोई भी निर्यात नहीं हुए। तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार एन बी ए और आई बी ए को आई टी सी एच एस वर्गीकरण 29051300 तथा 29051409 के तहत सूचित किया गया है। इस प्रकार प्राधिकारी याचिकाकर्ता द्वारा

प्रस्तुत की उत्पादने की परिकलित लागत के बारे में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारण की पुष्टि करते हैं। जहां तक निर्यात कीमत का संबंध है, प्राधिकारी को डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों पर विश्वास करना पड़ा और प्राधिकारी एन बी ए तथा आई बी ए की निर्यात कीमत के लिए प्रारंभिक जांच परिणमों की पुष्टि करते हैं। कोई भी नया निर्यातक या वे निर्यातक जिन्होंने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है, वे नियम 22 के तहत समीक्षा की मांग कर सकते हैं।

### सिंगापुर

28. प्राधिकारी सिंगापुर के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के बारे में प्रारंभिक जांच परिणमों को स्मरण करते हैं। सिंगापुर से किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली का को कोई उत्तर नहीं दिया। प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद मै. एक्सोन मोबिल कैमिकल इंटरनेशनल सर्विसिज लि. (ई एम सी आई एस), सिंगापुर ने निम्नलिखित विचार प्रस्तुत किए हैं :
- (i) प्राधिकारी ने जांच की अवधि के दौरान विद्याराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है। 2 ई एच ए का निर्यात सिंगापुर से मै. ईस्टमैन द्वारा किया गया। ई एम सी आई एस के आई एन ए प्लाट की स्थापना जून / जुलाई, 2001 को अथवा इसके लगभग की गई थी। इस जांच में जांच अवधि 1 अप्रैल, 2000 से 30 जून, 2001 है।
  - (ii) उन मदों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का कानूनी कोई आधार नहीं है जिनका जांच की अवधि के दौरान भारत से निर्यात नहीं किया गया है।
  - (iii) ये अनुरोध पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के तहत नई शिपर समीक्षा की मांग करने का मै. ई एम सी आई एस के अधिकोण के पूर्वाग्रह के बिल है।
  - (iv) ऑक्सो अल्कोहल मामला-। में, प्राधिकारी ने इस आधार पर यूरापीय संघ से आई एन ए पर शुल्क की सिफारिश नहीं की है कि यह 2 ई एच ए की समान वस्तु नहीं है। अब इस आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए कि सिंगापुर से आई एन ए, 2 ई एच ए की समान वस्तु है, गैर-कानूनी है और अनुमत्य नहीं है।
  - (v) प्राधिकारी ऐसे आदेश जारी कर सकते हैं जिसके परिणामस्वरूप सिंगापुर से आई एन ए के आयातों पर जगाए अनंतिम शुल्क को हटाया जा सके।

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़े सिंगापुर से एन बी ए, आई बी ए तथा 2 ई एच ए से हुए निर्यात को दर्शाते हैं। प्राधिकारी सिंगापुर मूल के एन

बी ए तथा 2 ई एच ए के आयातकों से प्राप्त उत्तर से पाते हैं कि जांच की अवधि के दौरान आयात हुए हैं। प्रारंभिक जांच परिणामों में प्राधिकारी ने इन बी ए तथा 2 ई एच ए के बारे में पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है। आई बी ए के बारे में पाटन मार्जिन नकारात्मक था। मै. एक्सोन मोबिल ने तर्क दिया कि प्राधिकारी ने यह नहीं बताया कि सिंगापुर के लिए इन बी ए, आई बी ए तथा 2 ई एच ए के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किस प्रकार किया गया। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी को कोई भी शुल्क लगाने से पहले प्रत्यक्ष अथवा परिकलित सामान्य मूल्य के द्वारा पाटन मार्जिन को निर्धारित करना चाहिए। प्रारंभिक जांच परिणामों के पैरा ॥ भाग च के तहत प्राधिकारी ने कहा कि उसने सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य को माना है। चूंकि सिंगापुर से सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बारे में कोई नया साक्ष्य नहीं है, प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों के अनुसार सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन की पुष्टि करते हैं। कोई भी नया निर्यातक अथवा वे निर्यातक जिन्होंने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है, नियम 22 के तहत समीक्षा की मांग कर सकते हैं।

#### अन्य निर्यातकों के बारे में सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत

##### ब्राज़ील

29. अन्य असहयोगी निर्यातकों के बारे में प्राधिकारी ने किसी भी समायोजन की अनुमति नदेते हुए सहयोगी निर्यातक की घरेलू बिक्रियों के साक्ष्य के आधार पर 2 ई एच ए के लिए सामान्य मूल्य को निर्धारित किया है। प्रति सहयोगी निर्यातक के अनुसार निर्यात कीमत को स्वीकार किया गया है। निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन 30.88% है।

एन बी ए के बारे में सहयोगी निर्यातक के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य को ही स्वीकार किया गया है। डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार निर्यात कीमत स्वीकार की गई हैं। पाटन मार्जिन 47.45% निर्धारित किया गया है।

जहां तक आई बी ए का संबंध है, सहयोगी निर्यातक के अनुसार सामान्य मूल्य को स्वीकार किया गया है। निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन 31.28% है।

##### मलेशिया

30. अन्य असहयोगी निर्यातकों के बारे में प्राधिकारी ने सहयोगी निर्यातक के लिए निर्धारित 2 ई एच ए के लिए सामान्य मूल्य को स्वीकार किया है। उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार न्यूनतम्

निर्यात कीमत को स्वीकार किया गया है। पाटन मार्जिन 16.23% निर्धारित किया गया है।

जहां तक एन बी ए का संबंध है, सहयोगी निर्यातक के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य को स्वीकार किया गया है। सहयोगी निर्यातक की सूचना के अनुसार न्यूनतम निर्यात कीमत को स्वीकार किया गया है। पाटन मार्जिन \*\*\* % निर्धारित किया गया है।

जहां तक आई बी ए का संबंध है, सहयोगी निर्यातक के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य को स्वीकार किया गया है। निर्यात कीमत का कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। प्राधिकारी ने आई बी ए के लिए कोई अलग से पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया है।

### रोमानिया

31. असहयोगी निर्यातकों के बारे में प्राधिकारी ने सहयोगी निर्यातक की उच्चतम घरेलू बिक्री कीमत के साक्ष्य के आधार पर ऑक्टानोल के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। सहयोगी निर्यातक के अनुसार ही निर्यात कीमत को स्वीकार किया है। पाटन मार्जिन 43.11% निर्धारित किया गया है।

### दक्षिणी अफ्रीका

32. अन्य असहयोगी निर्यातकों के बारे में प्राधिकारी ने सहयोगी निर्यातक के अनुसार निर्धारित सैब्यूटॉल के सामान्य मूल्य को स्वीकार किया है। सहयोगी निर्यातक के अनुसार न्यूनतम निर्यात कीमत को स्वीकार किया है। पाटन मार्जिन 29.36% निर्धारित किया गया है।

### पाटन मार्जिन

33. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I में निर्धारित सामान्य मूल्य निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण को शासित करने वाले सिद्धांतों को स्वीकार करने की सुसंगत प्रथा को अपनाया है। पाटन मार्जिन का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 6 में निर्धारित किए गए सिद्धांत के अनुसरण में निर्यात कीमत की सामान्य मूल्य के साथ

उचित तुलना के आधार पर किया गया है। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर अर्थात् कारखाना द्वारा स्तर पर है। प्राधिकारी ने एन बी ए / आई बी ए के साथ सैब्यूटॉल की तुलना के बारे में कुछेक हितबद्ध पक्षों के तर्कों को ध्यान में रखा है और प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा दी गई सूचना के अनुसार सैब्यूटॉल के सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत से तुलना की है। उपरोक्त के अनुसार सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने निम्नलिखित पाटन मार्जिन (%) निर्धारित किया है :

देश	निर्यातक	एन बी ए	आई बी ए	2-ई एच ए	सैब्यूटॉल	ऑक्टानोल
ब्राज़ील	मै. सीक्वीन सिया पेट्रोक्वीमिका	33.98	31.28	21.11		
ब्राज़ील	अन्य निर्यातक	47.45	31.28	30.88		

मलेशिया	मै. बी ए एस एफ	1.30		8.94		
मलेशिया	अन्य निर्यातक	1.30		9.70		
रोमानिया	मै. ओल्टचिम			25.97		25.97
रोमानिया	अन्य निर्यातक			43.11		43.11
सिंगापुर	सभी निर्यातक	46.63	-27.17	50.63		

दक्षिणी अफ्रीका	मे. सासोल सोल्वेंट्स	-22.52	72.48		24.42	
दक्षिणी अफ्रीका	अन्य निर्यातिक	-22.52	72.48		29.36	

#### घ. क्षति तथा क्षति का खतरा

34. पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में निम्नानुसार व्यवस्था है :

#### "क्षति का निर्धारण :

- (1) निर्दिष्ट देशों से हुए आयातों के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी आगे अपने निष्कर्ष दर्ज करेंगे कि भारत में होने वाले ऐसे आयातों से भारत में स्थापित किसी उद्योग को वास्तविक क्षति होती है अथवा क्षति का खतरा उत्पन्न होता है अथवा किसी उद्योग को स्थापित करने में बाधा आती है ;
- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति, घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के खतरे और घरेलू उद्योग की स्थापना में आने वाली वास्तविक बाधा और पाटित आयातों की मात्रा, और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर इसके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव समेत सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए इन नियमों के अनुबंध ॥ में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार पाटित आयातों और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का मूल्यांकन करेंगे ।"

35. पाटनरोधी नियमों के अनुबंध ॥ में क्षति के निर्धारण संबंधी सिद्धांतों में यह प्रावधान है कि:-

- (क) क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों की वस्तुपरक जांच शामिल होगी ।

(ख) पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में काफी वृद्धि हुई है। नियम 18 के उप नियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा काफी हद तक कीमतों में कमी लाना अथवा कीमत में उस वृद्धि को रोकना है जो कि अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती।

### 36. घरेलू उद्योग के विचार :

याचिकाकर्ता ने प्रारंभिक परिणामों में क्षति पर व्यक्त किए गए अपने विचारों को दोहराया है। उन्होंने निम्नलिखित निवेदन किए हैं :

#### (i) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री मात्रा :-

ए पी एल द्वारा क्षमता में वृद्धि कम लागतों के प्रयास में अधिक उत्पादन करने की दृष्टि से की गई थी ताकि कंपनी प्रतिस्पर्धा का सामना कर सके। तथापि उत्पादन की अधिक दर के बावजूद और अधिक मात्रा में बिक्रियां होने पर भी घरेलू उद्योग की लाभकारिता ऐसी स्थिति से विकृत हुई जिसे क्षति की स्थिति पाया गया।

#### (ii) बिक्री की कीमत :-

बिक्री की कीमतों को अकेले नहीं देखा जा सकता। बिक्री की कीमतों को लागतों की कीमतों में परिवर्तन के साथ देखा जाना चाहिए। जैसा कि प्रस्तुत की गई सूचना से देखा जा सकेगा उत्पादन की लागत में वृद्धि बिक्री कीमतों में हुई वृद्धि से अधिक थी जिसके फलस्वरूप अधिक धाटे हुए। इस प्रकार पाटित आयातों से कीमत में वैध वृद्धि नहीं हुई। इसके अतिरिक्त यह भी नोट किया जाना चाहिए कि घरेलू उद्योग को अनेक देशों से पाटित आयातों के कारण पहले भी वास्तविक क्षति हुई थी। अतः उद्योग इस क्षति से निकल रहा था। अनुपलब्धता के बारे में आई पी एम ए का तर्क निराधार है। एक ओर

एसोसिएशन यह दावा करती है कि इसके सदस्य उत्पाद के मुख्य उपभोक्ता हैं तो दूसरी ओर एसोसिएशन ने यह दावा किया है कि वह घरेलू उद्योग की बिक्री वसूली के संबंध में टिप्पणी नहीं कर सकती क्योंकि संबंधित सूचना को घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय रखा गया है। यह उल्लेख करना संगत होगा कि आयातक प्रश्नावली जिसे आई पी एम ए के सदस्यों द्वारा भरा गया है, में अन्य बातों के साथ-साथ आयातकों / उपभोक्ताओं द्वारा घरेलू खरीद की सूचना भी दी जानी आवश्यक है। ऐसा मामला होने के कारण इस तर्क का कोई आधार नहीं है कि आई पी एम ए के पास घरेलू कीमतों के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है।

#### (iii) बाजार का हिस्सा :-

संबद्ध देशों से आयातों का बाजार में हिस्सा घरेलू उद्योग की तुलना में अधिक मात्रा में बढ़ा है। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने अपने हिस्से को आंशिक रूप से पुनः प्राप्त किया है जो कि इसने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण पहले गवां दिया था।

#### (iv) एन ओ सी आई एल द्वारा संयत्रों को बंद करना और ए पी एल द्वारा उत्पादन को निलंबित करना :-

ए पी एल द्वारा उत्पादन को निलंबित करने के लिए प्राथमिक कारण अलाभकारी कीमतें थीं। चूंकि कंपनी लगातार पाटन होने के कारण लाभकारी कीमतों पर उत्पाद को बिक्री नहीं कर सकती थी इसलिए कंपनी को अन्य कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। इसलिए ए पी एल के सामने आई अन्य समस्याओं के कारण केवल अलाभकारी कीमतें हैं। इस प्रकार एन ओ सी आई एल लंबे समय से अपने पेट्रोकेमिकल व्यवसाय को लाभकारी रूप में नहीं चला सकी। अपने प्रचालनों को बनाए रखने में कंपनी द्वारा किए गए अन्य प्रयास भी कामयाब नहीं हुए क्योंकि भारतीय बाजार लाभकारी नहीं था। यहां यह उल्लेखनीय है कि विश्व में अन्य कहीं भी इस उद्योग में नए निवेश नहीं किए गए बल्कि भारत से बाहर अधिक निवेशों की योजना बनाई जा रही है। जब विश्वस्तरीय निवेश आकर्षक हैं तो भारत में ऐसा न होने के कारण केवल अलाभकारी बाजार है।

(v) कीमतों में कटौती :-

संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी।

(vi) कीमतों में कमी / कीमत ह्रास :-

संबद्ध देशों से आयातों के कारण बाजार में कीमतें घट रही थीं / कम हो रही थीं। आयातों से वैध कीमत वृद्धियां जिनकी पाटनरोधी शुल्क लगाने के पश्चात घरेलू उद्योग को उम्मीद थी, रुक रही थी।

(vii) कम मूल्य पर बिक्री :-

संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग बाजार में उत्पाद को कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य था। घरेलू उद्योग अपनी नियोजित पूँजी पर उचित लाभ प्राप्त नहीं कर सकता था।

(viii) आयात की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि :-

आयातों में संबद्ध देशों से सापेक्ष रूप में पर्याप्त वृद्धि हुई है। आयातों की वास्तविक मात्रा डी जी सी आई एड एस अंकड़ों में दर्शाई गई मात्रा से बहुत अधिक है।

(ix) आयातकों के यह तर्क कि क्षति का निर्धारण गलत है जब अधिकांश मानदंडों से सुधरी हुई स्थिति मालूम होती है, कानूनी तौर पर स्वीकार्य नहीं है। उच्च टी ओ के पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.4 में स्पष्ट रूप से यह कहा गया है कि आर्थिक घटकों और सूचकों की सूची समाप्त होने वाली नहीं है और न ही यह ऐसी हो सकती है अथवा इनमें से कई घटक अनिवार्य रूप से निर्णायक दिशा निर्देश देते हैं। उत्पादन, बिक्री की मात्राओं, क्षमता में वृद्धि, क्षमता उपयोग जैसे मानदंडों में सकारात्मक सुधारों को स्पष्ट रूप से मूल्यों में कटौती, पहले पाटन करते हुए पाए गए स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के बावजूद निरंतर प्रतिकूल लाभकारिता जैसे नकारात्मक मानदंडों द्वारा रोक दिया गया है।

(x) जहां तक वास्तविक क्षति के खतरे का संबंध है यह तर्क कि विनिर्दिष्ट प्राधिकारी स्वतः वास्तविक क्षति के खतरे का निर्धारण नहीं कर सकता, गलत रूप से समझा गया है।

डब्ल्यू टी ओ के पैनलों ने अनेक मामलों में यह माना है कि प्राधिकारियों को स्वतंत्र स्रोतों से सूचना का प्रयोग करने और कुछ मुद्दों की स्वतः जांच करने से कोई नहीं रोक सकता।

- (xi) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि नया संयंत्र केवल सिंगापुर में लगाया गया है और इसका अन्य देशों से कोई संबंध नहीं है, घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी रूप से मूल्यांकन करना अपेक्षित है।
- (xii) घरेलू उद्योग के पास स्टॉकों के स्तर में वृद्धि हुई है।
- (xiii) निवेशों पर लाभ 1998-99 से नकारात्मक रहा है।
- (xiv) घरेलू उद्योग को 1998-99 से जाँच अवधि तक काफी अधिक घाटे हो रहे हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए वित्तीय घाटों से नकदी प्रवाह पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- (xv) घरेलू उद्योग के रोज़गार क्षेत्र में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है।
- (xvi) घरेलू उद्योग के लिए अपने कर्मचारियों की अनिवार्य वेतन वृद्धियां करना कठिन हो रहा है।
- (xvii) घरेलू उद्योग नई पूंजी नहीं जुटा सकता है अथवा नए निवेशों की योजना नहीं बना सकता है क्योंकि उद्योग को इसके प्रचालन में अत्यधिक घाटा हो रहा है।
- (xviii) पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है बल्कि बहुत अधिक है। काफी अधिक पाटन मार्जिनों से घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन बहुत ही प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है।
- (xix) आयातों से घरेलू उद्योग के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।
- (xx) क्षति के संचयी मूल्यांकन के लिए नियमों के अंतर्गत निर्धारित मानदंड इस मामले में भली भांति पूरे हुए हैं क्योंकि,
  - (क) प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा न्यूनतम से अधिक है,
  - (ख) प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक है, और
  - (ग) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों की दृष्टि से उचित है।

37. आई पी एम ए और मै. लूब्रीजोल इंडिया लि. के विचार

(i) नियम 11 (2) के विपरीत घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति निम्नलिखित के महेनजर साबित नहीं हुई है :-

- (क) अनेक क्षति घटकों से कोई क्षति मालूम नहीं होती है
- (ख) घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमता बढ़ाई है
- (ग) क्षमता उपयोग के स्तर में वृद्धि हुई है
- (घ) उत्पादन की मात्रा में वृद्धि हुई है
- (ङ) बिक्री की मात्रा में वृद्धि हुई है
- (च) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में पर्याप्त वृद्धि हुई है
- (छ) घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई है
- (ज) अंतिम स्टॉक में कमी आई है
- (झ) इस मामले में रोजगार के स्तर में गिरावट असंगत है
- (ञ) पिछले वर्षों की तुलना में नकदी प्रवाह की स्थिति में सुधार हुआ है
- (ट) प्राधिकारी का यह निर्धारण कि पूंजीगत निवेश जुटाने की योग्यता प्रभावित हुई है, तथ्यात्मक रूप से गलत है
- (ठ) लाभकारिता में सुधार हुआ है
- (ड) घरेलू बिक्री वसूली, घरेलू बिक्री कीमतों, उत्पादन, की लागत आदि के संबंध में सूचना की कमी से अन्य हितद्व पक्षकार विनिर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष अपने हितों की प्रभावी सुरक्षा नहीं कर सके
- (ढ) वास्तविक क्षति का निर्धारण गलत है जब अधिकांश क्षति मानदंडों से सकारात्मक प्रचालन मालूम होता है

एक भी ऐसा कारक नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो । यद्यपि कुछेक ऐसे कारक हैं जिन पर प्राधिकारी ने क्षति का निर्धारण किया भी है तो प्राधिकारी को यह विश्वासोत्पादक स्पष्टीकरण देने की ज़रूरत पड़गी कि वे कारक अन्य कारकों में सकारात्मक विकासों से अधिक प्रभावशाली क्यों थे ।

- (ii) अनुबंध II के पैराग्राफ (vii) के विपरीत निम्नलिखित के मद्देनज़र वास्तविक क्षति का खतरा स्थापित हुआ है :-
- (क) वास्तविक क्षति के खतरे के संबंध में प्राधिकारी द्वारा स्वनिर्धारण गलत है
  - (ख) वास्तविक क्षति के खतरे के लिए मूल शर्त पूरी नहीं
  - (ग) जांच अवधि के पश्चात् पिछले 15 महीनों की घटनाएं 'क्षति के खतरे' के भ्य को स्थापित नहीं करती हैं
  - (घ) वास्तविक क्षति का खतरा पीछे हटने का विकल्प नहीं है
- (iii) नियम 11(2) के विपरीत निम्नलिखित के मद्देनज़र कोई कारणत्मक संबंध स्थापित नहीं हुआ है :-
- (क) ए पी सी एल के प्रचालन को स्थगित रखने के कारणों का मूल्यांकन ही नहीं किया गया है
  - (ख) ए पी सी एल द्वारा प्रचालन स्थगित करने से आयातों में वृद्धि हुई है न कि अन्य किसी कारण से
  - (ग) नोनानोल, हैप्टानोल, हैक्सानोल, डेकानोल इत्यादि का कोई आयात ना होने की स्थिति में उनके द्वारा कोई क्षति नहीं हो सकती थी
  - (घ) कथित पाटित आयातों की मात्रा का प्रभाव 'शून्य' है
  - (ङ) प्राधिकारी द्वारा निर्धारित कीमत प्रभाव बिना किसी साक्ष्य के है
  - (च) प्राधिकारी ने पाटन से भिन्न उन अन्य कारकों की जांच नहीं की जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती थी

- (छ) नियम 6(5) के विपरीत प्राधिकारी निम्न के महेनजर उत्पाद के औद्योगिक प्रयोक्ताओं के विचारों पर विचार करने में असफल रहे
- (ज) औद्योगिक प्रयोक्ता सर्वाधिक प्रभावित है क्योंकि घरेलू उद्योग सभी एक्रीलिक अल्कोहल का विनिर्माण नहीं करता है
- (झ) घरेलू उद्योग संपूर्ण मांग की पूर्ति नहीं कर सकता है। कमी पूरी करने के लिए आयात आवश्यक हैं
- (ञ) घरेलू उद्योग की कीमतें अप्राकृतिक रूप से अधिक हैं
- (ट) अन्य देश औद्योगिक प्रयोक्ताओं के हितों पर कैसे विचार करते हैं। बहरहाल, प्राधिकारी द्वारा लगाया गया प्रति एम टी पाटनरोधी शुल्क की राशि काफी अधिक है और यह संपूर्ण प्रयोक्ता उद्योग को नष्ट कर देगा
- (iv) घरेलू उद्योग ने यह कहा है कि उनकी माल सूची बढ़कर अब 3600 एम टी हो गयी है। यह जांच अवधि के बाद हुई है और इसलिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण करते वक्त जांच अवधि के पश्चात की ऐसी प्रकृति पर विचार नहीं किया जाएगा। साथ ही केवल एक महीने के अंत में स्टॉक की स्थिति भी विश्वसनीय संकेतक नहीं है।
- (v) अन्य देशों से हुए पाटन के कारण हुई क्षति जो पूर्ववर्ती जांच में शामिल है, पर विचार नहीं किया जाएगा।
- (vi) एन ओ सी आई एल बन्द कर दिया गया है और वह समान वस्तु का घरेलू विनिर्माता नहीं है। अतः क्षति, नुकसान रहित कीमत इत्यादि का मूल्यांकन करने के लिए उनके आंकड़ों पर विचार नहीं किया जाएगा।
- (vii) भारत में सभी ऑक्सो अल्कोहल की लगभग 125000 एम टी की कुल मांग की तुलना में स्थानीय उत्पादन 40000 एम टी वार्षिक है। पाटनरोधी शुल्कों के कारण आयातों के सभी केन्द्र बन्द कर दिए गए हैं। इससे प्लास्टिसाइज़रों का बड़े पैमाने पर आयात हुआ है। ऑक्सो अल्कोहल पर पाटनरोधी शुल्क विश्व के बृहद् एकीकृत संयंत्रों को वरदान दे

रहे हैं जो अब प्लास्टिसाइज़र अथवा ऑक्सो अल्कोहल से निर्मित अन्य उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं।

- (viii) ऑक्सो अल्कोहल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के पश्चात् इन देशों से कोई महत्वपूर्ण आयात नहीं हुए हैं।
- (ix) थैलिक प्लास्टिसाइज़र विनिर्माण का मूल्यवर्धन लगभग 60 डॉलर प्रति एम टी (3000 रुपये) है। यह उद्योग 38 डॉलर से 307 डॉलर प्रति एम टी की सीमा में पाटनरोधी शुल्क सहन नहीं कर सकता है।
- (x) आंध्रा पेट्रोकेमिकल्स की वर्ष 2002-03 में लाभप्रदता में वृद्धि पाटनरोधी शुल्क लगाने के कारण नहीं बल्कि मुख्यतः ऑक्सो अल्कोहल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि की वजह से हुई है।
- (xi) निर्दिष्ट प्राधिकारी को ऑक्सो अल्कोहल पर पाटनरोधी शुल्क को हमेशा के लिए समाप्त कर देना चाहिए क्योंकि ऑक्सो अल्कोहल के स्थानीय उत्पादकों को इससे किसी प्रकार से कोई लाभ नहीं मिलेगा बल्कि इससे प्लास्टिसाइज़र के विनिर्माताओं और थैलिक एनहाइड्राइड के विनिर्माताओं को स्थायी रूप से हानि होगी।

### 38. मैसर्स ओल्टचिम एस ए, रोमानिया के विचार

15 महीनों की जांच अवधि के दौरान ओल्टचिम ने 560029 डॉलर का 1154.7 टन ऑक्टानोल का एकल निर्यात किया था। ओल्टचिम ने न तो इन दो वर्षों में और न ही इस एकल सौदे के पश्चात् भारत में ऑक्टानोल की अन्य कोई बिक्री की थी। भारत में यह एकमात्र बिक्री आकस्मिक थी। इस प्रकार रोमानियाई पक्ष यह मानता है कि रोमानिया से उस उत्पाद को प्राप्त करने से एसाइक्लिक अल्कोहल के भारतीय बाजार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता है जिसकी जांच किए जाने का उद्देश्य है।

39. मैसर्स बी ए एस एफ पेट्रोनाज कैमिकल्स, मलेशिया के विचार

- (i) याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे के अनुसार पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के दौरान बाजार हिस्से में घटा हुआ, सही नहीं हैं। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वर्ष 1999-2000 और 1998-99 की तुलना में 50% तक की वृद्धि हुई थी। घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में जो तीव्र वृद्धि हुई है वह इस तथ्य को देखते हुए असाधारण है कि एक याचिकाकर्ता मैसर्स आंध्रा पेट्रोकैमिकल्स ने प्रचालनात्मक बाधाओं की वजह से जनवरी से जुलाई 2001 तक की जाँच अवधि के दौरान छह महीने तक संयंत्र का प्रचालन स्थगित रखा था। शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोप के अनुसार आयातों की मात्रा में काफी वृद्धि हो गयी थी जिससे घरेलू उद्योग की कीमतों में कमी हुई है। ऐसा आक्रामक कीमत संबंधी व्यवहार की वजह से नहीं बल्कि एक याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादन स्थगित किए जाने की वजह से हुआ है।
- (ii) वर्ल्ड स्केल ऑक्सो अल्कोहल संयंत्रों की वार्षिक क्षमता 250,000 मी. टन और इससे अधिक की है। छोटे संयंत्र अत्याधुनिक और प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। भारतीय ऑक्सो अल्कोहल उत्पादन की सुविधाएं 50,000 प्रति मी. टन वार्षिक से कम हैं। इस तथ्य को नोसिल की रिपोर्ट में स्वयं स्थानीय ऑक्सो अल्कोहल के उत्पादकों ने स्वीकार किया है। इस प्रकार शिकायतकर्ता उद्योग की क्षति संबंधी आराप स्वनिर्भर्त है। पाटनरोधी प्रक्रिया का उद्देश्य असक्षम ढांचे की रक्षा करना और पुरानी प्रौद्योगिकी एवं उत्पादन संयंत्रों को संरक्षण देना नहीं हो सकता है।

40. इंडियन कैमिकल मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन के विचार

प्लास्टिसाइजर उद्योग अर्थात् ऑक्सो अल्कोहल जिस पर कम मार्जिन है, की कच्ची सामग्री पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से प्लास्टिसाइजर की सभी विनिर्माण इकाईयां बन्द हो सकती थीं।

- 2 इकाईयों के बन्द होने के साथ ही मानदण्डों में परिवर्तन हुआ है। ऑक्सो अल्कोहल की घरेलू आपूर्ति मांग से काफी कम है।
- अन्य विनिर्माता उद्योग जैसे प्लास्टिसाइजर्स, थैलिक एन हाइड्राइड का गंभीर प्रभाव और ऑर्थोक्सीलीन जिसमें भारी निवेश और व्यापक जनशक्ति है, एक इकाई अर्थात् आंध्र पैट्रोकेमिकल्स का संरक्षण करते वक्त अव्यावहारिक है।
- प्लास्टिसाइजर की इकाईयां बन्द होने से आंध्र फार्मास्यूटिकल्स की दीर्घावधिक कार्यप्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा जो निश्चित रूप से इसके हित में नहीं है।
- थैलिक एनहाइड्राइड और ऑक्सो अल्कोहल से लेकर प्लास्टिसाइजर तक के मूल्यवर्धन के पार्जिन में किसी पाटनरोधी शुल्क की आवश्यकता नहीं है।
- पाटनरोधी शुल्क के मुद्दे की पुनः जांच होनी चाहिए और यह स्थानीय रूप से उत्पादि ऑक्सो अल्कोहल अर्थात् केवल एन बी ए, आई बी ए, 2 ई एच ए तक ही संबंधित होना चाहिए क्योंकि अन्य ऑक्सो अल्कोहल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारतीय अंतिम प्रयोक्ताओं को प्लास्टिसाइजर के अन्य ग्रेडों की उपलब्धता में कमी आएगी तथा ये इनके विशिष्ट बाजार हैं।
- अतः 2 ई एच ए, एन बी ए तथा आई बी ए से भिन्न ऑक्सो अल्कोहलों पर पाटनरोधी शुल्क तुरंत हटा दिया जाना चाहिए।
- निर्णय अतिशीघ्र लिया जाना चाहिए किन्तु इसे एक वर्ष से अधिक समय तक के लिए वेद नहीं होना चाहिए क्योंकि उद्योग की स्थिति अत्यधिक अविशील है।  
इस बीच उन देशों की मौजूदा सूची में कोई नया देश शामिल नहीं किया जाना चाहिए जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है।

41. ब्राजील की सरकार के विचार

- (i) प्रारंभिक जांच परिणामों की अधिसूचना में उपर्युक्त उत्पाद के निर्यातों को शामिल न करने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है जिनके लिए ऋणात्मक निर्धारण किया गया था। स्पष्टतः जांचाधीन उत्पाद की समग्रता पर विचार किया गया था। यह प्रक्रिया पाटनरोधी डब्ल्यू टी ओ करार के अनुरूप नहीं है।
- (ii) राष्ट्रीय उत्पादन के संबंध में आयातों में वृद्धि, बिक्री, उत्पादन, स्टॉक, रोजगार एवं वेतन जैसे क्षति संबंधी मापदण्डों का मूल्यांकन नहीं किया गया है।
- (iii) प्राधिकारी ने केवल उन संकेतकों पर विचार किया है जो नैकारात्मक रहे थे। प्राधिकारी को पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 13.4 में सूचीबद्ध समस्त संकेतकों का मूल्यांकन करना चाहिए ताकि स्वीकार्य निष्कर्ष पर पहुंचा जा सके।

42. मैसर्स एंजेनमोबिल कैमिकल इंटरनेशनल सर्विसिज़ लि. (ई एन सी आई एस) सिंगापुर के विचार

- (i) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 ख के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी को भारत में आई एन ए के आयात से हुई क्षति अथवा क्षति के खतरे के बारे में निष्कर्ष दर्ज करना चाहिए। यह पर्याप्त नहीं है कि समस्त ऑक्सो अल्कोहलों चाहें उनका भारत में उत्पादन किया गया हो अथवा भारत को निर्यात किया गया हो, को शामिल करते हुए क्षति का संचयी निष्कर्ष दर्ज किया जाए। प्राधिकारी को भारत में आई एन ए के पाटन द्वारा हुई क्षति अथवा उसके खतरे के बारे में सकारात्मक निष्कर्ष दर्ज करना चाहिए।
- (ii) जांचावधि के दौरान आयातों के अभाव में कोई क्षति नहीं हो सकती है। प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि वास्तविक क्षति का खतरा है, यह गलत है क्योंकि जांचावधि के दौरान सिंगापुर के आई एन ए का कोई निर्यात नहीं किया गया है। नियमों में निहित प्रावधान के तहत प्राधिकारी क्षति के खतरे का विश्लेषण करने के लिए तो सक्षम है किन्तु निर्यातों के खतरे का विश्लेषण करने के लिए सक्षम नहीं है। अतः सिंगापुर के आई एन ए

पर कोई शुल्क नहीं लगाया जा सकता है। इसके अलवा, याचिकाकर्ताओं ने आई एन ए के आयातों से क्षति के किसी खतरे का आरोप नहीं लगाया है जैसाकि याचिका के अगोपनीय अंश से देखा जा सकता है। क्षति के खतरे का निष्कर्ष अपर्याप्त और त्रुटिपूर्ण है।

### मैसर्स ससौल सॉल्वेंट लि. का दृष्टिकोण, दक्षिण अफ्रीका

रासायनिक आकलन दर्शाता है कि साबूटोल का सम्मिश्रण एनबीए/आईबीए कॉलम बॉटम की पुरानी सामग्री से अधिक सदृश है, जिसे एक याचिकाकर्ता ने औक्सो एल्कोहल स्लोप रेसिङ्चूल के रूप में वर्णित किया है और लगभग शुद्ध एनबीए/आईबीए की कीमत पर उसका विक्रय कर रहा है। चूंकि ये अपशिष्ट सामग्रियां हैं और प्रथम ग्रेड उत्पादन नहीं है, इसलिए याचिकाकर्ता सैबुटोल के आयात से क्षतिग्रस्त नहीं हो रहे हैं।

### 43. प्राधिकारी द्वारा की गई जांच

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस क्षति पर अपनी प्राथमिक जांच-परिणामों का अनुस्मरण किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने क्षति के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, संघों तथा घरेलू उद्योग के तर्कों की जांच की है।
- (ii) घरेलू उद्योग ने क्षति-निर्धारण से संबद्ध विभिन्न आर्थिक घटकों/सूचकों से संबंधित सूचना प्रस्तुत की है अर्थात् बिक्री में प्राकृतिक तथा संभावित कमी, लाभ, बाजार अंश, उत्पादकता, निवेश पर आय, क्षमता उपयोगिता, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले घटक, नकद प्रवाह पर प्रभाव, सूचियां, रोजगार, मजदूरी आदि। मैसर्स एन.ओ.सी.आई.एल. द्वारा इस जांच के आरंभ होने के परिणामस्वरूप उत्पादन रोकने के महेनजर, निर्दिष्ट प्राधिकारी दूसरे घरेलू उत्पादक अर्थात् मैसर्स आंध पेट्रोकेमिकल लि. के सदर्भ से घरेलू उद्योग को हो रही क्षति का आकलन कर रहा है।
- (iii) घरेलू उद्योग के लिए इसी प्रकार की वस्तु के लिए गैर-क्षतिग्रस्त कीमत निर्धारित करते समय, प्राधिकरण ने घरेलू उद्योग के लिए उत्पादन की अनुकूल लागत पर विचार किया

जो प्रासंगिक उत्कृष्ट खपत संबंधी मानदण्डों को ध्यान में रखेगी और उस जांच अवधि के दौरान, जो विचारार्थ उत्पाद के उत्पादन से संबंधित है, कच्चे माल की उस वास्तविक कीमत को भी ध्यान में रखेगी। इसके साथ-साथ, क्षति मार्जिन तक पहुंचने पर, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उचित बिक्री पर पहुंचने अथवा गैर-क्षतिग्रस्त कीमत के लिए अनुकूल क्षमता उपयोगिता को ध्यान में रखा है।

44. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विभिन्न क्षति संबंधी मानदण्डों का निम्नानुसार आकलन किया है:

आयात की मात्रा तथा संबद्ध देशों का अंश:

आयात(मी.टन)	1998-99	1999-00	अप्रैल जून, 01	2000- जून, 01	जांच वार्षिक	अवधि
संबद्ध देश	1788	5262	12014		9611	
अन्य देश	31215	30853	9806		7844	
कुल आयात	33003	36115	21820		17456	
आयात का बाजार अंश(%)						
संबद्ध देश	5.42	14.57	55.06		55.06	
अन्य देश	94.58	85.43	44.94		44.94	

मांग में बाजार अंश

आयात(मी.टन)	1998-99	1999-00	अप्रैल जून, 01(जांच अवधि)	2000- जून, 01(जांच अवधि)	जांच वार्षिक	अवधि

घरेलू उद्योग (मे. आंध पैट्रो)	27.08	31.55	42.76	42.76
अन्य उत्पादक	29.36	24.26	30.59	30.59
घरेलू उद्योग	56.344	55.81	73.36	73.36
संबद्ध देश	2.36	6.44	14.67	14.67
अन्य देश	41.20	37.75	11.97	11.97

### घरेलू उद्योग का उत्पादन व क्षमता उपयोगिता\*

	1998-99	1999-00	अप्रैल जून, 01 (जांच अवधि)	2000- 01 (जांच वार्षिक) अवधि
घरेलू उद्योग (मे. आंध पैट्रो)	100	90.35	184.59	134.15
क्षमता उपयोगिता	100	126.38	117	117

\* सूचीगत आंकड़े

### घरेलू उद्योग की विक्री\*

	1998-99	1999-00	अप्रैल जून, 01	2000- 01 जांच वार्षिक अवधि
घरेलू उद्योग (मे. आंध पैट्रो)	100	125.69	170.70	136.56

\* सूचीगत आंकड़े

#### 45. कीमतों में कटौती

पाटित आयातों की कीमतों पर प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, ऐसी जांच आवश्यक पाई गई कि क्या पाटित आयातों के कारण भारत में इसी प्रकार के आयातों की कीमतों की तुलना में कीमतों में महत्वपूर्ण कटौती हुई है अथवा ऐसे आयातों ने कीमतों पर किसी अन्य प्रकार से महत्वपूर्ण अंश तक दबाव बनाया है। प्राधिकरण ने जांच अधिक के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात के पहुँच मूल्य की तुलना शुद्ध बिक्री आय से की और पाया कि पाटित आयात के कारण मूल्यों में महत्वपूर्ण कटौती हुई है। आयात के पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की शुद्ध बिक्री आय की तुलना में सार्थक रूप से निम्न पाई गई।

#### मूल्य हास/दबाव

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जांच अधिक के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात के अवतरित मूल्य की तुलना गैर-क्षतिकारक कीमतों से की और पाया कि पाटित आयातों के कारण कीमतें विशेष रूप से प्रतिबंधित हो रहीं हैं। इन आयातों के अवतरित कीमतें घरेलू उद्योगों के गैर-क्षतिकारक कीमतों की तुलना में अत्यंत निम्न पाई गई हैं। इन आयातों से घरेलू उद्योग में कीमतों पर महत्वपूर्ण रूप से हासकारी/दबावयुक्त प्रभाव पड़ रहा है क्योंकि पाटित आयातों के मद्देनजर घरेलू उद्योग इनके विक्रय मूल्य को बढ़ाने में सक्षम नहीं हो पाया।

#### लाभप्रदता

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाया कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग अपनी विक्रय कीमतों को उत्पादन लागत से नीचे लाने के लिए विवश हो गया है। इसके परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता भारी घाटा सहन कर रहा है। एक याचिकाकर्ता कम्पनी मै. आंध्र पैट्रोकेमिकल्स लिमिटेड को वर्ष 2000-01 में \*\*\* लाख रुपए का घाटा हुआ, जैसा कि उनकी वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित है।

### नकदी पर वास्तविक व संभावित नकारात्मक प्रभाव

	1998-99	1999-00	अप्रैल 01(जांच अवधि)	2000-जून,
नकद प्रवाह	100	363.71	192.16	
नकद घाटे	-100	-51.84	-0.25	

\* सूचीगत आंकड़े

### सूचियां (तैयार सामानों के अंतिम स्टॉक)

	1998-99	1999-00	अप्रैल 01(जांच अवधि)	2000-जून,
अंतिम स्टॉक	100	126.24	32.64	

\* सूचीगत आंकड़े

### रोजगार व मजदूरियां

	1998-99	1999-00	अप्रैल 01(जांच अवधि)	2000-जून,
रोजगार	100	100	98.63	
मजदूरियां	100	107.66	111.02	

\* सूचीगत आंकड़े

### पूँजी निवेशों को बढ़ाने की क्षमता

कंपनी को एक के बाद एक स्रोतों से पॉटन के कारण उत्पादन आरंभ करने से लेकर घाटा हो रहा है। कंपनी को वित्तीय संस्थानों को अपने ऋण अदा करने में कठिनाई हो रही है।

### **46. क्षति पर निष्कर्ष**

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले विभिन्न क्षति संबंधी मानदंडों के संबंध में पूर्वांक्त से निम्नलिखित निष्कर्ष निकाले हैं:

- (क) संबद्ध देशों से आयातों में वास्तव में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है।

- (ख) भारत में ऐसाईक्लिक एल्कोहलों के कुल आयातों के संबंध में संबद्ध देशों से हुए आयातों में बढ़ोतरी हुई है ।
- (ग) भारत में ऑक्सो एल्कोहल की मांग के संबद्ध देशों के हुए आयातों में बढ़ोतरी हुई है ।
- (घ) जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है ।
- (ड) जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है ।
- (च) जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मांग के बाजार अंश में बढ़ोतरी हुई है ।
- (छ) संबद्ध देशों से हुए आयातों से घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्यों में महत्वपूर्ण रूप से कटौती हुई है ।
- (ज) घरेलू उद्योग को मूल्य हास/दबाव सहना पड़ा है क्योंकि यह क्षतिपूर्ति के स्तर तक अपनी बिक्री कीमतें नहीं बढ़ा सका ।
- (झ) घरेलू उद्योग ने उत्पादित व बिके हुए ऑक्सो एल्कोहल की सभी तीनों किस्मों के प्रति इकाई बिक्री मूल्य में घाटा सहा है ।
- (ज) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता को घोर क्षय हुआ है इसके परिणामस्वरूप वित्तीय घाटे हुए हैं ।
- (ट) निवेश पर आय नकारात्मक रही ।
- (ठ) वर्ष 1999-2000 के दौरान घरेलू उद्योग के नकद प्रवाव की स्थिति कुछ सीमा तक सुधरी थी परन्तु जांच अवधि के दौरान यह पुनः खराब हो गई ।
- (ड) जांच अवधि के दौरान अंतिम स्टॉक का स्तर घटा ।
- (ढ) रोजगार स्तर तथा मजदूरी भुगतान पर किसी प्रकार का विशेष प्रभाव नहीं पड़ा ।
- (ण) याचिकाकर्ता कंपनी पूंजीगत निवेश के लिए निधियों को बढ़ाने की स्थिति में नहीं है क्योंकि वे घाटे में चल रही हैं ।
४७. उपर्युक्त सभी तथ्यों की जांच के पश्चात्, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में महत्वपूर्ण सार्थक बढ़ोतरी, कीमतों में कटौती तथा कीमतों की अवरुद्धता के कारण भरपूर क्षति हुई है । पाटित

आयातों के कीमत प्रभाव के कारण कंपनी ने वित्तीय घाटे सहे हैं। घरेलू उद्योग पूँजी निवेश के लिए निधियों बढ़ाने में सक्षम नहीं हुई और नकद घाटे सहना जारी रहा और निवेश पर नकारात्मक प्राप्ति हुई। निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह भी विचार है कि कुछ मानदण्डों में सुधार हुआ अर्थात् अन्य स्रोतों से इन आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के कारण उत्पादन व विक्री समव हुई।

48. प्राधिकारी जांच अवधि के बाद आइसो नोनानोल के अत्यधिक आयातों कारण वास्तविक क्षति के खतरे के बारे में प्रारंभिक जांच परिणामों का स्मरण करते हैं। प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों के उत्तर में हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए विभिन्न तर्कों पर ध्यान दिया है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि जांच अवधि के दौरान आइसो नोनानोल के प्राटन का कोई साक्ष्य नहीं है। नियमों के अनुबंध ॥ के पैरा (vii) में निम्नानुसार निर्धारित है :-

"(vii) वास्तविक क्षति के खतरे का निर्धारण तथ्यों पर आधारित होगा और न केवल आरोपों, अटकलबाजियों या परोक्ष संभावना पर। परिस्थितियों में बदलाव, जो ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है जिसमें पाटन से क्षति होती हो, स्पष्ट तौर पर पहले से ही जान लेना चाहिए और यह अटल होता है। वास्तविक क्षति के खतरे की भौजूदगी के संबंध में निर्धारण करते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी अन्य बातों के साथ-साथ निम्न कारकों पर विचार करेगा :

(क) पाटिल वस्तुओं के महत्वपूर्ण वृद्धि जिससे यह संभावना हो कि ऐसे आयात और अधिक मात्रा में होंगे;

(ख) भारत में पाटित आयातों की एक महत्वपूर्ण वृद्धि अर जो पर्याप्त वृद्धि कोई अतिरिक्त निर्यातों को खपानी के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भारतीय बाजार के पर्याप्त रूप से बढ़े हुए निर्यातों की संभावना को प्रदर्शित करती है;

(ग) क्या आयात उन कीमतों पर किए गए हैं जिनसे घरेलू कीमतों पर महत्वपूर्ण दबाव या नियत्रित प्रभाव पड़ेगा और इससे आगे की आयातों की मांग में वृद्धि की संभावना होगी;

(घ) वस्तुओं के स्टॉक की जांच की जा रही है।<sup>1</sup> प्राधिकारी का विचार है कि जांच अवधि के दौरान आइसो नोनानोल के प्राटन का कोई साक्ष्य नहीं है और प्राधिकारी के समझ नियमों की उपर्युक्त अपेक्षाओं के अनुसार पर्याप्त

औचित्य प्रसतुत नहीं किया गया है इसलिए जांच अवधि के बाद आइसो नोनानोल के आरोपित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक खतरे की अंततः पुष्टि नहीं हुई है। अतः आइसो नोनानोल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के बारे में प्रारंभिक जांच परिणामों में व्यक्त विचार के बावजूद प्राधिकारी इस समय आइसो नोनानोल पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने के पक्ष में नहीं हैं।

(ङ) कारणात्मक संबंध

49. घरेलू उद्योग पर पाटित आयात के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पॉटन रोधी नियमों के अनुबंध 2 के सिद्धांत (V) के अनुसरण में पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की है।
50. संबद्ध देशों से पॉटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई भरपूर क्षति को निर्धारित करने के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह सुनिश्चित किया कि संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में बढ़ोतरी ने यांचिकाकर्ता के बाजार अंश को कम किया है। संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों की बढ़ोतरी का प्रभाव घरेलू उत्पाद की कीमतों में कटौती के रूप में रहा था, जिससे घरेलू उद्योग अपनी उचित बिक्री कीमतों से कम पर विक्रय करने को विवश रहा। इसके परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग अपनी उचित कीमतों की प्राप्ति की स्थिति में नहीं था और इस कारण घाटे हुए। इसलिए घरेलू उद्योग को संबद्ध से पाटित आयातों के कारण भरपूर क्षति हुई। घरेलू उद्योग को यह क्षति संबद्ध देशों से इस प्रकार की वस्तुओं को पाटित आयात का परिणाम है।
51. "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर यह पाया गया कि "अन्य देशों" से संबद्ध सामानों के आयात जांच अवधि के दौरान न्यूनतम स्तर से कम रहे हैं।

52. मांग में कमी स्पष्ट नहीं है और उद्योग में किसी प्रकार का प्रौद्योगिकीय विकास अथवा किसी अन्य प्रकार का अन्य ऐसा घटक नहीं हुआ, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सके।

(च) भारतीय उद्योग के हित

53. पाटन रोधी शुल्क का प्रयोजन, सामान्यता उस पाटन को समाप्त करने के लिए है जो घरेलू उद्योग की क्षति का कारण है और भारतीय बाजार में खुले और उपयुक्त स्पर्धा की स्थिति पुनर्स्थापित करने के लिए है, यह देश के सामान्य हित में है।

54. प्राधिकारी ने पाया कि पाटनरोधी शुल्क लागू करने का प्रभाव संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण में प्रयोग किए जाने वाले उत्पादों का मूल्य स्तर पड़ सकता है और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की संबद्ध प्रतिस्पर्धात्मकता पर भी कुछ प्रभाव डाल सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार की उचित प्रतिस्पर्धात्मकता नहीं घटेगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लागू करने से पाटन संबंधी कार्रवाईयों द्वारा प्राप्त किए जा रहे अनुचित लाभ समाप्त हो जाएंगे, यह घरेलू उद्योग की गिरावट को रोकेगा तथा संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं की विस्तृत इच्छा की क्षमता को बनाए रखने में सहायक होगा। प्राधिकारी ने नोट किया कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से होने वाले आयातों पर प्रतिबंध नहीं लगेगा, और इसलिए, उपभोक्ताओं के लिए उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगा।

निष्कर्ष

55. प्राधिकारी ने पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात इस निष्कर्ष पर पहुंचे:

- (i) एसाईलिक एल्कोहल (औक्सो एल्कोहल), अर्थात् नार्मल बुनाटोन (एनबीए), २ इथाईल हैक्सोनोल (२ ईएचए), आईसो बुटानोल (आईबीए), सबुटोल तथा

औक्टोनाल को संबद्ध देशों से उनकी सामान्य कीमत से कम पर भारत में निर्यातित किया जा रहा है;

- (ii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है;
- (iii) संबद्ध देशों से संचित आयातों के कारण संचित रूप में वास्तविक क्षति हो रही है।

56. एसाईलिक एल्कोहल (ऑक्सो एल्कोहल) की किस्मों पर समरूप वस्तुओं में उन किस्मों सहित निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाने पर विचार किया गया है जहां भी जाँच अधिक के दौरान इन विशिष्ट किस्मों अथवा इन जैसी वस्तुओं की तरह की अन्य किस्मों का पाटन होने का प्रमाण हो। तदनुसार, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए संबद्ध देशों से एसाईलिक एल्कोहल की निम्नलिखित रूपों/किस्मों के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है :

नार्मल बुनाटोन (एनबीए), 2 इथाईल हेक्सोनोल (2 ईएचए), आईसो बुटानोल (आईबीए), सबुटोल तथा औक्टोनाल

57. पाटनरोधी शुल्क को पाटन के मार्जिन के समान या उससे कम तक की राशि की सिफारिश करने का निर्णय लिया गया, जिसे यदि लागू किया जाता है तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त कर देगा (नियम 4 खण्ड (घ) उपर्युक्त संशोधनानुसार)। जाँच की अधिक के लिए निर्धारित आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की गैर क्षतिपूर्ण कीमतों के साथ भी की गई। तदनुसार, यह प्रस्ताव किया गया कि संबद्ध देशों में उत्पादित अथवा से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं पर लागू निश्चित पाटनरोधी शुल्कों को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची 1 के शीर्ष 2905 के तहत हटाया जा रहा है। पाटनरोधी शुल्क निम्न तालिका के कॉलम संख्या 9 में अमरीकी डॉलर प्रति मीट्रीक टन में उल्लिखित राशि होगी।

क्र. सं.	उपशीर्ष	उत्पाद का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की मुद्रा	इकाई
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	290513	एसाईलिक एल्कोहल	एन बुटानोल (एनबीए)	ब्राजील	रूमानिया, मलेशिया दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	सीकिंचन	सीकिंचन	140.77	मी टन	अमरीकी डालर
2.	290514	एसाईलिक एल्कोहल	आईसो बुटानोल (आईबीए)	ब्राजील	रूमानिया, मलेशिया दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	सीकिंचन	सीकिंचन	130.25	मी टन	अमरीकी डालर
3.	290516 290519	एसाईलिक एल्कोहल	2 ईथाइल हेक्सानोल (2 ईएचए) और औक्टोनोल	ब्राजील	रूमानिया, मलेशिया दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	सीकिंचन	सीकिंचन	110.72	मी टन	अमरीकी डालर
4.	290513	एसाईलिफ एल्कोहल	एन बुटानोल (एनबीए)	ब्राजील	रूमानिया, मलेशिया दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	सीकिंचन के अतिरिक्त अन्य कोई उत्पादक	सीकिंचन के अतिरिक्त अन्य कोई उत्पादक	178.59	मी टन	अमरीकी डालर
5.	290514	एसाईलिक एल्कोहल	आईसो बुटानोल (आईबीए)	ब्राजील	रूमानिया, मलेशिया दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	सीकिंचन के अतिरिक्त अन्य कोई उत्पादक	सीकिंचन के अतिरिक्त अन्य कोई उत्पादक	130.25	मी टन	अमरीकी डालर

6.	290516 290519	एसाईलिक एल्कोहल	2 ईथाईल हेक्सानोल (2 ईएचए)	ब्राजील	रूमानिया, मलेशिया, दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	सीविचन के सीविचन के अतिरिक्त <sup>1</sup> अन्य कोई उत्पादक नियांतक	मी टन 144.35	मी टन 178.59	मी टन 130.25	मी टन 122.65	मी टन 144.35	मी टन 122.65
7.	290513	एसाईलिक एल्कोहल	एन बुटानोल (एनबीए)	कोई देश	ब्राजील	कोई उत्पादक	कोई नियांतक	कोई उत्पादक	कोई नियांतक	कोई उत्पादक	कोई नियांतक	मी टन 144.35
8.	290514	एसाईलिक एल्कोहल	आई बुटानोल (आईबीए)	सो	कोई देश	ब्राजील	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	मी टन 144.35
9.	290516 290519	एसाईलिक एल्कोहल	2 ईथाईल हेक्सानोल (2 ईएचए) और ओक्टोनोल	कोई देश	ब्राजील	कोई उत्पादक	कोई नियांतक	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	मी टन 144.35
10.	290513	एसाईलिक एल्कोहल	एन बुटानोल (एनबीए)	रूमानिया	ब्राजील दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	मलेशिया ओल्टाचिम	ओल्टाचिम	ओल्टाचिम	ओल्टाचिम	ओल्टाचिम	ओल्टाचिम	मी टन 122.65
11.	290514	एसाईलिक एल्कोहल	आई बुटानोल (आईबीए)	सो	रूमानिया दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	मलेशिया ओल्टाचिम	ओल्टाचिम	ओल्टाचिम	ओल्टाचिम	ओल्टाचिम	ओल्टाचिम	मी टन 144.35

				मी टन	अमरीकी डालर
12	290516	एसाईलिक एल्कोहल	2 ईथाईल रूमानिया ब्राजील मर्सेशिया आल्टाचिम हेक्सानोल (2 ईएचए) और सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश और ऑक्टोनोल	122.65	
13	290513	एसाईलिक एल्कोहल	एन बुटानोल (एनबीए)	203.65	
14	290514	एसाईलिक एल्कोहल	आई सो बुटानोल (आईबीए)		
15	290516 290519	एसाईलिक एल्कोहल	2 ईथाईल हेक्सानोल (2 ईएचए) और ऑक्टानोल	203.65	
16	290513	एसाईलिक एल्कोहल	एन बुटानोल (एनबीए)		
17	290514	एसाईलिक एल्कोहल	आई सो बुटानोल (आईबीए)	203.65	

18.	290516 290519	एसाईलिक एल्कोहल	2 हेक्टानोल (2 ईएचए)	ईथाईल कोइं देश रुमनिया कोइं देश रुमनिया	कोइं उत्पादक नियातक	कोइं वीएसएफ पेट्रोनास रसायन	मी टन 203.65	मी टन अमरीकी डालर
19.	290514	एसाईलिक एल्कोहल	आईसो बुटानोल (आईबीए)	मलेशिया ब्राजील दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोइं अन्य देश	ब्राजील दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोइं अन्य देश	बीएसएफ पेट्रोनास रसायन	44.64	मी टन अमरीकी डालर
20.	290516 290519	एसाईलिक एल्कोहल	2 हेक्टानोल (2 ईएचए) और ओबटानोल	मलेशिया ब्राजील दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोइं अन्य देश	ब्राजील दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोइं अन्य देश	बीएसएफ पेट्रोनास रसायन	44.64	मी टन अमरीकी डालर
21.	290514	एसाईलिक एल्कोहल	आईसो बुटानोल (आईबीए)	मलेशिया ब्राजील दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोइं अन्य देश	ब्राजील दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोइं अन्य देश	बीएसएफ पेट्रोनास रसायन के अतिरिक्त <sup>1</sup> अन्य कोई उत्पादक	48.12	मी टन अमरीकी डालर
22.	290516 290519	एसाईलिक एल्कोहल	2 हेक्टानोल (2 ईएचए) और ओबटानोल	मलेशिया ब्राजील दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोइं अन्य देश	ब्राजील दक्षिणी अफ्रीका और सिंगापुर के अलावा कोइं अन्य देश	बीएसएफ पेट्रोनास रसायन के अतिरिक्त <sup>1</sup> अन्य कोई उत्पादक	48.12	मी टन अमरीकी डालर

			कोई देश मलेशिया	कोई देश मलेशिया	उत्पादक	नियांतक	कोई देश मलेशिया	मीटन अमरीकी
23	290514	एसाईलिक एल्कोहल	आईसो बुटानोल (आईबीए)	कोई देश मलेशिया	उत्पादक	नियांतक	48.12	मीटन अमरीकी
24.	290516 290519	एसाईलिक एल्कोहल	2 ईथाईल हेक्सानोल (2 ईरचर) और ओवटानोल	कोई देश मलेशिया	उत्पादक	कोई नियांतक	48.12	मीटन अमरीकी डालर
25	290514	एसाईलिक एल्कोहल	आईसो बुटानोल (आईबीए)	दक्षिण अफ्रीका	ब्राजील मलेशिया सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	रूमानिया और सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	कोई नियांतक	260.52 मीटन अमरीकी डालर
26	290514	एसाईलिक एल्कोहल	साबुटोल	दक्षिण अफ्रीका	ब्राजील मलेशिया और सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	रूमानिया सालवेटस सासाल	68.79 मीटन अमरीकी डालर	मीटन अमरीकी डालर
27.	290516 290519	एसाईलिक एल्कोहल	2 ईथाईल हेक्सानोल (2 ईरचर) और ओवटानोल	ब्राजील मलेशिया सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	रूमानिया और सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	कोई नियांतक	260.52 मीटन अमरीकी डालर	मीटन अमरीकी डालर
28	290514	एसाईलिक एल्कोहल	आईसो बुटानोल (आईबीए)	दक्षिण अफ्रीका	ब्राजील सिंगापुर के अलावा कोई अन्य अलादा कोई देश	रूमानिया, मलेशिया सासाल के सालवेट के अलावा कोई अलादा कोई देश	सासाल सालवेट के सालवेट कोई अलावा उत्पादक नियांतक	260.52 मीटन अमरीकी डालर

22	290514	एसाईलिक एल्कोहल	साबुटोल	दक्षिणी अफ्रीका	ब्राजील सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	मूलशिया, मूलशिया सासोल सालवेट के अलावा कोई उत्पादक	सासोल सालवेट के अलावा कोई उत्पादक	सासोल सालवेट के अलावा कोई उत्पादक	मी. टन	अमरीकी डालर
30	290516	एसाईलिक एल्कोहल	2 ईथाइल हेक्सानोल (2 ईएचए) और ओक्टानोल	दक्षिणी अफ्रीका	ब्राजील सिंगापुर के अलावा कोई अन्य देश	मूलशिया, मूलशिया सासोल सालवेट के अलावा कोई उत्पादक	सासोल सालवेट के अलावा कोई उत्पादक	सासोल सालवेट के अलावा कोई उत्पादक	मी. टन	अमरीकी डालर
31.	290514	एसाईलिक एल्कोहल	आईसो बुटानोल (एनबीए)	कोई देश	दक्षिणी अफ्रीका	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	मी. टन	अमरीकी डालर
32	290514	एसाईलिक एल्कोहल	आई बुटानोल (आईबीए)	कोई देश	दक्षिणी अफ्रीका	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	मी. टन	अमरीकी डालर
33	290516	एसाईलिक एल्कोहल	2 ईथाइल हेक्सानोल (2 ईएचए) और ओक्टानोल	दक्षिणी अफ्रीका	दक्षिणी अफ्रीका	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	मी. टन	अमरीकी डालर
34.	290513	एसाईलिक एल्कोहल	एन बुटानोल (एनबीए)	सिंगापुर	ब्राजील सूमानिया, मूलशिया दक्षिणी अफ्रीका के अलावा कोई अन्य देश	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	कोई उत्पादक	मी. टन	अमरीकी डालर

35.	290516 290519	एसाईलिक एल्कोहल	2 हेव्सानोल (2 ईरचए) और ओव्सानोल	ईथाईल सिंगापुर मलेशिया अफ्रीका के अलावा कोई अन्य देश	ब्राजील दक्षिणी उत्पादक	कोई नियांतक	210.98	मीटन	अमरीकी डालर
36.	290513	एसाईलिक एल्कोहल	एन ब्रूटानोल (एनबीए)	कोई देश सिंगापुर	कोई उत्पादक	कोई नियांतक	161.16	मीटन	अमरीकी डालर
37.	290516 290519	एसाईलिक एल्कोहल	2 हेव्सानोल (2 ईरचए) और ओव्सानोल	ईथाईल हेव्सानोल (2 ईरचए) और ओव्सानोल	कोई उत्पादक	कोई नियांतक	210.98	मीटन	अमरीकी डालर

58. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9ख के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के शुल्क शामिल होंगे ।
59. उपर्युक्त के अधीन रहते हुए, प्राधिकारी 29 जुलाई 2002 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं ।
60. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील उक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की सकेगी ।

एल. बी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 29th July, 2003

**FINAL FINDINGS**

**Subject :—Anti-dumping investigation concerning Imports of certain types of Acyclic Alcohols originating in or exported from Singapore, Brazil, Romania, Malaysia and South Africa into India.**

No. 63/1/2001-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

**A. PROCEDURE:**

2. The procedure described below has been followed with regard to the investigations:-
  - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s. National Organic Chemicals Industries Ltd., (NOCIL), Mumbai and M/s. Andhra Petrochemicals Ltd., Hyderabad on behalf of the domestic industry, alleging dumping of certain types of Acyclic Alcohols originating in and exported from Singapore, Brazil, Romania, Malaysia and South Africa (hereinafter referred to as subject countries) ;
  - ii) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioners;
  - iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the Petitioner decided to initiate investigations against alleged dumped imports of certain types of Acyclic Alcohols originating in and exported from Singapore, Brazil, Romania, Malaysia and South Africa. The Authority notified the Embassies of the subject countries about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate investigations in accordance with sub rule 5(5) of the Rules;

- iv) The Authority issued a Public Notice dated 31<sup>st</sup> January, 2002, published in the Gazette of India Extraordinary initiating anti-dumping investigations concerning imports of certain types of Acyclic Alcohols originating in or exported from Singapore, Brazil, Romania, Malaysia and South Africa into India being cleared under Sub-heading 2905.13, 2905.14, 2905.16, 2905.17 and 2905.19 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975.
- v) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers, industry associations (whose details were made available by the petitioner) and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- vi) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of subject goods;
- vii) The Authority provided copies of the non-confidential version of the Petition to the known exporters and the Embassies of the subject countries in accordance with Rule 6(3) supra;
- viii) The Embassies of the subject countries were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to them;
- ix) A questionnaire was sent to the known importers/users (as per details in the preliminary findings) of Acyclic Alcohols in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);
- (x) The Authority notified preliminary findings vide notification dated 29<sup>th</sup> July, 2002 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
- (xi) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassies/ High Commission of subject countries in India with a request that the exporters/ producers of subject goods and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings in the time frame as stipulated above;
- (xii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to all the known exporters (whose details were made available by the Petitioner) other exporters who responded to the initiation notification, importers and user industry association in India and they were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days from the date of the letter;

- (xiii) The Authority provided an opportunity to the interested parties to present their views orally in two public hearings held on 7<sup>th</sup> October, 2002 and 4<sup>th</sup> April, 2003. All parties presenting views were requested to file written submissions of their views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
- (xiv) The Authority made available to all interested parties the public file containing non-confidential version of evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request as per Rule 6(7);
- (xv) Arguments made by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties subsequently have been appropriately dealt in the disclosure statement and these findings;
- xvi) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 23<sup>rd</sup> May, 2003 vide a disclosure statement and comments received on the same have also been duly considered in these findings;
- (xvii) Cost investigations including spot verification (as deemed necessary) of the domestic industry were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the Petitioner.
- (xviii) The Authority conducted on the spot verification of information furnished by the exporters M/s BASF Petronas Chemicals, Malaysia and M/s OLTCHIM, Romania;
- (xix) \*\*\* in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- (xx) The investigation covered the period from 1<sup>st</sup> April, 2000 to 30<sup>th</sup> June, 2001(15 months).
- (xi) Copies of the Initiation notice and Preliminary Findings were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc., for wider circulation.

## B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY.

3. The views expressed by various interested parties have been discussed in the preliminary findings and also in the disclosure statement. The views which have not been discussed earlier in the preliminary findings and disclosure statement and those now raised in response to the disclosure statement are discussed in the relevant paragraphs herein below to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in the relevant paragraphs herein below.

4. At the Preliminary Findings stage responses had been received from the following:

### Exporters: -

M/S. Oltchim, S.A. Rm. Valcea.  
Romania.

M/S. Basf Petronas Chemicals Sdn, Bhd,  
Malaysia.

M/S. Sasol Chemical Industries Ltd.,  
South Africa.

M/S. Ciquine Cia. Petroquimica,  
Brazil.

### Importers & Users (including Associations)

KLJ Plasticisers,  
New Delhi.

KLJ Polymers & Chemicals Ltd.,  
New Delhi.

PCL Oil & Solvents Limited,  
New Delhi – 110 001.

Silvassa Plast,  
New Delhi.

Indo Nippon Chemical Company Ltd.,  
Mumbai – 400 020.

**API Industrial Corporation,  
Daman.**

**N.K. Polymers & Additives Manufacturing Company,  
Daman.**

**Vikas Organics Pvt. Ltd.,  
New Delhi – 110 026.**

**M/s. Payal Polymers,  
Daman.**

**M/s. Rachna Plasticizers,  
Silvassa.**

**Indian Plasticizers Manufacturers Association  
New Delhi – 110 015.**

**M/s. Lubrizol India Pvt. Ltd.  
Mumbai.**

The submissions made by various interested parties had been dealt with in the preliminary findings and these are not being repeated here for the sake of brevity.

##### **5. Product under consideration and Like Article :**

The product under consideration as per the Initiation Notification is following types of Acyclic alcohols and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives (commonly known as 'Oxo Alcohols'):

- (i) Normal Butanol (NBA) or N-Butyl Alcohol, Butan-1-01,
- (ii) 2-Ethyl Hexanol (2-EHA)
- (iii) Iso Butanol (IBA) or Butan -2-o1
- (iv) Sabutol
- (v) Hexanol
- (vi) Haptanol
- (vii) Octanol and Iso Octanol
- (viii) Nonanol and Iso Nonanol
- (ix) Decanol and Iso Decanol
- (x) Mixtures of above.

The above Acyclic Alcohols are classified under the sub-headings 2905.13, 2905.14, 2905.16, 2905.17 and 2905.19 of Heading 29.05 of Schedule I of Customs Tariff Classification. These Custom classifications are however,

indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.

The issue of Product under Consideration and Like Article was extensively dealt with by the Authority in the Preliminary Findings and the Authority had restricted its recommendations to the following types of Oxo Alcohols :

Normal Butanol (NBA) ,2-Ethyl Hexanol (2-EHA), Iso Butanol (IBA), Sabutol, Octanol and Iso Octanol, Nonanol and Iso Nonanol.

6. Subsequent to the Preliminary Findings, following arguments have been made as regards Product under Consideration and Like Article :

(a) M/s Sasol Chemical Industries Pty Ltd., South Africa have made following arguments :

- (i) The petitioners only manufacture IBA, NBA and 2-EHA.
- (ii) By using product type theory, a severe miscarriage of justice is being carried out as the petitioner does not manufacture the other Oxo Alcohols which find different and distinct applications.
- (iii) On the facts of this case, the chemical composition of each type of Oxo Alcohols vastly differs from a chain of 4 to a Carbon chain 10. By the petitioners own admission an elaborate chart identifying the differences in each type of Oxo Alcohols was prepared and annexed with the non-confidential version of the petition.
- (iv) Only part of the Oxo Alcohols go for the manufacture of plasticizers. The resultant plasticizers viz. DOP and DINP are different. Therefore, the same product type theory is misapplied in this case.
- (v) The product switch theory argued by the petitioner is too simplistic. The fact that product may be used interchangeably might have an impact on the injury analysis, but certainly cannot be the basis of determining the product under consideration. It must be restricted to what is produced by the domestic industry or in the absence of an identical product, an article which has characteristics closely resembling the product under consideration. This is mandated by the WTO rules and the Indian Law.
- (vi) It must be clarified that Sabutol is a proprietary formulation unique to M/s Sasol and is not an Oxo Alcohol like IBA or NBA.

- (vii) Sabutol is not an Oxo Alcohol, nor is it "commercially and technically" substitutable to IBA or NBA.
- (viii) Sabutol is not produced by using an olefin, but by the Fischer-Tropsch process from coal.
- (ix) Sabutol is different to n-butanol since it is an impure product containing various higher carbon number isomers and is produced as a consequence of the Fischer-Tropsch process from coal.
- (x) Although Sabutol can also be derivatised in the same way as n-butanol it reacts at a different rate, therefore has different reaction kinetics and process requirements during derivatisation and the end-products from it are also vastly different from those made from n-butanol, iso-butanol and 2-EHA or other Oxo Alcohols.
- (xi) Sabutol has a totally different consistency to any of these products since it is a fatally produced mixture of various alcohol isomers which give it totally different properties to the other Oxo Alcohols.
- (xii) The traditional use of Sabutol is not to manufacture plasticizers. If at all any use of Sabutol for purposes of plasticizers is a recent development. In fact, Plasticizers made from Sabutol do not have the traditional plasticizing efficiency to plasticizers such as DOP, DBP and DIBP which are manufactured from 99% pure 2EHA, 99% pure NBA and 99% pure IBA respectively and thus the application of Sabutol Plasticizers are limited. Rather than General Purpose Plasticizers, the consumers recognize Sabutol Plasticizers as plasticizers with no specifications.
- (xiii) Whereas Isobutyl alcohol (IBA) and n-butanol (NBA) each are 99% pure single isomer of a specific alcohol each of which have a specific chemical formula, Sabutol is a naturally arising mixture of very diverse isomers of alcohols, each of which has their own separate and unique chemical formulae.
- (xiv) The carbon chain length of Sabutol is the single most important parameter which distinguishes Sabutol from IBA and NBA.
- (xv) Sabutol which has a n-butanol content ranging from 65 to 69%, isobutyl alcohol content ranging from 5% to 12% and secondary Pentanol content ranging from 15 to 20%. It is prima facie apparent that 99% pure IBA, 99% pure NBA and 99% pure 2EHA can never be considered products comparable to sabutol which has such high concentration of secondary and tertiary pentanols.

- (xvi) Sabutol inter alia contains both IBA and NBA. However, neither IBA nor NBA can be extracted from Sabutol. Thus its functionality cannot be compared to pure IBA and NBA.
- (xvii) The Designated Authority has looked at the distillation and specific gravity of Sabutol vis-à-vis NBA and it concluded that Sabutol has features that closely resemble the product under consideration. Besides these two parameters, there are several other parameters that go into the selection criteria for an Oxo Alcohol and its substitutes which are also vital.
- (xviii) The import of Sabutol under common ITC classification cannot be deciding factor for determining Sabutol as Like Article.
- (xix) Assuming without admitting that Sabutol is like article to the oxo alcohols being manufactured by the petitioner, there can certainly be no doubt that the composition and selling price is more akin to seconds material. This category is not capable of causing injury to the pure alcohols being manufactured in the country.
- (xx) There have been no exports of IBA / NBA from South Africa during the POI which has been confirmed by a letter from the Board of Tariffs and Trade, South Africa. There is no basis in law to impose anti dumping duty on items which have not been exported to India during the POI. The contention of the petitioner to impose duties once for and all for all types of oxo alcohols, their like articles and mixtures thereof, is without basis in Anti dumping Law and Practice. The Designated Authority has recommended duty on all oxo alcohols, including those which have never been exported or manufactured in South Africa. This is contrary to the provision of Section 9 (A) of Customs Tariff Act.
- (xxi) The Like Article analysis completely disregard the various end-uses of plasticizers which range from shoe soles to artificial leather.
- (xxii) The *ratio decidendi* of the Hon'ble CEGAT is being misapplied by the petitioner. The CEGAT requires the Designated Authority to reach a conclusion based on scientific fact and principles that the imported product is like article to the domestically produced material.
- (xxiii) Plasticizers when made out of Sabutol do not have identical plasticizing efficiency to plasticizers such as DOP / DBP and DIDP which are made out 99% pure 2EHA / NBA /IBA. This severely restricts possible use to which Sabutol based plasticizers can be

used and places them at a disadvantage vis-à-vis plasticizers made from 2EHA, NBA and IBA.

- (xxiv) The starting point for any investigation is the product manufactured by the domestic industry. As a pre-condition for a product to be included within the scope of the investigation, the US ITC requires that there exists a domestic industry which manufactures a Like Product or the Product under Consideration to that which is being imported similar to what is practiced and followed by the Designated Authority under the Indian anti dumping rules.
- (xxv) The petitioner has been unsuccessful in showing that the other alcohols are Like Article to the alcohols manufactured by them. The parameters relied upon by the petitioner and followed by the Hon'ble Designated Authority in the preliminary findings are wholly simplistic and have no basis in the laws of chemistry.
- (xxvi) The product switch theory propounded by the petitioners is completely irrelevant within the factual matrix of this case. The analogy of the red and blue automobiles is totally out of place as both the red and the blue products are identical and thus Like Article, barring the colour.
- (xxvii) In the case of other investigations relied upon by the petitioner in support of their claim, the various product types have identical chemical properties. The petitioner has neglected the vital fact that each of the product type listed above are manufactured from the same plant resulting in chemically identical products. Clearly, this is no so for the various different oxo alcohols that are being investigated in these proceedings.

**(b) M/s Indian Plasticizers Manufacturers Association (IPMA) and M/s Lubrizol India Ltd have made following arguments :**

- i) Contrary to Section 9A(1) and 9A(2), Rules 4(1)(d) and 13, anti-dumping duty has been imposed on articles that had not even been imported (no export price available) and when there was no margin of dumping.
  - a) There was no margin of dumping in respect of Nonanol, Iso Nonanol, Octanol and Iso Octanol from all the five countries, NBA & IBA from Romania and 2-EHA from South Africa.
  - b) Anti-dumping duty determined for 2 – EHA has been illegally adopted in respect of all cases where there was no dumping margin.

ii) Contrary to Rule 5, the authority has initiated the action where there is no prima facie proof of dumping

- a) Petition did not contain any proof of dumping in respect of (a) NBA from South Africa and (b) IBA from Malaysia and Singapore. On the contrary, the Petition admitted that NBA from SA and IBA from Malaysia & Singapore are not dumped.
- b) Provisional duty cannot be levied when initiation did not meet all the legal requirements.

iii) Contrary to Rule 2(d), a number of alcohols that had not been imported into India have been included within the scope of the 'product under investigation'.

iv) Contrary to Rule 2(d), a number of alcohols have been wrongly held to be 'like articles' in view of the following :

- a) Nonanol, Iso Nonanol, Octanol, Iso Octanol and Sabutol fail both the tests of 'identical or alike in all respects' and 'closely resembling characteristics'
- b) Contrary to what is stated in paragraph 6.11 of the preliminary finding no technical evidence appears to have been submitted by the domestic industry
- c) Decisions of CEGAT act as res judicata on the authority

v) In determining Like Article, one should first ask the question : 'Like Article to what?' To answer this question, one should look at the definition of Like Article in Rule 2(d). Thus to determine Like Article, we should first consider the Article under investigation and thereafter look for a Like Article i.e. an Article which is alike in all respects to the Article under investigation. The second question is to examine what is the article under investigation. In the Rule 2(d), the phrase 'Article under Investigation' is followed by the words for being dumped in India. Therefore, the Article under investigation can only be those Articles which are being dumped in India. In other words, an article under investigation will cover only those articles which are at least imported into India because without importation the question of dumping does not arise.

vi) In this case, the authority has first taken the domestic article which are being manufactured in India and identified all possible like articles to those domestic articles and all those like articles have been treated as 'articles under investigation'.

vii) such an inverted process of identifying product under investigation is wrong. The product under investigation shall be first determined based on which

articles are being imported into India. It shall not be based on which article is being manufactured in India.

viii) Because of the inverted process of identification of article under investigation used in this case, certain articles which have not at all been imported into India have been brought within the scope of the product under investigation. This is a serious lacunae and the authority is requested to exclude from the scope of the investigation such of those articles which have not been imported into India.

ix) According to the data furnished in the preliminary findings, only the following alcohols have been imported into India :

- a) 2-EHA from Brazil, Malaysia, Romania and Singapore
- b) IBA from Brazil and Malaysia
- c) NBA from Brazil, Malaysia and Singapore
- d) Sabutol from South Africa

x) The investigation only cover the above four types of alcohols from the countries mentioned against each of them. Therefore, duties imposed on other types of alcohols from the respective countries shall be terminated. Further, before levying antidumping duty in respect of the above, the authority shall establish dumping, injury and causal link.

xi) Further, the authority has imposed anti-dumping duty on Octanol and Iso Octanol, Nonanol and Iso Nonanol from all the five countries. The authority has done the same by treating Octanol and Iso Octanol, Nonanol and Iso Nonanol to be like articles to 2-EHA. We strongly object that (a) 2-EHA and Octanol/Iso Octanol; or (b) 2EHA and Nonanol / Iso Nonanol are not like articles.

xii) The Authority has held 2EHA and Octanol / Iso Octanol to be like articles on the ground that both of them have characteristics closely resembling each other. The Authority has not conducted either the 'identical or alike in all respects' test or 'closely resembling characteristics' test before considering whether Octanol / Iso Octanol is a like article. Merely because Octanol has been imported into India, it cannot be said to have characteristics closely resembling those of 2EHA. The structure and concentration of 2EHA, Octanol and Iso Octanol are quite different. Melting point of Octanol and 2EHA are significantly different. Further, one of the major characteristics that give essential character to an alcohol is the concentration of alcohols. As per the Gas Liquid Chromatography test reports furnished the structure and concentration of the three alcohols viz. 2EHA, Octanol and Iso Octanol are quite different. In view of the differences in the structure and concentration, characteristics of the end-product manufactured using one alcohol will be different from the same end-product manufactured using another type of alcohol. The Authority has nowhere examined whether 2EHA can commercially substitute Octanol.

xiii) The Authority has held Nonanol and Iso Nonanol as like articles to 2EHA. While doing so, the Authority has compared three characteristics viz. Carbon chain length, Specific Gravity at 20 degree C and Colour (APHA) between Nonanol, Iso Nonanol and 2-EHA and held that technical characteristics of Nonanol and Iso Nonanol closely resemble that of 2-EHA. The Authority also held that DOP - a plasticizer produced from 2EHA has substitutability with DiNP – another plasticizer produced from Nonanol/Iso Nonanol and hence 2EHA and Nonanol /Iso Nonanol are like articles. In the earlier case of Oxo Alcohols CEGAT had given a ruling against comparison of substitutability of the end-product manufactured using Oxo Alcohols rather than the substitutability of Oxo Alcohols themselves. In this case, the Authority has once again compared the substitutability of DOP and DiNP, which are the end products manufactured using 2EHA and Nonanol respectively. It is reiterated that the substitutability of the end-product shall not be considered. There is significant variation in the melting temperature, boiling temperature, ignition temperature, explosion limits, flash point, molecular weight and hydroxyl value of Iso Nonanol and 2-Ethyl Hexanol. These differences in the characteristics of the two alcohols give them their separate identity and usage. They are used in the manufacture of different types of plasticizers. They are not used for making the same end-product. The question of whether the end-products are alike or not is irrelevant.

xiv) From the above, it is seen that 2EHA and Nonanol/Iso Nonanol are neither identical or alike in all respects to each other, nor do they posses 'closely resembling characteristics'. In addition, there is no import of Nonanol/Iso Nonanol. In view of the above, the determination of the Authority that Nonanol is a like article to that 2EHA is wrong and, therefore, the same shall be excluded from the purview of the product under consideration.

xv) As regards Sabutol, the domestic industry does not manufacture Sabutol. Even though they manufacture NBA and IBA, Sabutol is a mixture of NBA, IBA and a few other alcohols, the domestic industry cannot and did not manufacture such a mixture. The inability of the domestic industry in manufacturing this mixture itself proves that it is not a like article. In the absence of an identical article, the domestic industry should have proved that they manufacture an article which has characteristics closely resembling that of Sabutol. Domestic industry has failed to demonstrate this aspect with any evidence. It is true that one of the importers who is a producer of plasticizers has imported Sabutol. If at all Sabutol is to be covered as a product under consideration, proper allowance should be given with regard to the physical and commercial differences between Sabutol and NBA / IBA. As Sabutol cannot be treated as like article to 2EHA, the anti dumping duty thereon should be terminated.

xvi) The US ITC ruling has been quoted by the domestic industry. It is clear from the US ITC findings that the starting point in determining Like Article is the determination of Articles under investigation which shall be based on the Articles

imported into the country. The scope of the Like Articles for the purposes of injury may be larger than the scope of Article under investigation. However, duties shall be imposed only on those products that are defined as 'Articles under investigation'.

xvii) None of the earlier cases quoted by the domestic industry are comparable with the present case. In each of those old cases, the product under investigation was a distinctly identifiable single product. Each of those distinctly identifiable products were sold in the market in different physical dimensions and/or shapes. Acyclic Alcohols is not a single product. As product, Acyclic Alcohol is totally different from any of the products cited by the domestic industry. Therefore, a comparison of different types of alcohols to that of Seamless Tubes of different sizes and shapes is incorrect. In the SBR case, the domestic industry was manufacturing only 1500, 1700 and 1900 series. There was no domestic production of SBR 1000 series. Therefore, the Authority correctly held that SBR 1000 series are not a product under consideration.

#### (c) Views of Government of Malaysia

- i) It is very clear from the report that the Indian Domestic Industry only produces three types of product i.e. Iso Butanol (IBA), Normal Butanol (NBA) and 2-Ethyl Hexanol (2-EHA) and there is already a precedent (jurisprudence) on the restriction of the use of term "like product" both by the Designated Authority and the Honourable CEGAT in the previous anti-dumping action on similar products.
- ii) Based on Article 2.6 of the WTO AD Agreement, the use of characteristics closely resembling those of the product under consideration can only be applied in the absence of a product which is identical i.e. alike in all respects with the product under investigation. As such the investigation should only be restricted to IBA, NBA and 2-EHA that were produced by the domestic industry.

#### (d) Submissions made by M/s BASF Petronas Chemicals, Malaysia.

- i) We disagree with petitioner's views that there is great amount of substitutability between these various types of Alcohols. In fact, the three Oxo Alcohols NBA, IBA and 2-EHA produced by domestic industry and BPC are non-like products. The products under investigation are made from different precursors. IBA is produced from Iso Butyraldehyde, NBA from N-Butyraldehyde and 2-EHA from 2-Ethyl Hexanal.
- ii) The production process of the products under investigation is different. N-Butyraldehyde and Isobutyraldehyde are separated via distillation. IBA is obtained by hydration of the respective aldehyde whereas for 2-EHA 2 molecules of N-butyraldehyde are reacted via a process called aldolcondensation to 2-ethylhexanal. The latter is then reacted further to obtain 2-EHA. The fact that

they are called oxo alcohols because part of their production process is similar does not make all oxo alcohols like products.

iii) The physical properties of all three products differ very greatly making them non-like products.

**Table comparison of NBA, IBA and 2-EHA Physical Properties**

Product	Molar Mass (g/mol)	Vapour pressure (mbar @ 20 d)	Viscosity (mPa*s@ 20 d)
NBA	74.12	5.6	2.9
IBA	74.12	9.5	4.0
2-EHA	130.23	0.14	8.0

iv) The significant differences in physical characteristics of each product bring about differences in use. It is correct that one common use is as raw material for plasticisers. The resulting plasticisers, however, show greatly different properties as is expected due to the non-like precursors. These different plasticisers are used in different applications. Plasticiser volatility is an import criterion affecting both processing characteristics and service life of the finished product.

v) The petitioners produce three different types of products. If these were like products, production of one of these products would suffice. However, since these are non-like products both petitioners invested and installed additional product facilities for production of all three products.

**(e) Views of Government of Brazil**

i) The explanation provided by the Designated Authority that some of the product object of investigation, although not similar, appear in the composition of other products which are substitutes, is not acceptable as it makes it possible to consider similar products that do not have sufficiently close characteristics; that assimilation of the characteristically dissimilar is incompatible with the letter of the WTO agreement on anti dumping.

ii) The Designated Authority did not make detailed examination that all the products are effectively inter-changeable i.e. that users of these products may opt indistinctively for one or the other for the manufacture of the same product without additional cost.

**(f) Submissions on behalf of M/s Exxonmobil Chemical International Services Ltd. (EMCIS), Singapore.**

i) INA and 2EHA are not like articles. The factual basis for determination of similarities should be on the following :

- Physical and chemical characteristics.
- Manufacturing process.
- Functions and uses.
- Product specifications.
- Distribution and marketing.
- Tariff classification.

ii) The Designated Authority has relied upon a magazine to conclude that since use of plasticizer made with 2EHA (DOP) is gradually being eroded by the plasticizer made by INA (DINP), the two are like article. In view of the orders of Hon'ble CEGAT in the previous case, it is settled law that DINP and DOP are not substitutable to each other. Further, DINP has distinct applications from DOP.

**(g) Views of Domestic Industry on Product under Consideration and Like Article**

i) NBA, IBA, 2EHA produced by the domestic industry is undisputedly like article to the imported product. There is no argument to the contrary. Sabutol imported from South Africa is a like article to NBA/IBA produced by the domestic industry. Octanol (both normal and iso) imported in India is a like article to 2EHA produced by the domestic industry. Nonanol (both iso and normal) are like article to the 2EHA produced by the domestic industry. Though this alcohol was not imported in the investigation period from the subject countries, this alcohol was imported into India in the investigation period from other countries. Further, this alcohol was imported into India from the subject countries after the investigation period. It is also undisputed (in fact, supported) by the various interested parties that the fact of like article is not with reference to the countries or time period in this case. It cannot be argument of the exporters that iso nonanol of Singapore is not a like article to the Iso nonanol of Europe. Nor can it be the argument of the exporters that Iso nonanol was not like article to EHA in the investigation period but became like article after the investigation period.

ii) It is relevant to point out that product under consideration and product under investigation are two different issues. Product under consideration is the product on which protection is sought whereas product under investigation is the product which has been imported in the investigation period. The product under consideration has to be wider in scope than product under investigation, as all like forms of product under investigation have to be included within the scope of the duty so as to make the entire exercise effective.

iii) The relevant issue is whether all types of alcohols included within the scope of the product under consideration are like forms of the product which has been imported into India in the POI and which is being produced by the domestic industry. The definition of Like Article under Rule 2(b) is relevant for the purpose and is applicable.

iv) As regards to the reference of the CEGAT decision in the previous investigation, it needs to be appreciated that in the previous investigation, the authority on facts did not come to a conclusion that EHA and Normal Hexanol closely resemble each other. The authority had merely applied the test of end-product substitutability. In this case, the authority has come to a definite finding of facts that the two alcohols closely resemble each other. The argument of the opposing interested parties that the Designated Authority is duty bound to go by the orders of the Hon'ble CEGAT and could not have given a new finding on the issue is untenable.

v) As regards arguments on Nonanol / Iso Nonanol, assuming though not admitting that the three characteristics seen by the authority are not adequate and number of other parameters listed by IPMA are relevant and important, what needs to be appreciated is that (a) the two alcohols are defined in terms of common technical parameters, (b) the characteristics closely resemble. Merely because specific values with reference to the two alcohols are different e.g. boiling temperature, the same does not imply that the two are not closely resembling unless it is established that the difference in specific values is so significant as to render the two types as entirely different products. Petitioners rely upon the product catalogue of KLJ Group of Companies which clearly shows that the company produces both DINP and DOP. To produce DINP, the company requires Iso Nonanol. To produce DOP, the company would require EHA. Since no Indian producer produced Iso Nonanol since suspension of production by Indu Nissan, there must have been imports of Iso Nonanol. In fact, petitioners have separately provided evidence of import of Iso Nonanol, which clearly establishes that Iso Nonanol and EHA have been used interchangeably.

vi) As regards argument that mere technical substitutability is not sufficient and commercial substitutability is equally or more important, it is submitted that Octanol and EHA have been commercially substituted. The commercial substitutability between the two is established by the news item earlier referred by the petitioner which clearly establishes that these two are being commercially substituted depending upon the relative price of the two products.

vii) With regard to Sabutol, while on the one hand, the companies have argued that it is a cheaper / inferior alcohol and has demanded an allowance towards the same, which has been granted by the authority, at the same time it has been argued that the domestic industry is not able to produce this mixture of alcohol. The relevant issue would be whether the consumer expects the domestic industry to render a superior alcohol, inferior by resorting to mixture. It is abundantly clear that these parties have referred to Sabutol as alcohol and its interchangeability is IBA/NBA which establishes that it is a Like Article. The Product Catalogue of SASOL clearly shows that Sasol markets C4 oxo alcohols like Iso Butylol, Butylol, N-Butylol and Sabutol. The description of Sabutol is given by the company as "a mixture of normal butyl alcohol (60% min purity by mass), iso-butyl alcohol and secondary pentyl alcohol". The density of these four

products is 0.805, 0.810, 0.811 and 0.808-0.811 respectively. This clearly shows that Sabutol is a mixture of IBA and NBA and essentially similar to IBA/NBA. On the other hand, the product information sheet of KLJ Group mentions three Plasticizers made up from C4 alcohols. These are DIBP (Di-Iso-Butyl Phthalate), DnBP (Di-n-Butyl Phthalate) and DBP(M) (Di-Butyl Phthalate). Again the specific gravities (densities) of these products are given as 1.03-1.04, 1.041-1.045 and 1.039-1.041, respectively. Thus, Sabutol and IBA/NBA have been consumed interchangeably. This further establishes that Sabutol is a like article to IBA/NBA. It would also be relevant to point out that the cost and price of NBA and IBA are in a very close band.

viii) As regards evidence presented for the alleged differences between Octanol and EHA, it is relevant that (a) the evidence does not contradict any of the submissions of the domestic industry and observations of authority contained in the preliminary findings, (b) the evidence at best shows that the two alcohols are not identical to each other, (c) the evidence clearly shows that the two alcohols closely resemble each other and (d) the evidence in no way suggest any difference which the differences in the specific values in various technical parameters brings in the eventual product. The evidence in no way suggest that the users of Octanol cannot use 2EHA in the absence of Octanol. On the contrary, Octanol and EHA are being used interchangeably by the consumers.

ix) A number of parties have challenged the scope of investigation proposed by the petitioners and considered by the Designated Authority. The major reasons cited by these interested parties are :

- a) A type of alcohol not imported into India can not be included within the scope of the duties, as fact of no imports establishes no injury to the domestic industry. The examples cited include Iso Nonanol, Nonanol.
- b) A type of alcohol not produced in the Country and imported in India in the investigation period can not be included within the scope of the duties, as such alcohol imported into India is not a like article to the alcohol produced in India. The example cited includes alcohols such as Sabutol, Octanol, Iso Octanol.

x) It would thus be seen that the major thrust of the opposing interested parties is that an alcohol can be included within the scope of the present investigation and proposed duties only if (a) it has been imported into India; and (b) identical article of the product imported is being produced in India.

xi) The proposition advanced by these interested parties is contrary to the basic tenets of anti dumping. Should the scope of the duties be restricted to the product types imported into India, that too from the subject countries and in the investigation period, the entire process of anti dumping may become a redundant exercise. To illustrate, in case anti dumping duty is imposed only on acrylic fibre

of 2.0 denier because this is the only type imported into India in the investigation period from the subject country. The entire exercise would be futile, as with the imposition of anti dumping duty on this denier, other deniers would start getting imported. In fact, petitioner has gone through the list of various anti dumping cases and finds hardly any product wherein the product appears to have only one type. However, it is found that in almost all the cases, anti dumping duties have been imposed on the "product" rather than restricting the scope to the "product type" imported into India in the investigation period.

xii) Petitioner wish to also rely upon the following investigations in particular conducted or being conducted by the Designated Authority :

- a) Seamless tubes,
- b) Lead acid batteries,
- c) Vitrified Tiles,
- d) Compact florescent lamps,
- e) Hot Rolled Coils, Sheets, Strips, Plates,
- f) Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel,
- g) Dead Burnt Magnesite,
- h) Low Carbon Ferro Chrome,
- i) Vitamin-C,
- j) Metcoke,
- k) Polystyrene,
- l) EPDM Rubber,
- m) SBR,
- n) PSF and POY,
- o) Thermal Sensitive Paper;
- p) Choline Chloride,
- q) BOPP Films,

xiii) It is thus submitted that it is the product, which is subject matter of present investigation. All forms of the product remains within the scope of anti dumping duty, so long as these forms are "like article" to the product imported in the investigation period.

xiv) On the issue of Like Article, US ITC findings in the matter of Polyester Film is relevant. It would be seen that even though the various product types were found to be not substitutable inter se in this product, it was held that various types were one like product. The petitioner had relied upon the findings of US ITC, the relevant extracts of which have been re-produced as under:

*"There is some indication in the record that some types of PET film may be employed in different end uses. The record shows, however, that most PET films have distinct, mutually exclusive, end use based on purchaser requirements and are not generally substitutable for one another in a particular end use. Standing*

alone, this like product criterion provides some support for a finding that there is more than one like product. However, the record also indicates that there are as many as 150 different end uses for Pet film and, thus, potentially as many like products as dedicated uses. Moreover, we have never viewed complete interchangeability as a definitive requirement for inclusion of multiple domestic products in single like product."

"The first consideration in defining a like product in a Title VII case is whether purchasers of a domestic product would switch to a different domestic product if the relative prices of the two products changed. If purchasers would readily switch, then both products should be included in the same like-product definition."

xv) The petitioner has also relied upon the extracts from the questionnaire issued by the EC with regard to Polyester Film. It has been argued that the model match criteria was whether one type is substitutable with other. Even when Indian Producers reported that a large number of types existed in the domestic market which did not have comparable export models, no model was excluded. Further, one single duty has been imposed on all types of Polyester Film in the EC also. It is thus evident that no product type was excluded from the scope of duty merely because this product type was not exported to India in the investigation period.

xvi) As regards substitutability of Octanol and 2EHA, the petitioner has also furnished a copy of the order placed by one of the importers/domestic users on the domestic producer, M/s Andhra Petrochemicals Ltd. In the said purchase order, the description of the product has been shown as 2-Ethyl Hexanol (Octanol).

xvii) To summarize, the cardinal principle for determination of like article is whether purchasers of a domestic product would switch to a different domestic product if the relative prices of the two products changed. If purchasers would readily switch, then both products should be included in the same like-product definition. Following this cardinal principle alone, Sabutol most closely resembles IBA/NBA, Iso Nonanol and Iso Octanol most closely resembles 2EHA.

## 7. Submissions made by interested parties on issue of Like Article and Product subsequent to the Disclosure Statement.

### i) M/s Exxon Mobil Chemical International Services Ltd. and M/s Sasol Chemical Industries Ltd.

Although various Oxo Alcohols may have similar characteristics, they result in different end-products (plasticizers) which have enhanced and different

characteristics, with different uses.

**ii) Indian Plasticizers Manufacturers Association (IPMA) and M/s Lubrizol India Limited**

- (a) The argument of domestic industry regarding distinction between article under investigation and article under consideration is wrong and untenable. There is no difference between product under consideration and product under investigation. Both the expressions are synonymous and have no difference. The question of including some articles within the scope of the article under investigation / consideration if they have not been imported into India does not arise.
- (b) As per Rule 17, the Designated Authority is required to determine as to whether or not the article under investigation is being dumped in India.
- (c) The domestic Like Article may be wider in scope than the article under investigation provided those articles satisfy the definition of Like Article as given in Rule 2(d). Under no circumstances, the article under investigation can be wider than the domestic Like Article.
- (d) The Authority's view that there is a main product by name 'Acyclic Alcohol' is wrong. Acyclic Alcohol is a generic name covering a number of different alcohols each with its own distinct name, characteristics and end uses. It is, therefore, incorrect to include within the scope of the investigation, certain products which were not imported during POI.
- (e) 2EHA is used to manufacture DOP AND Nonanol is used to manufacture DiNP. They cannot be held to be commercial substitute. Therefore, Nonanol and Iso Nonanol may be excluded from the scope of the current investigation as there is no domestic like product for these two alcohols.
- (f) Sabutol is a mixture of IBA and NBA and secondary Pentanol. A mixture of alcohols like Sabutol can never be a commercial substitute for independent NBA and IBA. If at all Sabutol is to be covered within the scope of the investigation, its price shall be compared with the price of the mixture of alcohol sold by the domestic industry.

**iii) Views of Brazil Government**

- (a) The concept of categories is not applicable to justify the adoption of such an inclusive definition of the product under investigation so as to enable the inclusion of unlike products, i.e. products with different uses and that are not mutually exchangeable. In the case of this investigation, the very definition of 'product under investigation' is rendered irrelevant by the fact

that the margin of dumping is being calculated for unlike products covered mistakenly under that definition.

- (b) It would not be correct to apply anti dumping rights on imports of products for which there has been no determination of any margin of dumping superior to the de minimus one established in Article 5.8 of the ADA.

iv) **Views of M/s OLTCHIM**

During the investigation, there was terminology error. Octanol which is another name for the 2-Ethyl Hexanol meaning 2EH (Customs Tariff Classification 2905.1610) was considered as comparable with 2EHA which is 2-Ethyl Hexanoic acid (Customs Classification 2915.90.80). 2EH was considered like article with 2EHA, but their physical and chemical characteristics are different and so is the quality of the products turned out from each of them.

**8. Examination by the Authority:**

- 1) The Authority has taken note of the various arguments made by the interested parties on the issue of Product under Consideration and Like Article. It has been argued by some importers that the article under investigation will cover only those articles which are being imported into India during POI. Therefore, the four types of alcohols viz. 2EHA, IBA, NBA and Sabutol, being imported can only be treated as Article under investigation subject to fulfilling all other requirements as per Rules. It has also been argued by one of the exporters that starting point for any investigation is the product manufactured by the domestic industry. The argument further states that there must exist a domestic industry, which is engaged in the manufacture of the article under investigation and its Like Article. Further, it has been stated that the article under investigation is clearly that is manufactured by the domestic industry and within the factual matrix of this case should be the only alcohols produced in India viz. IBA, NBA and 2EHA.
- 2) The petitioner domestic industry's claim is that it is the product which is subject matter of the investigation and the product involved in the present investigation are Acyclic Alcohols and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives. Ten prominent types of the Acyclic Alcohols were specifically included in the scope of the investigation. Therefore, it is the product which is the subject matter of the investigation. All the ten forms of the product as indicated in the initiation notification remain within the scope of the anti dumping duty so long these forms are like article to the product imported in the investigation period. The petitioner further argued that all types of Alcohols which are like article to the alcohols imported into India in the investigation period and like article of which is being produced by the domestic industry are within

the scope of the present investigation and proposed anti dumping duty. They further argued that the opposing parties have attempted to describe various forms of alcohols as different products.

- 3) The Authority is of the view that specified ten types of Acyclic Alcohols were included in the product under consideration as part of the main product i.e. Acyclic Alcohols. The fact that the ten types fall under the description of Acyclic Alcohols and *prima facie* similarity was sufficient enough to include these within the scope of Product under consideration. Therefore, the Authority does not consider it improper to have included the ten types of alcohols within the description of the product involved under investigation, though some forms or types of these alcohols had not been imported during POI.
  - 4) As regards arguments on the issue of Like Article, the Authority recalls the preliminary findings on this issue. In the preliminary findings, NBA, 2EHA, IBA, Sabutol, Octanol and Iso Octanol and Nonanol and Iso Nonanol were held to be like articles. Arguments have been made that Sabutol is not a like article on the ground of its different chemical composition, different manufacturing process and that the composition of Sabutol is more akin to the seconds material of NBA/IBA column bottom. As regards Octanol and Iso Octanol, it has been argued that characteristics of Octanol and 2EHA are different, for example melting point is different. The structure and concentration of 2EHA, Octanol and Iso Octanol are different. As regards Nonanol and Iso Nonanol, it has been argued that the Authority in its preliminary determination has compared three basic characteristics which are not sufficient to distinguish one from the other. As per the arguments, there are other characteristics of these Alcohols which make Iso Nonanol quite different from 2EHA. Therefore, the determination that Nonanol and Iso Nonanol are like article to 2EHA is wrong. The Authority has examined the various arguments in the light of the definition of 'like article' under Rule 2(d). There are two parts of the definition of 'like article'. First, there should be an article which is alike in all respects to the article under investigation; secondly in the absence of such an article, another article which although not alike in all respects has characteristics closely resembling those of the articles under investigation. Rule 2(d) of the Anti Dumping Rules and the Article 2.6 of the WTO Anti Dumping Agreement do not specifically lay down the criteria or the parameters whereby to determine that the characteristics of the article closely resemble those of the products under consideration. Going by the precedent of the cases investigated by the Authority and the views held in earlier investigation, the Authority has taken into account the following criteria for deciding issues on Like Article :
- Technical and Commercial substitutability,
  - Functions and uses of the products,

- Resemblance of the physical and/or chemical properties,
- Users' perception for switching over from one product to another,
- Similar production processes,
- End-product substitutability,

5) Some of the interested parties have argued that Octanol, Nonanol, Iso Nonanol and Sabutol have different characteristics and thus cannot be considered as Like Article within the Rule 2(d). The Authority's view is that as they are not having similar chemical characteristics and are therefore not alike, that is why, they need to be examined as per the second limb of the definition of Like Article under Rule 2(d) i.e. whether they have characteristics closely resembling those of the article under investigation. The very fact that these alcohols have different chemical properties from 2EHA, NBA and IBA produced by the domestic industry itself is not a decisive factor. The other criterion like functions and uses, commercial and technical substitutability, user's perception in switching over from one product to another, end-product substitutability and production processes have also been considered. The Authority finds that Nonanol, Iso Nonanol, Octanol and Sabutol are commercial substitutes of the domestically produced Oxo Alcohols. These have chemical properties, though dissimilar, yet close enough to be bracketed as Acyclic Alcohols. Further, the user has switched over from one form of alcohol to the other form in the case of Nonanol, Iso Nonanol and Sabutol as a preference over the domestically produced alcohols. As regards Octanol, the Authority's views are further strengthened on the basis of evidence that some of the Indian user have placed order on the Indian domestic producer giving the description as 2-Ethyl Hexanol (Octanol). Further, the exports of Octanol from Romania have been cleared by the importer describing the same as 2EHA on the Bill of Entry. Thus the Authority confirms its views that NBA, 2EHA, IBA, Sabutol, Octanol and Iso Octanol, Nonanol and Iso Nonanol which are the forms of Acyclic Alcohol in the product under consideration to be Like Article to the domestically produced Oxo Alcohol viz. 2EHA, IBA and NBA.

#### 9. Period of investigation :

The period of investigation in the present investigation is from 1<sup>st</sup> April, 2000 to 30<sup>th</sup> June, 2001. It has been argued by the Malaysian government that the period of dumping determination was based on 15 months whereas the norm is twelve months. The Authority is of the view that the anti dumping agreement does not lay down the period of investigation. However, it should not be less than six months. Therefore, the Authority considers that the period of investigation in this case is appropriate.

## 10. Domestic Industry

The Authority recalls the preliminary findings as regards domestic industry. The petition had been filed by M/s. National Organic Chemicals Industries Ltd., (NOCIL), Mumbai and M/s. Andhra Petrochemicals Ltd., The above-mentioned companies had provided all information required for the purpose of the present investigation and had offered themselves for further information and verification. Another producer M/s. Indu Nissan Oxo Chemical Industries Ltd., Mumbai, who had supported the petition, had suspended production since 1999. The said producer was not considered as part of the domestic industry and the other two producers, viz., M/s. NOCIL M/s. Andhra Petrochemicals Ltd. were considered to represent the domestic industry as these companies accounted for 100% of the total Indian production of subject goods. Subsequently, M/s NOCIL had also suspended production of subject goods. M/s Andhra Petrochemicals Ltd. is at present the sole producer of subject goods and thus represent the domestic industry. None of the responding interested party has raised any point regarding the standing of the petitioners and the issue of 'domestic industry'. Thus, the Authority has considered M/s Andhra Petrochemicals Ltd. to represent the domestic industry within the meaning of Rule 2(b) for the final findings.

## 11. Confidentiality of Information :

- a) It has been argued by the Malaysian Government that the information on injury factors submitted does not allow reasonable and meaningful understanding of the magnitude of the injury suffered by the local industry. The NOEF falls short of the standard requirement of Article 6.5.1 of the Anti Dumping Agreement.
- b) As regards the arguments made by some of the interested parties regarding non-disclosure of material information by the petitioners, the authority notes that the petitioner had given information relating to injury in the non-confidential version which contain information about imports, sales of petitioner, demand, share of subject countries in imports and in total demand. The petitioner has also given indexed information about installed capacity, production, capacity utilization, domestic sales and closing stock. Information in respect of cost of production, selling price and profit/loss has not been shared by the petitioner. Such information being confidential in nature, the authority considers it to be treated as confidential within Rule 7(1). Therefore, the Authority does not find merit in the arguments put forth by various importers, exporters and Government of the exporting countries regarding non-availability of certain information claimed as confidential by the petitioners.

**C. EXAMINATION OF CLAIMS REGARDING NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN.**

12. As brought out in the preliminary findings, the Designated Authority sent questionnaires to known exporters of the subject goods in subject countries. Responses were received from the following exporters:

M/S. Oltchim, S.A. Rm. Valcea.  
Romania.

M/S. Basf Petronas Chemicals Sdn, Bhd,  
Malaysia.

M/S. Sasol Chemical Industries Ltd.,  
South Africa.

M/S. Ciquine Cia. Petroquimica,  
Brazil.

M/s Exxon Mobil Chemical International Services Ltd.  
Singapore.

**Views of the Domestic Industry**

13. The petitioner has made following comments in response to the Disclosure :

- (i) Dumping margin in respect of some of the exporters have drastically declined apparently on the basis of the information filed subsequent to preliminary findings. Such information has not been disclosed to the petitioner on non-confidential basis. This is in violation of Rule 6 and Principles of Natural Justice.
- (ii) In respect of NBA exports from BASF, the Authority has determined dumping margin by considering the export price of some other exporter as the exporter M/s BASF claims to have not exported NBA during POI. The DGCI&S data shows exports of 261 MT. Apparently, this was not a bulk shipment but a packed shipment. Packing cost constitutes about US\$ 125 PMT. Adjustment on this account does not seem to have been made.
- (iii) If BASF do not have knowledge of the ultimate destination of this product, this sale has to be treated as domestic sale of BASF and included within the domestic sales for the purpose of Normal Value determination. Therefore, determination of dumping margin in respect of NBA exported from Malaysia is incorrect on two grounds (a) dumping margin cannot be determined in this case in respect of BASF and (b) packing cost is

required to be include in the Normal Value while comparing with the export price or alternatively, the export price is required to be adjusted for the packing cost.

- (iv) In respect of NBA from South Africa, the dumping margin may be reconsidered as the Government of South Africa and the exporter have confirmed that there was no export of NBA from South Africa. NBA from South Africa should have had no dumping margin. However, duty is required to be imposed on NBA from South Africa on the ground that it is Like Article as was done in Oxo I case.
- (v) In respect of IBA from Singapore, the import appear to be of packed IBA. Therefore, packing cost is required to be reduced from the export price. Dumping margin in respect of IBA from Singapore needs to be reconsidered.
- (vi) Petitioner agrees with the observation of the Designated Authority that dumping margins have been determined only in respect of those types which have been imported in India in the POI. Dumping margin can only be determined in respect of that form of the product which has been imported in the POI. However, anti dumping duty is required to be imposed in all the like forms of the types imported in the POI.

### **Brazil**

14. The Authority recalls the preliminary findings as regards determination of Normal Value, export price and dumping margin in respect of Brazil. Subsequent to the issue of preliminary findings, M/s Ciquine Cia. Petroquimica S.A., Brazil has informed as under and has given clarifications regarding cost of production, allocation of costs etc.

- (i) The Brazilian Authority on a public auction sold Ciquine on 8<sup>th</sup> May, 2002 and the control of the Company now belongs to Elekeiroz S.A., a Brazilian Public company established in 1894.
- (ii) As regards Normal Value, the exports to India were made by Ciquine through a non-trader named ICC Chemical Corp ration. During the POI, three lots of alcohol were sold to ICC and to the best of their knowledge were sent to India.
- (iii) In Appendix 3.3, the heading may be read as C&F instead of CIF shown incorrectly as insurance freight is never contracted by Ciquine.
- (iv) The inland freight cost to send the product for exports through two main ports, roughly 30 km away from the plant, is in the range of US\$ 3 to 4 PMT. Whereas in the case of domestic sales, the consumers are

in the States of Sao Paulo and Rio De Janeiro, roughly 2000 km away from the plant, so the freight in domestic sales is in the range of US\$ 50 PMT.

- (v) Domestic sales of Normal and Iso Butanol were made below cost of production.
- (vi) Ciquine is installed in the middle of one of the biggest Petrochemical Pole of Latin America and all utilities such as steam, water, electrical energy, air etc. are provided by COPENE which is the company that owns the Nafta Cracker, so there are no utility cost allocated to each product.

## 15. Views of Government of Brazil

- i) The petition fails to provide sufficient evidence of dumping practices, injury and causal relation and should have been rejected by the Designated Authority.
- ii) The methodology to calculate Normal Value on constructed cost of production is not disclosed.
- iii) Details of adjustment claimed from CIF export price have not been disclosed.
- iv) The margin of dumping determined for exporters does not appear to have taken into consideration the information provided by them to the Designated Authority in the questionnaire. Those margins were established solely on the facts available established by the authority from its own sources. This procedure conflicts with Article 6.8 and Annex II of the WTO agreement which stipulates that if a piece of information provided by one of the parties cannot be utilized, the party should be notified thereof and have the opportunity to present the necessary clarification. The Brazilian exporter, who answered to the questionnaire was not asked to give any additional clarification, thus curtailing his right to respond and defend himself adequately.
- v) In the preliminary findings, there was no determination of dumping in respect of Octanol and Iso Butanol, Nonanol and Iso Nonanol. However, anti dumping duty has been recommended on such products. The WTO agreement establishes that provisional measures can only be applied when there is preliminary determination of dumping. Application of such measures without that determination is in violation of the said agreement.
- vi) The fact that a negative determination of dumping was attained for Iso Butanol from Singapore and Normal Butanol from South Africa deserves bigger attention. Considering that no recommendation for application of provisional measures was made is relevant for the analysis of injury.

vii) The duty proposed is in the form of specific amount. It is not possible to evaluate the adequacy of such proposed amount, whether it is inferior or superior to the margin of dumping determined by the Designated Authority. The imposition of provisional duties is not in conformity with the disposition of the WTO agreement on anti dumping and should be revoked.

#### **16. Comments of Brazil Embassy on Disclosures**

- (i) As for 2EHA, the Authority proposes to consider profit making domestic sales after excluding loss making sales. Data presented in Annexures 9.2 and 9.3 of the non-confidential version of the Questionnaire indicate that the average price of the like product in the Brazilian internal market was inferior to the average price during the period under investigation.
- (ii) Even so the totality of sales by the Brazilian producer/exporter in the internal market should have been taken into account. This would have been one of the reliable criteria under Article 2.2.1 of the ADA for determining the occurrence of a substantial amount of loss sales.
- (iii) Even if such sales were to be disregarded, an evaluation should have been made as to the possibility of loss sales enabling a "recovery of all costs within a reasonable period of time".
- (iv) Considering there is no mention in the Report that such an evaluation was made it would not be possible for the Authority to disregard loss sales let alone the totality of sales by the Brazilian Exporter.
- (v) Even if the proposed methodology for constructing the Normal Value were in accordance with the dispositions of the ADA, still there should have been a clear statement on how the "reasonable profit margin" was determined, as per Article 2.2.2 of that Agreement.
- (vi) It is also not disclosed which methodology was used for determining the Normal Value for 2EHA. Annexure 9.1 of the non-confidential version of the questionnaire indicates that the average sales cost for the internal market was superior to the average cost of production; no loss sales were determined to have occurred in substantial quantities.
- (vii) Sales under normal conditions of trade should have been considered.
- (viii) The Statement fails to disclose the export prices under consideration, which, again in an unacceptable manner, curtails the exporters' and producers' right of defence.

- (ix) Since no margin of dumping was determined for several of the products under investigation and whereas a negative margin of dumping was established for others, such products cannot be subjected to the imposition of anti dumping rights, or the dispositions of the ADA would be breached.

### **Examination by the Authority**

17. The authority notes that the domestic sales of Normal and Iso Butanol of M/s Ciquine were below the cost of production. The information relating to exports to other countries in Appendix 6 and Sale Price Structure in Appendix 10 in respect of NBA and IBA shows that these exports sales were below the cost of production and therefore, cannot be considered in the ordinary course of trade. The authority has, therefore, determined the Normal Value in respect of Normal Butanol and Iso Butanol on the basis of constructed cost of production. While doing so, the authority has considered the information relating to cost of production furnished by the exporter after adding a reasonable profit margin of \*\*\*%. The Normal Value for NBA is proposed as \$ \*\*\*MT and for IBA as \$ \*\*\*MT. In respect of 2EHA, the Authority notes that \*\*\*% of domestic sales are below the cost of production and thereby not in the ordinary course of trade. These non-profitable sales being more than 20% of the total 2EHA domestic sales, the Authority has determined Normal Value on the basis of remaining profit making domestic sales. On the basis of the profit making domestic sales, the Normal Value for 2EHA is determined as \$\*\*\* MT.

### **Export Price**

18. The Authority recalls the preliminary findings as regards export price determination. The exporter has subsequently given clarifications about the export price. The Authority has considered the export price as per the sale by M/s Ciquine to ICC. Adjustments shown by exporter on inland freight, storage, taxes, others and overseas freight have been made. Adjustments on account of clearance, handling and port expenses @ 2% of C&F price and on account of 90 days credit @ 4.5% p.a. have been made to arrive at net export price of US\$ \*\*\* PMT for 2EHA, \$ \*\*\*PMT for NBA and \$ \*\*\*PMT for IBA.

### **MALAYSIA:**

19. The response was received only from M/s BASF Petronas Chemicals. The Authority recalls the preliminary findings on Normal Value determination. Following submissions have been made subsequent to preliminary findings :

#### **20. Views of Government of Malaysia**

- i) There are only two manufacturers of such products in Malaysia i.e. BASF Petronas Chemicals Sdn. Bhd. (BASF) and Optimal Chemicals (Malaysia)

Sdn. Bhd. (Optimal). BASF has submitted that they have not exported other than 2-EHA during the period of investigation. Optimal's oxo-butanol production commenced commercial operations on 7 April 2002 and that Optimal had not exported any oxo-butanol products to India.

- ii) As such the Designated Authority cannot impose anti-dumping duties on products that have not entered into India from Malaysia during the period of investigation. GOM requests that the Designated Authority therefore restrict anti-dumping measures on products originating from Malaysia and that have entered the commerce of India.
- iii) No anti dumping measures should be imposed on Octanol and Iso Octanol and Nonanol and Iso Nonanol as there were no exports of these products to India from Malaysia during POI.
- iv) BASF's submission does not merit findings on the basis of facts available as per Article 6.8.
- v) The Designated Authority should use the information as submitted by BASF in the export price determination.
- vi) BASF was a start up operations for the product under investigation during the period of investigation and BASF has submitted additional information for the Designated Authority's consideration in the Normal Value determination. The Designated Authority is requested to give due consideration of the requirements of Article 2.2.1.1 and Foot Note 6 to Article 2.2.1.1 of WTO AD Agreement.

## **21. Following arguments have been made by M/s BASF Petronas Chemicals, Malaysia :**

- (i) BPC Oxo Complex started production on 1<sup>st</sup> April, 2001. BPC financial start-up, however, was only after completion of our guarantee run of Oxo Alcohols production in July, 2001. Depreciation for example was only started as of July 1, 2001. We strongly request the Designated Authority to consider and observe the special situation of start-up laid down in GATT Anti Dumping Code (Article VI para 2.2.1.1). Start-up of our Oxo Complex was only in last three months of the POI.
- (ii) As regards losses in the Income Statement for the year 31.12.2000, these losses do not result from sales of Oxo products as BPC Oxo complex only started up on April, 2001. Losses resulted from the general start-up of this grass roots site and of the Acrylic Monomers Complex (start-up of both during Q3 2000) in particular. For highly integrated, capital intensive world scale petrochemical sites, losses in the start-up period (upto 2-3 years) are industry norm.

- (iii) As per Indian import statistics 13.6 MT IBA imports were shown originating from Malaysia accounting for less than 1% of the total imports during POI. This satisfies the condition of de-minimus import volume.
- (iv) The Designated Authority used BPC export price to other countries to determine IBA import price into India disregarding the price from Indian DGCI&S. This price determination for above product is inconsistent with Article 2.3 of the WTO Anti Dumping Agreement. Article 2.3 of the Agreement allows the authority to use other methods if there is no export price or the export price is unreliable.
- (v) As per Malaysian statistics, there were no exports of IBA to India during the POI. This is in contradiction to the Indian statistics that indicate a container shipment of 13.6 MT during POI. Any Iso-Butanol exports of Malaysian origin before BPC start up are impossible since there was no single producer in Malaysia. As the IBA import into India was before April, 2001 and the recording itself erratic in price, we request Designated Authority to reconfirm DGCI&S data and disregard this quantity for Malaysia.
- (vi) The NBA shown in both statistics with different volumes were not of Malaysian origin, but traded volumes Ex-United States – via a Singapore trader. BPC sold these US origin volumes to Allicham, Singapore on FOB basis. These volumes were not reported in our exporter's questionnaire since these were not of Malaysian origin. We, therefore, request Designated Authority to re-classify these volumes to import from other countries / USA and the investigation against NBA imports of Malaysian origin be terminated.
- (vii) The domestic sales in Malaysia are in the ordinary course of trade because BPC did not sell Oxo alcohols below unit cost of production plus SGA. Actual cost would neither be representative nor are these available as our financial accounting period started from July, 2001 only. The prices for sale in Malaysia shall be used to establish normal value.
- (viii) We request the Authority to take into consideration the following factors that influence prices.
  - (a) Timing of sale and varying prices of raw materials.
  - (b) Different levels of trade – adjustment for sales via traders.
  - (c) Different order volumes – price discount for high volumes.
- ix) In response to the Disclosure Statement, BASF Petronas Chemicals

(BPC) has requested to fully accept the start up situation as regards the cost of production including the prices of raw material.

### **Examination by the Authority**

22. Subsequent to the preliminary findings, M/s BASF Petronas Chemicals, Malaysia have furnished information in respect of the questionnaire and other information called by the Authority. The Authority also carried on the spot verification of the exporter's information in Malaysia.

- (i) The Authority has verified the cost of production of M/s BASF Petronas Chemicals (BPC), Malaysia. The Authority has examined the claim of BPC regarding high start-up cost during the POI in accordance with para 3(ii) of Annexure I of Anti Dumping Rules read with Article 2.2.1.1 and footnote 6 of the Anti dumping Agreement. The Authority has considered the cost of production at the end of the start-up period. However, as regards the price of raw material, the Authority has considered the same on actual basis. In the views of the Authority, the start up operation may have bearing on the consumption factor and not on the rates of the raw materials. Therefore, Authority has considered it to adopt the rates of raw materials as actually paid by the exporter during the POI. As per para 2 of Annexure I of Anti Dumping Rules, the domestic sales to be considered for Normal Value determination should be in the ordinary course of trade. After examination of the claims of the exporter as regards cost of production as above, the Authority finds that the domestic sales of 2EHA are in the ordinary course of trade. Accordingly, the Normal Value for 2EHA has been determined on the basis of weighted average domestic sales price. This gives Normal Value of US\$ \*\*\*per MT.
- (ii) In respect of IBA, more than \*\*\*% of the domestic sales were found to be below cost of production plus selling, administration and general expenses. The Normal Value has, therefore, been determined on the basis of remaining profit making sales of IBA. This gives the Normal Value as US\$ \*\*\* per MT.
- (iii) There was no domestic sales of Normal Butanol (NBA) during the POI. The Normal Value for NBA has, therefore, been determined on the basis of cost of production plus selling, administration and general expenses plus \*\*\*% profit which works out to US\$ \*\*\*per MT.
- (iv) As regards export price for 2EHA, as per response, M/s BPC has made direct exports of \*\*\*MT of 2EHA to India during POI. They have also informed to have sold a parcel to a trader which may have landed in India. The Authority has verified the response received from the importers and has found that substantial quantity of the sales of 2EHA

by BPC to the trader has been cleared by the Indian importers. The country of origin of these imports is Malaysia. The trader's name is the same as informed by BPC. DGCI&S data shows imports of 983.11 MT of 2EHA from Malaysia. Therefore, the Authority has considered the exports made by BPC through trader as BPC exports. The Authority has verified the adjustments from the export price on account of discount/commission, packing, inland freight, overseas freight, insurance, clearance and handling, shipping charges. The Authority has also made adjustments on account of interest cost of \$\*\*\* as shown on invoices. The Authority has also considered the volume of imports of Malaysia origin as per importer's response and has made similar adjustments from the export price. However, no adjustment on account of packing has been made as these were bulk imports. The export price for 2EHA is thus determined as US\$ \*\*\*MT.

- (v) In respect of IBA, Authority has considered the views of BPC and other interested parties about the export price to be taken. It has been argued by BPC that if the DGCI&S data was deemed correct then in addition to the volume of 13.6 MT, the rate of US\$ 1301.20/MT is to be considered. As per BPC and Malaysian Government statistics, there were not exports of Iso Butanol to India during POI. However, the DGCI&S data showed imports under ITC HS Code 2905 1409 of 13,600 kgs for Rs.8,13,136/- . The Authority had sought more details of these imports from DGCI&S who have furnished details of imports. As per the information given by DGCI&S, these imports of 13.6 MT relate to Myristyl Alcohol cleared under ITC-HS 2905 1200 and 2905 1409. The Authority is, therefore, of the view that there were no exports of IBA from Malaysia during POI and therefore, no separate dumping margin for IBA have been determined.
- (vi) As regards NBA, it has been argued by BPC that they did not sell any Malaysian origin N-Butanol during the POI – neither export nor domestic sale. They however, sold NBA ex-USA via a Singapore trader on FOB basis. The Authority, however, finds that the DGCI&S data shows imports of 261 MT for Rs.68,94,932/- of NBA under ITC HS 2905 1300 from Malaysia. The data of Malaysian Government shows exports of NBA of 1992.71 MT during April-June, 2001. This is also corroborated by the information given by BPC. The Authority has thus considered these exports of NBA as those of BPC. The FOB export price as given on the export invoices of BPC have been considered. Adjustments on account of commission, overseas insurance, clearance and handling, surveyor and port charges as per exporter's records have been made. Further, adjustment of \$ \*\*\*PMT on account of credit cost for \*\*\* days have been made to arrive at net export price of US\$\*\*\*PMT.

## Romania

### 23. Submissions made by M/s OLTCHIM S.A. Romania

- (a) Their company has co-operated with the Authority during the spot verification that took place in February 2003. The company did their best in making available all requested information.
- (b) In response to the Disclosure, M/s OLTCHIM has argued that Octanol is also described as 2EH. However, it is different from 2EHA. Dumping margin of 25.97% has been calculated for Romania for 2EH and an identical one for 2EHA. This cannot be accurate since M/s OLTCHIM did not export any 2EHA in India but only 2EH.

### 24. Normal Value in respect of Romania

- (i) The Authority recalls the preliminary findings regarding Normal Value determination in respect of Romania. Only one exporter from Romania viz. M/s OLTCHIM had responded to the investigation. As the information furnished by M/s OLTCHIM was grossly deficient, the Authority had determined Normal Value on the basis of the facts available. Subsequent to the preliminary findings, the exporter had furnished more information. The Authority has also conducted spot verification of the data of M/s OLTCHIM, Romania. The Authority finds that the exporter produces Octanol and have also exported Octanol during the POI to India. As regards exporter's arguments that Octanol is different from 2EHA, the Authority is of the view that for determining the dumping margin comparison of Normal Value and export price of Octanol sold by M/s OLTCHIM has been made. However, Authority's views on determination on the issue of Like Article are reiterated here where Octanol has been held to be a Like Article to 2EHA. The Authority finds that \*\*\*% of domestic sales of the Company are below the cost of production. These non-profitable sales are more than 20% of total domestic sales. The Authority has considered the remaining \*\*\*% domestic sales for determining the Normal Value as US\$ \*\*\*PMT.
- (ii) The Authority has verified the export price of M/s OLTCHIM and the adjustments shown. The credit cost has been taken on the basis of terms of payment and prevailing interest rates. The Authority has determined ex-factory export price as US\$\*\*\* PMT.

**South Africa****25. Normal Value in respect of South Africa****Sabutol**

- (i) Only one exporter from South Africa viz. M/s Sasol Solvents had furnished response regarding their export and domestic sales of Sabutol. The Authority recalls the preliminary findings in respect of Normal Value determination for South Africa. The Authority had provisionally accepted the information furnished by the exporter. The exporter has subsequently furnished the information. The domestic industry does not produce Sabutol. The Authority has determined Normal Value on the domestic sales price in South Africa.
- (ii) The export price in respect of Sabutol has been determined on the basis of exporter's data. Adjustments on account of packing, inland freight, storage, handling/surveyor, demurrage, ocean freight have been made as per exporter's information. Adjustments on account of commission and credit cost for 90 days has been made. The net export price has been determined as US\$ \*\*\* PMT.

26. The exporter had made further submissions on the Disclosure Statement as under :

- i) The Authority must determine a dumping margin, either directly or through a constructed Normal Value prior to imposing any duty. The very fact that this is not being done is contravention of the law.
- ii) Prior to imposition of anti dumping duty on any product, there necessarily must be exports. IBA was not exported from South Africa during the POI. This has been confirmed by Dept. of Trade and Industry in South Africa. Therefore, IBA from South Africa must be out of the purview of this investigation.

**NBA and IBA from South Africa**

27. The Authority recalls the preliminary findings regarding Normal Value determination in respect of NBA and IBA from South Africa. As per a letter furnished by the South African High Commission, New Delhi, it has been informed that according to Board of Tariffs and Trade, Government of South Africa, there have been no exports of Octanol and Iso Octanol, Nonanol and Iso Nonanol, 2EHA and IBA during the POI. The Authority, however, notes that as per DGCI&S data, exports of NBA and IBA were reported under ITC HS Classification 2905 1300 and 2905 1409. The Authority thus confirms the Normal Value determination on the basis of facts available i.e. constructed cost of production furnished by the petitioner. As regards export price, the Authority

has to rely on the DGCI&S data and the Authority confirms the preliminary findings for export price of NBA and IBA. Any new exporter or those exporters who have not exported the subject goods during the period of investigation can seek review under Rule 22.

### **Singapore**

28. The Authority recalls its preliminary findings as regards Normal Value determination for Singapore. None of the exporters from Singapore had furnished any response to the questionnaire. Subsequent to the preliminary findings M/s Exxon Mobil Chemical International Services Ltd. (EMCIS), Singapore have offered following views :

- (i) EMCIS has not exported the product under consideration to India during the POI. Exports of 2EHA were done by M/s Eastman from Singapore. The INA plant of EMCIS was set up on or around June/July 2001. The POI in this investigation is from 1<sup>st</sup> April, 2000 to 30<sup>th</sup> June, 2001.
- (ii) There is no basis in law to impose anti dumping duty on items which have not been exported to India during the POI.
- (iii) These submissions are without prejudice to the rights of M/s EMCIS to seek a new shipper review under Rule 22 of the Anti Dumping Rules.
- (iv) In the oxo alcohols Case-I, the authority did not recommend duty on INA from EU on the basis that it was not like article to the 2EHA. To impose anti dumping duty now on the basis that INA from Singapore is like article to 2EHA is illegal and not permissible.
- (v) The authority may pass orders that result in the removal of provisional duties imposed on imports of INA from Singapore.

The Authority notes that the DGCI&S data shows exports of NBA, IBA and 2EHA from Singapore. The Authority finds from the response received from importers that NBA and 2EHA of Singapore origin has been imported during the POI. In the preliminary findings, the authority had determined dumping margin in respect of NBA and 2EHA. The dumping margin in respect of IBA was negative. M/s Exxon Mobil has argued that Authority has not disclosed how Normal Value has been calculated for NBA, IBA and 2EHA for Singapore. Further, the Authority must determine a dumping margin either directly or through constructed Normal Value prior to imposing any duty. The Authority recalls its preliminary findings as regards Normal Value determination for Singapore. Under para 11 part F of Preliminary Findings, the Authority had stated that it had considered the evidence as furnished by the petitioner for constructing the Normal Value. As there is no fresh evidence as regards Normal Value and Export Price from

Singapore, the Authority confirms the Normal Value, export price and dumping margin as per the preliminary findings. Any new exporter or those exporters who have not exported the subject goods during the period of investigation can seek review under Rule 22.

#### **Normal Value and Export Price in respect of other exporters**

##### **Brazil**

29. In respect of other non-cooperative exporters, the Authority has determined Normal Value for 2EHA based on evidence of domestic sales price of co-operative exporter without allowing any adjustments. Export price as per co-operative exporter has been adopted. Dumping margin determined is 30.88%.

In respect of NBA, the Normal Value as determined for co-operative exporter has been adopted. The export price as per DGCI&S data has been adopted. Dumping margin of 47.45% has been determined.

In respect of IBA, the Normal Value as determined for co-operative exporter has been adopted. Export price as per co-operative exporter has been adopted. Dumping margin determined is 31.28%.

##### **Malaysia**

30. In respect of other non-cooperative exporters, the Authority has adopted Normal Value for 2EHA as determined for co-operative exporter. Lowest export price as per evidence available has been adopted. Dumping margin of 16.23% ha been determined.

In respect of NBA, the Normal Value as determined for co-operative exporter has been adopted. The lowest export price as per co-operative exporter's information has been adopted. Dumping margin of \*\*\*% has been determined.

In respect of IBA, the Normal Value as determined for co-operative exporter has been . adopted. No evidence regarding Export price was available. The Authority has not determined separate dumping margin for IBA.

##### **Romania**

31. In respect of other non-cooperative exporters, the Authority has determined Normal Value of Octanol based on evidence of highest domestic sales price of co-operative exporter. Export price as per co-operative exporter has been adopted. Dumping margin of 43.11% has been determined.

### **South Africa**

32. In respect of other non-cooperative exporters, the Authority has adopted the Normal Value for Sabutol as determined for co-operative exporter. Lowest export price as per co-operative exporter has been adopted. Dumping margin of 29.36% has been determined..

#### **Dumping Margin :**

33. The Authority followed the consistent practice of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I to the anti-dumping rules. Dumping margins have been determined on the basis of a fair comparison of Export Price with the Normal Value in pursuance of the principle laid down in Para 6 of Annexure-1 to the Rules. The comparison is at the same level of trade, i.e. Ex-factory level. The Authority has also taken note of the arguments of some of the interested parties as regards comparison of Sabutol with NBA/IBA and proper allowance to be given. The Authority has compared the Normal Value and export price of Sabutol as per the information given by the exporter. Based on the Normal Value and export price as above, the Authority has determined the following dumping margins (%):

<b>Country</b>	<b>Exporter</b>	<b>NBA</b>	<b>IBA</b>	<b>2-EHA</b>	<b>Sabutol</b>	<b>Octanol</b>
Brazil	M/sCiquine Cia. Petroquimica	33.98	31.28	21.11		
Brazil	Other exporters	47.45	31.28	30.88		
Malaysia	M/s BASF Petronas	1.30*		8.94		
Malaysia	Other exporters	1.30*		9.70		
Romania	M/s Oltchim			25.97		25.97
Romania	Other exporters			43.11		43.11
Singapore	All exporters	46.63	-27.17	50.63		
South Africa	M/s Sasol Solvents	-22.52	72.48		24.42	
South Africa	Other exporters	-22.52	72.48		29.36	

\*De- Minimus dumping Margin

#### D. INJURY AND THREAT OF INJURY

34. Rule 11 of Anti Dumping Rules reads as follows:  
"Determination of Injury:

(1) In the case of imports from specified countries, the designated authority shall record a further finding that import of such article into India causes or threatens material injury to any established industry or materially retards the establishment of any industry in India;

(2) The designated authority shall determine the injury to domestic industry, threat of injury to domestic industry, material retardation to establishment of domestic industry and a causal link between dumped imports and injury, taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles and in accordance with the principles set out in Annexure II to these rules."

35. The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti-Dumping Rules lay down that:

a. A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products.

b. While examining the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of Rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price under-cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.

36. Views of Domestic Industry:

The petitioner has reiterated their views on injury made at the time of Preliminary Findings. They have made following submissions :

i) Capacity, production, capacity utilization and sales volumes :- The capacity addition carried out by APL were with a view to afford higher production in an effort to lower costs to enable that company to face the competition. However, in spite of higher rate of production and higher

sales volumes, the profitability of the domestic industry deteriorated from a situation which was already found to be injury situation.

- ii) **Selling price** :- Selling prices can not be seen in isolation. Selling prices must be seen along with changes in the costs. As would be seen from the information filed, the cost of production increased more than the increased in the selling prices, resulting in higher losses. Thus , the dumped imports prevented legitimate price increases. Furthermore, it should also be noted that the domestic industry had earlier suffered material injury from dumped imports from a number of countries. Thus, the industry was recovering from this injury. The argument of the IPMA with regard to non availability is baseless. The Association on the one hand claims that its members are the major consumers of the product, on the other hand, the Association has claimed that it is not able to comment on the sales realization of the domestic industry because the relevant information has been kept confidential by the domestic industry. It is relevant to point out that the importers questionnaire which the members of IPMA have filled requires, inter-alia, information on domestic purchases by the importers/consumers. Such being the case, there is no basis for the argument that the information on domestic prices is not available with the IPMA.
- iii) **Market Share** :- The market share of the imports from subject countries has increased more significantly than the domestic industry. Furthermore, the domestic industry has regained part of the share it had earlier lost to the dumped imports from the subject countries.
- iv) **Closure of the plants by NOCIL and suspension of production by APL**:- The primary reason for suspension of the production by APL was unremunerative prices. Since the company was not able to sell the product at remunerative prices in the face of continued dumping, the company was faced with other difficulties. The reasons for other problems faced by APL therefore lies in unremunerative prices only. Similarly, NOCIL could not operate its Petrochemical Business profitably for a long time. Other efforts made by the company in surviving its operations also did not materialize due to the unremunerative Indian Market. It is worthy to mention here that not only new investments have already taken place in this industry elsewhere in the World, more investments are being planned outside India. When globally investments remain lucrative, the reasons for not being so in India lies in the unremunerative market only.
- v) **Price undercutting** :- The imports from subject countries were significantly under cutting the prices of the domestic industry in the domestic market.
- vi) **Price suppression / depression** :- the imports from the subject countries were suppressing / depressing the prices in the market. The imports were

- preventing legitimate price increases, which the domestic industry had expected after imposition of anti dumping duty.
- vii) Price under selling :- The imports from subject countries were forcing the domestic industry to undersell the product in the market. The domestic industry was not able to recover reasonable return on its capital employed.
  - viii) Significant increase in import volumes :- Imports have increased significantly in absolute terms from subject countries. The actual volume of imports is far higher than what is reflected in the DGCI&S data.
  - ix) The arguments of the importers that the determination of injury is wrong when most of the parameters show improved position, is legally not tenable. The WTO Anti Dumping Agreement Article 3.4 clearly states that the list of economic factors and indices is not exhaustive, nor can be one or several of these factors necessarily give decisive guidance. Positive improvements in parameters such as production, sales volumes, capacity addition, capacity utilization are clearly outweighed by negative parameters such as price undercutting, continued adverse profitability in spite of imposition of anti dumping duty on sources earlier found to be dumping.
  - x) As regards threat of material injury, the argument that the Designated Authority cannot suo moto determine threat of material injury is ill-conceived. The WTO panels in number of cases have held that nothing prevents the authorities from using information from independent sources and suo moto examining certain issues.
  - xi) With regard to the argument that the new plant has come up only in Singapore and has no relevance with other countries, the injury to the domestic industry is required to be assessed cumulatively.
  - xii) The level of stocks with the domestic industry increased.
  - xiii) Return on investments have remained negative since 1998-99.
  - xiv) The domestic industry is largely making losses from 1998-99 to the investigation period. The financial losses suffered by the domestic industry adversely affected the cash flow.
  - xv) The employment levels of the domestic industry have not undergone any significant change.
  - xvi) The domestic industry is finding it difficult to afford the obligatory wage increases of its employees.

- xvii) The domestic industry is not able to raise fresh capital or plan new investments as the industry is loosing heavily in their operation.
- xviii) The dumping margins are not only more than de minimus, but also very significant. Significant dumping margins have very adversely affected the performance of the domestic industry.
- xix) The imports are adversely affecting the growth of the domestic industry.
- xx) The parameters laid down under the rules for cumulative assessment of the injury are well met in this case as (a) quantum of imports from each of the subject countries is more than de minimus, (b) dumping margin from each of the subject countries is more than de minimus and (c) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

### 37. Views of IPMA and M/s Lubrizol India Ltd.

- i) Contrary to Rule 11(2), material injury to the domestic industry has not been established in view of the following :
  - (a) A number of injury factors do not show any injury
  - (b) The domestic industry has increased its capacity
  - (c) Level of capacity utilisation has increased
  - (d) Production quantity has increased
  - (e) Sales quantity has increased
  - (f) Sale prices of the domestic industry have increased significantly
  - (g) Market share of the domestic industry has increased significantly
  - (h) Closing stock has come down
  - (i) Fall in employment level is irrelevant in this case
  - (j) Cash flow position has improved compared to previous years
  - (k) Determination of the authority that ability to raise capital investment is affected is factually incorrect
  - (l) Profitability has improved
  - (m) Lack of information on domestic sales realization, domestic sale prices, cost of production, etc. severely handicapped other interested parties from making effective defence of their interests before the designated authority
  - (n) Determination of material injury is wrong when most of the injury parameters show positive movement

There is not a single factor on which domestic industry has suffered injury. Even if there are some factors on which the Authority has determined injury, the Authority is required to give a persuasive explanation as to why those factors outweighed the positive developments in other factors.

ii) Contrary to Paragraph (vii) of Annexure II, threat of material injury has not been established in view of the following :

- (a) Suo moto determination by the authority regarding 'threat of material injury' is wrong
- (b) Basic condition for threat of material injury not satisfied
- (c) Events during the last 15 months after the period of investigation do not support the fear of 'threat of injury'
- (d) Threat of material injury is not a fall back option

iii) Contrary to Rule 11(2), no causal link has been established in view of the following :

- (a) Reasons for suspension of operations of APCL have not been evaluated at all
- (b) Suspension of operations by APCL caused increase in imports but not the other way around
- (c) In the absence of any imports of Nonanol, Hexanol, Heptanol, Decanol, etc. no injury could have been caused by them
- (d) Volume effect of alleged dumped imports is 'nil'
- (e) Price effect determined by the authority is without any evidence
- (f) Authority did not examine factors other than dumping which could have caused injury to the domestic industry
- (g) Contrary to Rule 6(5), authority failed to consider the views of industrial users of the product in view of the following :
- (h) Industrial users are the worst affected as the domestic industry does not manufacture all the acrylic alcohols
- (i) Domestic industry cannot meet the entire demand. Imports are necessary to meet the shortfall.
- (j) The prices of domestic industry are artificially higher
- (k) How other countries consider the interests of industrial users

In any case, the amount of anti dumping duty per MT imposed by the authority is astronomically high and will kill the entire user industry.

iv) The domestic industry has stated that their inventory has now increased to 3600 MT. This is a development after the POI and hence such post POI development shall not be considered while determining injury to the domestic industry. Also stock position at the end of just one month is not a reliable indicator.

v) Injury due to dumping from other countries covered in the previous investigation shall not be considered.

vi) NOCIL has been closed down and has ceased to be a domestic manufacturer of the Like Article. Therefore, their data shall not be considered for evaluation of injury, NIP etc.

vii) Against the total demand of about 125,000 MT of all oxo alcohols in India, the total local production is 40,000 MT annually. All avenues of imports have been closed due to levy of anti dumping duty. This has led to large scale import of plasticizers. Anti dumping duty on oxo alcohols is proving as a blessing in disguise to the large integrated plants of the world who are now exporting plasticizer or other products made out of oxo alcohols.

viii) After anti dumping duty has been imposed on oxo alcohols, no significant imports has taken place from these countries.

ix) The value addition in Phthalic plasticizers manufacturing is about \$ 60 PMT (Rs.3000/-). This industry cannot absorb the anti dumping duty of a range of \$ 38 to \$307 PMT.

x) Profitability of Andhra Petrochemicals has increased in the year 2002-03, not because of levy of anti dumping duty but mainly because of hike in international prices of oxo alcohols.

xi) The Designated Authority should drop the anti dumping duty permanently on oxo alcohols since it will not benefit in any case to the local producers of oxo alcohols but will kill permanently the plasticizer manufacturers and manufacturers of Phthalic Anhydride.

### **38. Views of M/s OLTCHIM S.A. Romania**

During the 15 months investigation period, OLTCHIM made a single export of Octanol for 1154.7 tonnes for \$ 560,029. Neither in the previous two years, nor after this single transaction, OLTCHIM did not do any other sale of

Octanol in India. This sole sale in India was occasional. Thus the Romanian party considers that sourcing from Romania the product that makes the object of the current investigation cannot perturb the Acyclic Alcohols Indian Market.

### 39. Views of M/s BASF Petronas Chemicals, Malaysia

- i) Loss of market share as claimed by the petitioners during POI compared to previous years is not correct. The market share of domestic producers increased by 50% during year 2000-01 as compared to the year 1999-2000 and 1998-99. The steep increase in market share for domestic producers is extraordinary given the fact that one of the petitioners M/s Andhra Petro Chemicals had plant operations suspended for half a year during POI from January to July, 2001 due to operational constraints. The increase of the import volume alleged by the complainant were significantly under cutting the prices of domestic industry. This is not due to aggressive price behaviour but due to the suspension of production of one of the petitioners
- ii) World scale Oxo Alcohols plants are of 250,000 MT capacity per annum and larger. Smaller plants are not state of the art and not competitive. The Indian Oxo Alcohols production facilities are smaller than 50,000 pmt per annum. This fact is acknowledged by local oxo alcohols producers themselves in the annual report of NOCIL. Thus the alleged injury of the complaining industry is self-inflicted. It cannot be the aim of anti dumping procedure to safeguard inefficient structures and protect outdated technology and production plants.

### 40. Views of Indian Chemical Manufacturers Association

Imposition of anti dumping duty on the input raw material of the plasticizers industry namely oxo alcohols which already has low margins could result in closure of all plasticizers manufacturing units.

- Parameters have changed with the closure of 2 units. Oxo alcohols domestic supply is far short of demand.
- Serious impact of making other industries like plasticizers, Phthalic anhydride and orthoxylene production which have large investments and large manpower unviable while trying to protect one unit i.e. Andhra Petrochemicals.
- Closure of plasticizer units will adversely affect the long term functioning of Andhra Petrochemicals, which is definitely not in its interest.
- Margins in value additions from phthalic anhydride and oxo alcohols to plasticizers does not warrant any ADD.
- The ADD issue should be re-examined and pertain only to locally produced oxo alcohols viz. NBA, IBA, 2EHA only as ADD on other oxo alcohols reduces the availability of other grades of plasticizers to Indian end users and these have niche markets of their own.

- Hence anti dumping duty on oxo alcohols other than 2EHA, NBA and IBA should be removed immediately.
- Decision should be made at the earliest but should not be valid for more than a year because the industry scene is highly dynamic.

In the interim no new country should be added to the existing list of countries on which ADD is imposed.

#### **41. Views of Government of Brazil**

- i) The notification of preliminary findings does not mention the exclusion of exports of the above mentioned product for which there was a negative determination. Apparently, the totality of product under investigation was considered. This procedure is not in conformity with the WTO agreement on anti dumping.
- ii) Injury parameters such as evolution of imports in relation to national production, sales, production, stocks, employment and salaries have not been assessed.
- iii) The Authority only took into consideration indicators that were negative. The Authority should evaluate the totality of indicators listed in Article 3.4 of the AD Agreement so as to reach acceptable conclusion.

#### **42. Views of M/s Exxonmobil Chemical International Services Ltd. (EMCIS), Singapore.**

- i) As per Section 9B of the Customs Tariff Act, the Designated Authority must return a finding of injury or threat of injury arising out of import of INA into India. It is not sufficient that a cumulative finding of injury is returned covering all oxo alcohols, whether produced in India or exported to India. The authority must return a positive finding of injury or threat thereof caused by the dumping of INA into India.
- ii) There can be no injury in the absence of imports during POI. The authority has concluded that there is threat of material injury. This is incorrect as there have been no exports of Singapore INA during POI. The provision in the Rules enables the authority to make an analysis on threat of injury but not a threat of exports. Thus there can be no duty imposed on INA from Singapore. Further, the petitioners have not alleged any threat of injury from the imports of INA as seen from non-confidential version of petition. The findings of threat of injury are inadequate and erroneous.

### 43. Views of M/s Sasol Solvents Ltd., South Africa

The chemical analysis indicates that the composition of Sabutol is more akin to the "seconds" material of NBA / IBA column bottoms, which one of the petitioners are describing as oxo alcohols slopes /residual and are selling at a fraction of the price of pure NBA / IBA. As these are waste materials and not first grade production, the petitioners are not being injured by the imports of Sabutol.

### 44. Examination by the Authority

i) The Authority recalls its preliminary findings on injury. The authority has examined the arguments raised by exporters, importers, Associations and domestic industry on injury.

ii) The domestic industry has furnished information on various economic factors / indices relating to injury determination viz. natural and potential decline in sales, profits, market share, productivity, return on investments, utilization of capacity, factors affecting domestic prices, effects on cash flow, inventories, employment, wages etc. In view of suspension of production by M/s NOCIL subsequent to the initiation of this investigation, the Authority has evaluated the injury to the domestic industry with reference to the remaining domestic producer viz. M/s Andhra Petrochemicals Ltd.

iii) While determining the non-injurious price for the like article for the domestic industry, the Authority has considered the optimum cost of production for the domestic industry which would take into account the normated best consumption norms and would also take into account the actual price of the raw materials during the POI which go into the production of the product under consideration. Also, while arriving at the injury margin, the Designated Authority has taken into account optimum capacity utilisation for arriving at a fair selling or non-injurious price.

45. The Authority has analysed the various injury parameters as under :

**Quantum of imports and Share of Subject Countries**

Imports (MT)	1998-99	1999-00	April,2000 – June'01 (POI)	POI Annualised
Subject Countries	1788	5262	12014	9611
Other Countries	31215	30853	9806	7844
Total Imports	33003	36115	21820	17456
Market Share in Imports (%)				
Subject Countries	5.42	14.57	55.06	55.06
Other Countries	94.58	85.43	44.94	44.94

**Market Share in demand**

<b>Imports (MT)</b>	<b>1998-99</b>	<b>1999-00</b>	<b>April,2000 – June'01 (POI)</b>	<b>POI Annualised</b>
Domestic Industry (M/s Andhra Petro)	27.08	31.55	42.76	42.76
Other Producer	29.36	24.26	30.59	30.59
Domestic Industry	56.44	55.81	73.36	73.36
Subject Countries	2.36	6.44	14.67	14.67
Other Countries	41.20	37.75	11.97	11.97

**Production of Domestic Industry and Capacity Utilization\***

	<b>1998-99</b>	<b>1999-00</b>	<b>April,2000 – June'01 (POI)</b>	<b>POI Annualised</b>
Domestic Industry (M/s Andhra Petro)	100	90.35	184.59	134.15
Capacity Utilization	100	126.38	117	117

\*Indexed figures.

**Sales of Domestic Industry\***

	<b>1998-99</b>	<b>1999-00</b>	<b>April,2000 – June'01 (POI)</b>	<b>POI Annualised</b>
Domestic Industry (M/s Andhra Petro)	100	125.69	170.70	136.56

\*Indexed figures.

**Price Undercutting**

In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree. The Authority has compared the landed value of imports of subject goods from subject countries during the POI with the net sales realization and has found that there has been a significant price under-cutting by the dumped imports. The landed value of imports has been found to be significantly lower than the domestic industry's net sales realization.

### **Price Suppression / Depression**

The Authority has compared the landed value of imports of subject goods from subject countries during the POI with the non-injurious price and has found that there has been a significant price suppression by the dumped imports. The landed value of imports has been found to be significantly lower than the domestic industry's non-injurious price. The imports were having significantly suppressing/ depressing effect on the prices in the domestic market, as the domestic industry has not been able to raise its selling price in view of the dumped imports.

### **Profitability**

The Authority finds that the domestic industry is forced to reduce its selling price below the cost of production due to the dumped imports from the subject countries. This has resulted in the petitioners suffering severe financial losses. One of the petitioners company M/s. Andhra Petrochemicals Ltd. have suffered losses to the tune of Rs.\*\*\* lakhs in the year 2000-01 as reported in their annual reports.

### **Actual and Potential Negative Effect on Cash Flow**

	1998-99	1999-00	April,2000 – June'01 (POI)
Cash Flow	100	363.71	192.16
Cash Losses	-100	-51.84	-0.25

\*Indexed figures.

### **Inventories (Closing Stock of Finished Goods)**

	1998-99	1999-00	April,2000 – June'01 (POI)
Closing Stock	100	126.24	32.64

\*Indexed figures.

### **Employment & Wages**

	1998-99	1999-00	April,2000 – June'01 (POI)
Employment	100	100	98.63
Wages	100	107.66	111.02

\*Indexed figures.

### **Ability to raise Capital Investments**

The Company is making losses since commencement of production due to dumping from one source after another. The Company is finding it difficult to pay its loans to financial institutions.

#### 46. CONCLUSIONS ON INJURY

From the foregoing, the following conclusions are made by the Authority regarding various injury parameters affecting the domestic industry:

- a) Imports from the subject countries have increased significantly in absolute terms.
- b) Imports from the subject countries have increased in relation to total imports of Acyclic Alcohols in India.
- c) Imports from the subject countries have increased in relation to the demand of Oxo Alcohols in India.
- d) The production of the domestic industry increased during the POI.
- e) Sales of the domestic industry increased during the POI.
- f) Market share in demand of the domestic industry increased during the POI.
- g) Imports from subject countries are significantly undercutting the selling prices of the domestic industry.
- h) The domestic industry has suffered price suppression / depression as it has not been able to raise its selling price to remunerative level.
- i) Domestic industry has suffered losses in per unit selling price of all the three types of oxo alcohols produced and sold.
- j) The profitability of the domestic industry has been severely eroded resulting into financial losses.
- k) The return on investment has remained negative.
- l) The cash flow position of the of the domestic industry had somewhat improved in the year 1999-2000 but again deteriorated during the POI. It continued to suffer cash losses.
- m) The level of closing stock has declined during the POI.
- n) There has not been any significant effect on the employment level and payment of wages.
- o) The petitioner company are not in a position to raise funds for capital investment since they are incurring losses.

47. After examining all the above indices, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury on account of significant increase in the volume of dumped imports from the subject countries, significant price under cutting and price suppression. The price effect of the dumped imports has caused suffering of financial losses by the company. The domestic industry is not able to raise funds for capital investment and continues to suffer cash losses and negative return on investment. The Authority is also of the view that improvement in some of the parameters viz. production and sales can possibly be due to the imposition of anti dumping duty on imports from other sources.

48. The Authority recalls the preliminary findings as regards threat of material injury on account of significant imports of Iso Nonanol during the period subsequent to the POI. The authority has taken note of various arguments made by the interested parties in response to the preliminary findings. The authority observes that there is no evidence of dumping of Iso Nonanol during the POI. Para (vii) of Annexure II to the Rules lays down that:

(vii) *A determination of a threat of material injury shall be based on facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The change in circumstances which would create a situation in which the dumping would cause injury must be clearly foreseen and imminent. In making a determination regarding the existence of a threat of material injury, the designated authority shall consider, inter alia, such factors as:*

(a) *a significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation;*

(b) *sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian market, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports;*

(c) *whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and*

(d) *inventories of the article being investigated."*

The Authority is of the view that since there is no evidence of dumping of Iso Nonanol during the POI and sufficient justification as per the above requirements of the Rules have not been brought out before the Authority, a case has not been conclusively established for a threat of material injury to the domestic industry on account of alleged imports of Iso Nonanol subsequent to the POI. Hence, despite the view taken in the Preliminary Findings with regard to imposition to anti dumping duty on Iso Nonanol, the Authority is not inclined to continue imposition of anti dumping duty on Iso Nonanol at present.

## E. CAUSAL LINK

49. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry the Authority has examined the effect of the dumped imports in accordance with principle (v) of Annexure-II of the Anti-Dumping Rules.

50. In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports from the subject countries, the Authority holds that the increase in quantum of imports from subject countries resulted in the curtailment of market share of the petitioner. Increase in the dumped imports of subject goods had the effect of undercutting the prices of the domestic product forcing the domestic industry to sell below its fair selling price. Resultantly, the domestic industry was not in a position to realize its fair selling price and therefore incurred losses. The material injury to the domestic industry was, therefore, caused by the dumped imports from the subject countries. The injury to the domestic industry is a consequence of the dumped imports of like article from subject countries.

51. On the basis of the 'facts available', it is observed that the imports of the subject goods from "other countries" are below the de-minimis level during the period of investigation.

52. Contraction of demand is not apparent and no technological development in the industry or any other such factor which could have resulted in injury to the domestic industry has been noticed.

## F. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST

53. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market which is in the general interest of the country.

54. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

## G. CONCLUSIONS

55. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (i) Acyclic Alcohols(Oxo Alcohols), viz., Normal Butanol (NBA), 2-Ethyl Hexanol (2-EHA), Iso Butanol (IBA), Sabutol and Octanol have been exported to India from subject countries below their normal value;
- (ii) The domestic industry has suffered material injury;
- (iii) The material injury has been caused cumulatively by the dumped imports from subject countries;

56. It is considered necessary to impose definitive anti-dumping duty on the forms of Acyclic Alcohols (Oxo Alcohols), including those forms held as Like Article, where there is either evidence of dumping of the specific forms or of another forms held as Like Article during the POI. Accordingly, the Authority recommends imposition of anti dumping duty on the imports of following forms / types of Acyclic Alcohols from subject countries in order to remove the injury to the domestic industry :

Normal Butanol (NBA), 2-Ethyl Hexanol (2-EHA), Iso Butanol (IBA),  
Sabutol and Octanol.

57. It is decided to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry (clause (d) Rule 4 supra as amended). The landed price of imports was also compared with the non-injurious price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Accordingly, it is proposed that definitive anti-dumping duties be imposed on the subject goods originating in or exported from the subject countries being cleared under Heading 2905 of the Schedule I of Customs Tariff Act. The anti-dumping duty shall be the amount mentioned in Col. 9 of the Table below in US \$ per MT.

S.No	Sub-Heading	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	290513	Acyclic Alcohols	N-Butanol (NBA)	Brazil	Any country other than Romania, Malaysia, South Africa and Singapore	Ciquine	Ciquine	140.77	MT	US\$
2.	290514	Acyclic Alcohols	Iso Butanol (IBA)	Brazil	Any country other than Romania, Malaysia, South Africa and Singapore	Ciquine	Cinquine	130.25	MT	US\$
3.	290516 290519	Acyclic Alcohols	2-Ethyl Hexanol (2EHA) and Octanol	Brazil	Any country other than Romania, Malaysia, South Africa and Singapore	Ciquine	Ciquine	110.72	MT	US\$
4.	290513	Acyclic Alcohols	N-Butanol (NBA)	Brazil	Any country other than Romania, Malaysia, South Africa and Singapore	Any producer other than Ciquine	Any exporter other than Ciquine	178.59	MT	US\$
5.	290514	Acyclic Alcohols	Iso Butanol (IBA)	Brazil	Any country other than Romania, Malaysia, South Africa and Singapore	Any producer other than Ciquine	Any exporter other than Ciquine	130.25	MT	US\$
6.	290516 290519	Acyclic Alcohols	2-Ethyl Hexanol (2EHA) and Octanol	Brazil	Any country other than Romania, Malaysia, South Africa and Singapore	Any producer other than Ciquine	Any exporter other than Ciquine	144.35	MT	US\$
7.	290513	Acyclic Alcohols	N-Butanol (NBA)	Any country	Brazil	Any producer	Any exporter	178.59	MT	US\$
8.	290514	Acyclic Alcohols	Iso Butanol (IBA)	Any country	Brazil	Any producer	Any exporter	130.25	MT	US\$
9.	290516 290519	Acyclic Alcohols	2-Ethyl Hexanol	Any country	Brazil	Any producer	Any exporter	144.35	MT	US\$

			(2EHA) and Octanol							
10.	290513	Acyclic Alcohols	N-Butanol (NBA)	Romania	Any country other than Brazil, Malaysia, South Africa and Singapore	Oltchim	Oltchim	122.65	MT	US\$
11.	290514	Acyclic Alcohols	Iso Butanol (IBA)	Romania	Any country other than Brazil, Malaysia, South Africa and Singapore	Oltchim	Oltchim	122.65	MT	US\$
12.	290516 290519	Acyclic Alcohols	Octanol and 2-Ethyl Hexanol (2EHA)	Romania	Any country other than Brazil, Malaysia, South Africa and Singapore	Oltchim	Oltchim	122.65	MT	US\$
13.	290513	Acyclic Alcohols	N-Butanol (NBA)	Romania	Any country other than Brazil, Malaysia, South Africa and Singapore	Any producer other than Oltchim	Any exporter other than Oltchim	203.65	MT	US\$
14.	290514	Acyclic Alcohols	Iso Butanol (IBA)	Romania	Any country other than Brazil, Malaysia, South Africa and Singapore	Any producer other than Oltchim	Any exporter other than Oltchim	203.65	MT	US\$
15.	290516 290519	Acyclic Alcohols	Octanol and 2-Ethyl Hexanol (2EHA)	Romania	Any country other than Brazil, Malaysia, South Africa and Singapore	Any producer other than Oltchim	Any exporter other than Oltchim	203.65	MT	US\$
16.	290513	Acyclic Alcohols	N-Butanol (NBA)	Any country	Romania	Any producer	Any exporter	203.65	MT	US\$
17.	290514	Acyclic Alcohols	Iso Butanol (IBA)	Any country	Romania	Any producer	Any exporter	203.65	MT	US\$
18.	290516 290519	Acyclic Alcohols	Octanol and 2-Ethyl Hexanol (2EHA)	Any country	Romania	Any producer	Any exporter	203.65	MT	US\$
19.	290514	Acyclic	Iso	Malaysia	Any	BASF	BASF	44.64	MT	US\$

		Alcohols	Butanol (IBA)		country other than Brazil, Romania, South Africa and Singapore	Petronas Chemical	Petronas Chemical			
20.	290516 290519	Acyclic Alcohols	2-Ethyl Hexanol (2EHA) and Octanol	Malaysia	Any country other than Brazil, Romania, South Africa and Singapore	BASF Petronas Chemical	BASF Petronas Chemical	44.64	MT	US\$
21.	290514	Acyclic Alcohols	Iso Butanol (IBA)	Malaysia	Any country other than Brazil, Romania, South Africa and Singapore	Any producer other than BASF Petronas Chemical	Any exporter other than BASF Petronas Chemical	48.12	MT	US\$
22.	290516 290519	Acyclic Alcohols	2-Ethyl Hexanol (2EHA) and Octanol	Malaysia	Any country other than Brazil, Romania, South Africa and Singapore	Any producer other than BASF Petronas Chemical	Any exporter other than BASF Petronas Chemical	48.12	MT	US\$
23.	290514	Acyclic Alcohols	Iso Butanol (IBA)	Any country	Malaysia	Any producer	Any exporter	48.12	MT	US\$
24.	290516 290519	Acyclic Alcohols	2-Ethyl Hexanol (2EHA) and Octanol	Any country	Malaysia	Any producer	Any exporter	48.12	MT	US\$
25.	290514	Acyclic Alcohols	Iso Butanol (IBA)	South Africa	Any country other than Brazil, Romania, Malaysia and Singapore	Any producer	Any exporter	260.52	MT	US\$
26.	290514	Acyclic Alcohols	Sabutol	South Africa	Any country other than Brazil, Romania, Malaysia and Singapore	Sasol Solvents	Sasol Solvents	68.79	MT	US\$
27.	290516 290519	Acyclic Alcohols	2-Ethyl Hexanol (2EHA) and Octanol	South Africa	Any country other than Brazil, Romania, Malaysia and Singapore	Any producer	Any exporter	260.52	MT	US\$

					Singapore					
28.	290514	Acyclic Alcohols	Iso Butanol (IBA)	South Africa	Any country other than Brazil, Romania, Malaysia and Singapore	Any producer other than Sasol Solvents	Any exporter other than Sasol Solvents	260.52	MT	US\$
29.	290514	Acyclic Alcohols	Sabutol	South Africa	Any country other than Brazil, Romania, Malaysia and Singapore	Any producer other than Sasol Solvents	Any exporter other than Sasol Solvents	79.56	MT	US\$
30.	290516 290519	Acyclic Alcohols	2-Ethyl Hexanol (2EHA) and Octanol	South Africa	Any country other than Brazil, Romania, Malaysia and Singapore	Any producer other than Sasol Solvents	Any exporter other than Sasol Solvents	260.52	MT	US\$
31.	290514	Acyclic Alcohols	Iso Butanol (IBA)	Any country	South Africa	Any producer	Any exporter	260.52	MT	US\$
32.	290514	Acyclic Alcohols	Sabutol	Any country	South Africa	Any producer	Any exporter	79.56	MT	US\$
33.	290516 290519	Acyclic Alcohols	2-Ethyl Hexanol (2EHA) and Octanol	Any country	South Africa	Any producer	Any exporter	260.52	MT	US\$
34.	290513	Acyclic Alcohols	N-Butanol (NBA)	Singapore	Any country other than Brazil, Romania, Malaysia and South Africa	Any producer	Any exporter	161.16	MT	US\$
35.	290516 290519	Acyclic Alcohols	2-Ethyl Hexanol (2EHA) and Octanol	Singapore	Any country other than Brazil, Romania, Malaysia and South Africa	Any producer	Any exporter	210.98	MT	US\$
36.	290513	Acyclic Alcohols	N-Butanol (NBA)	Any country	Singapore	Any producer	Any exporter	161.16	MT	US\$
37.	290516 290519	Acyclic Alcohols	2-Ethyl Hexanol (2EHA) and Octanol	Any country	Singapore	Any producer	Any exporter	210.98	MT	US\$

58. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

59. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 29<sup>th</sup> July, 2002.

60. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, *supra*.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority